मंगलवार
10 सितंबर 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

पशुपालकों को सौगात... अब घर बैठे ही करा सकेंगे अपने पशुओं का इलाज 2

पटना सिटी में दिनदहाड़े भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, तेजस्वी ने सरकार को घेरा

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में सोमवार की सुबह हथियारबंद बदमाशों ने एक बीजेपी कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की यह सनसनीखेज वारदात पटना सिटी चौक इलाके में हुई। मृतक की पहचान श्याम सुंदर न्यानारायण शर्मा ऊर्फ मुन्ना शर्मा के रूप में हुई है, जो पिछले कई वर्षों से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे। जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 6.15 बजे एक रेस्टोरेंट के बाहर हुई। घटना को अंजाम देने के बाद हथियारबंद हमलावर मौके से भाग निकले। मुन्ना शर्मा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े, इसके बाद उन्हें स्थानीय लोगों ने नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया। आरोपियों की पहचान के लिए इलाके में लगे तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

रविवार को ही बेटे का कराया था छेका

बताया जा रहा है कि मुन्ना शर्मा के घर पर रविवार को बेटा का छेका हुआ था। सोमवार की सुबह परिवार वालों को छोड़ने के लिए वह रोड पर आए थे। उनके गले में सोने की चेन थी, बदमाशों ने चेन छीनने का प्रयास किया। इस दौरान जब भाजपा नेता ने उनका विरोध किया तो बदमाशों ने गोली चला दी। गोली भाजपा नेता के सिर में लगी, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद से पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हुई है।

एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम ने की घटना की जांच

इधर, मॉर्निंग वॉक करने निकले कुछ लोगों के द्वारा जब यह देखा गया तो मुन्ना शर्मा को पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चौक थाने को दी। सूचना पाकर चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की पुष्टि करते हुए चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि सोमवार की सुबह मुन्ना शर्मा की हत्या का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस मौके पर एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड के माध्यम से छानबीन शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी खंगाल रही है। इसके अलावा आसपास के लोगों से भी इस मामले में बातचीत की जा रही है। हालांकि खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ खाली रहे।

बिहार में सत्ता संरक्षण में फल फूल रहा है अपराध: तेजस्वी

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सरकार विपक्ष के निशाने पर है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने एक्स एकाउंट पर लगातार क्राइम बुलेटिन जारी कर सरकार के खिलाफ हमलावर तेवर दिखा रहे हैं। सोमवार को पटना सिटी में भाजपा नेता की हत्या के बाद नेता प्रतिपक्ष ने फिर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि बिहार में सत्ता संरक्षण में अपराध फल-फूल रहा है। अपराधी जब चाहे, किसी को भी गोली मारकर भाग जा रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी जारी किया है। जिसमें भाजपा नेता को गोली मारकर भागते अपराधी देखे जा सकते हैं। तेजस्वी ने लिखा कि एनडीए के कर्ताधर्ता बढ़ते बेलगाम अपराध से बेखबर हैं। इधर-उधर में मस्त, व्यस्त और पस्त मुख्यमंत्री से बिहार बिल्कुल भी नहीं संभल रहा है। वहीं रोहिणी आचार्य ने भी सरकार पर हमला बोला।

जो भी अपराधी हैं उन्हें कठोरतम सजा दिलाई जाएगी: मंगल पांडेय

बिहार सरकार के मंत्री मंगल पांडेय ने प्रदेश में बढ़ते अपराध और बीजेपी नेताओं की जा रही जान पर मंगल पांडे ने कहा कि मैं भी उनसे व्यक्तिगत तौर पर जुड़ा हुआ था। हमारे पार्टी के कार्यकर्ता थे। मन को तकलीफ और पीड़ा देने वाली यह घटना है। पुलिस प्रशासन पूरे मामले पर कार्रवाई कर रही है। अपराधी तुरंत पकड़े जाएंगे। मंगल पांडेय ने कहा कि अपराधियों को कठोरतम सजा मिलेगी। बीजेपी नेता की हत्या पर विपक्ष के जरिए उठाए गए सवाल पर मंगल पांडे ने कहा कि अपराधी ने अपराध किया है जो अपराधी हैं, उनको कठोरतम सजा दिलाई जाएगी। एनडीए की सरकार में कोई अपराधी बच नहीं सकता। बीजेपी के कार्यकर्ता थे और हम सब इस खबर से मर्माहत हैं। सुबह-सुबह हुई इस वारदात से राजधानी दहल गई। बताया जाता है कि हत्या लूटपाट के दौरान की गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पथ का किया हवाई सर्वेक्षण

नीतीश कुमार ने पटना जिला को दी 410 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

♦ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गति बढ़ाने और परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बख्तियारपुर (करजान)-ताजपुर (समस्तीपुर) पुल और बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पथ का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने पटना जिला में लगभग 410 करोड़ रुपये की राशि की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया गया। इसमें लगभग 200 करोड़ रुपये की राशि की योजनाओं का शिलान्यास व 210 करोड़ रुपये की राशि की योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गति बढ़ाने और परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि इस फोरलेन के शुरू होने से पटना से बख्तियारपुर होकर मोकामा, बरौनी, बेगूसराय और लखीसराय की यात्रा में सुगमता आएगी। इससे समय की बचत होगी और ईंधन की लागत भी कम होगी। बख्तियारपुर-ताजपुर पुल के निर्माण से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच एक नया संपर्क स्थापित होगा, जिससे यात्रा की दूरी 60 किमी कम हो जाएगी। साथ ही उत्तर बिहार जाने वाले वाहनों को पटना से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सीएम ने पटना जिले में बने मॉडल थानों का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने बेलछी पहुंचकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय सह आवासीय भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इसके अलावा, उन्होंने पटना जिले में 17.78 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए मॉडल थाना भवनों, 11 हजार 285 मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट, 122 पुस्तकालय, 21 सामुदायिक भवन, 122 पशु शेड, नौ प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों, ग्रामीण हाट और आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पटना जिले में 88.97 करोड़ रुपये की लागत से 11 मॉडल थाना भवन और 17 पुलिस भवनों का शिलान्यास भी किया। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय अंबेडकर अनुसूचित जाति +2 आवासीय विद्यालय, 20 ग्राम संगठन भवन, 900 नए पशु शेड, 1911 सोकपिट, और 103 छत वर्षा जल संचयन संरचनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आवास योजना के लाभुकों को एक लाख 20 हजार रुपये का सांकेतिक चेक और जीविका समूहों को 55 करोड़ 30 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने धनरुआ और नौबतपुर जीविका भवन की चाबी जीविका दीदियों को सौंपी।

नीतीश कुमार ने अनंत सिंह के गांव पहुंच की मुलाकात

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोकामा में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह के गांव लदवां पहुंच गए। यहां सीएम नीतीश कुमार ने अनंत सिंह से मुलाकात की। नीतीश कुमार और अनंत सिंह ने अलग-अलग मुद्दे पर एक-दूसरे से बातचीत की। नीतीश के साथ केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह भी मौजूद थे। सीएम नीतीश और अनंत सिंह की इस मुलाकात को लेकर बिहार की सियासत में चर्चाओं का बाजार तेज हो गया है। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मोकामा जाने के लिए निकले थे। तभी सीएम का काफिला अचानक लदवां गांव की ओर मुड़ गया। यह अनंत सिंह का गांव है। अनंत सिंह का गांव में एक नया मकान बन रहा है। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने पहले मोकामा के पूर्व विधायक से मुलाकात की। नीतीश कुमार और अनंत सिंह के बीच किस मुद्दे पर बात हुई, इस पर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सुभाष यादव और अशोक कुमार की 68 करोड़ की संपत्ति जब्त

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के करीबियों पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने लालू परिवार के नजदीकी सुभाष यादव और अशोक कुमार की लगभग 68 करोड़ की संपत्ति को जब्त कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार सुभाष यादव पहले से बालू तस्करी और अवैध कमाई के आरोप में जेल में बंद हैं। बालू के अवैध कारोबार में लिप्त ब्रॉडसंस कंपनी से जुड़े सुभाष यादव और अशोक कुमार की करोड़ो की संपत्ति जब्त की गयी है। प्रवर्तन निदेशालय ने देहरादून, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और पटना में सुभाष यादव और अशोक कुमार की पांच संपतियों को जब्त किया है। इस संबंध में ईडी का कहना है कि सुभाष यादव ब्रॉडसन कंपनी के पूर्व निदेशक हैं, जबकि अशोक कुमार इस कंपनी के मौजूदा निदेशक हैं। ईडी का कहना है कि इन पर आरोप है कि ब्रॉडसन कंपनी ने बिहार से बालू खनन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की है।

मंकीपॉक्स के मरीज मिलने के बाद अलर्ट मोड में एयरपोर्ट प्रशासन

♦ यात्रियों की स्कीनिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को किया गया है तैनात

एजेंसी/पटना

देश में मंकीपॉक्स के मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन और गया एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट हो गए हैं। मंकीपॉक्स को लेकर गया एयरपोर्ट में यात्रियों की स्कीनिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को तैनात किया गया है। इस टीम में एक डॉक्टर, एक पारामेडिकल स्टाफ तथा एक नर्स शामिल हैं। मंकीपॉक्स संक्रमण के लेकर स्वास्थ्य विभाग डीपीएम नीलेश कुमार का कहना है कि एयरपोर्ट पर विशेषकर स्वास्थ्य विभाग की टीम तैनात की गयी है। गया एयरपोर्ट पर हेल्थ शिविर लगाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकी पॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी बताया है। इसके मद्देनजर गया एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की जरूरी जांच की जायेगी। मंकीपॉक्स को लेकर सिविल सर्जन ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निदेशक को आवश्यक दिशा-निर्देश का अनुपालन करने के संबंध में कहा गया है।

लिया जाएगा 21 दिनों का ट्रैवल हिस्ट्री

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर डॉ. कुणाल ने बताया कि गया एयरपोर्ट पर आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बीते 21 दिनों की यात्रा इतिहास का विवरण लिया जाएगा। यात्रा इतिहास में यह देखा जाना है कि यात्री ने मंकीपॉक्स के एंडेमिक जोन में यात्रा किया है अथवा नहीं। साथ ही यात्री का ट्रैवल सेल्फ डिक्लारेशन फॉर्म भरा जायेगा। अगर कोई संदिग्ध मामला पाया जाता है तो अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसे आइसोलेशन में रखा जायेगा। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है, जो मुख्यत: मध्य पश्चिमी अफ्रीका में सामने आया है। यहां से यह कई अन्य देशों में फैला है। इस वर्ष अगस्त माह में मंकी पॉक्स के मामले दक्षिण अफ्रीका, केन्या, रवांडा, युगांडा, कांगो गणराज्य, बुरुंडी, मध्य अफ्रीका, कांगो, कैमेरून, नाइजीरिया, आइवरी कॉस्ट, लेबेरिया में आये हैं। इन देशों से मंकीपॉक्स के मामले स्वीडन तथा पाकिस्तान में भी पहुंचे हैं। भारत के केरल में मंकी पाक्स का एक मामला रिपोर्ट किया गया है।

मणिपुर में छात्रों ने राजभवन के मुख्य दरवाजे पर बरसाए पत्थर

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर में राज्यपाल और डीजीपी के इस्तीफे की मांग कर रहे स्टूडेंट्स का प्रदर्शन सोमवार को हिंसक हो गया। सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने राजभवन के मुख्य दरवाजे पर पत्थर फेंके। इस दौरान मौजूद सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर वहां से भागते दिखे। इस हमले में 20 लोग जख्मी हुए हैं। राज्य में बढ़ती हिंसक घटनाओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर 8 सितंबर से ही छात्र सड़कों पर हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। पुलिस और सुरक्षाबलों ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारी राज्यपाल के अलावा , सुरक्षा सलाहकार और 50 विधायकों के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

उप्र 69000 शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक, मांगा जवाब

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती विवाद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा दखल देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल हाईकोर्ट का वो फैसला लागू नहीं होगा जिसमें हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 शिक्षक भर्ती में बनाई गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर 3 महीने में नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और हाईकोर्ट में पक्षकारों को भी नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। पीठ ने 23 सितंबर को अगली सुनवाई तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें हाईकोर्ट के एकल जज पीठ और खंडपीठ के फैसले के अध्ययन के लिए वक्त भी चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में जून 2020 और जनवरी 2022 के सलेक्शन लिस्ट को रद्द करते हुए यूपी सरकार का आदेश दिया था कि वो 2019 में हुए सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के आधार पर 69 हजार शिक्षको के लिए नए सलेक्शन लिस्ट तीन महीने में जारी करें।

हाईकोर्ट ने ये भी कहा था कि अगर कोई आरक्षित वर्ग का कैंडिडेट जनरल कैटेगरी के बराबर मेरिट हासिल कर लेता है तो उसका सलेक्शन जनरल कैटगरी में ही माना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के चलते यूपी में बड़ी संख्या में नौकरी कर रहे शिक्षकों पर नौकरी खोने का खतरा मंडराने लगा था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से किया शिलान्यास

देश की अभिनव योजना बन गई है उप्र की ओडीओपी: योगी

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है। आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेटिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार: सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परंपरागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा उत्तर प्रदेश: सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है, जो वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है। कार्यक्रम में स्वीडन के अंबेसडर यॉन थेस्लेफ, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास के राज्यमंत्री जसवंत सैनी, मुख्य सचिव मनोज सिंह मौजूद थे।

सीएम नीतीश ने लोक शिकायत निवारण अधिकार कानून ने आम जनता को किया सशक्त

- सभी आवेदकों की 60 कार्य दिवसों में उनकी शिकायतों की सुनवाई की होगी
- अनदेखी करने वाले अफसरों-कर्मियों पर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आम जनता को सशक्त करने के लिए बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार कानून लागू किया। लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम एक ऐसा नियम है जिसके बारे में सही रूप से जानकारी प्राप्त होने पर आप इसके माध्यम से अपनी समस्या एवं शिकायतों का आसानी से हल कर सकते हैं। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम के द्वारा आम लोगों की शिकायतों के निवारण की सुदृढ़ कार्य प्रणाली विकसित की गई है। इसमें एक निश्चित समय सीमा के अंदर परिवाद के निष्पादन किया जाता है। इस कानून के प्रभावी रूप से संचालित होने पर आम जनता को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर किसी परिवाद पर सुनवाई की जाती है। इसके अलावा समस्या के निवारण का अवसर और परिवाद पर सुनवाई में किए गए निर्णय के बारे में सूचना भी आम जनता को मिलती है। अगर अधिकारी रिश्वत मांगता है तो आप ऑनलाइन कंप्लेन कर सकते हैं। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत निम्न

सुविधाएं प्रदान की जाती है। इस कानून से सभी आवेदकों की 60 कार्य दिवसों में उनकी शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। इसी के साथ यह भी प्रयास किया जाएगा कि 2 महीनों के समय अंतराल के मध्य ही उनके द्वारा की गई शिकायत का निर्धारण भी प्रदान किया जा सके।60 कार्य दिवसों में यह भी सुनिश्चित करें कि उस पर निर्णय की सूचना प्राप्त होने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो गया है। शिकायतकर्ता एवं शिकायत के विषय से संबंधित सरकारी कर्मी के आमने-सामने सुनवाई कर शिकायत का समाधान किया जाता है।इस अधिनियम में निर्णय की प्रति भी उपलब्ध कराई जाती है ताकि निर्णय से व्यथित होने की स्थिति में अपील दायर किया जा सके।लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के आधार पर आम जनता शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके माध्यम से दर्ज की जाने वाली शिकायतों की सूची कुछ इस प्रकार हैं। कार्यक्रम एवं सेवा के संबंध में कोई लाभ प्राप्त करने के लिए या ऐसा लाभ प्राप्त होने में हो रही देरी या विफलता के लिए किसी लोक सेवक द्वारा राज्य में लागू किसी नियम- नीति-विधि की अवहेलना किए जाने के मामले में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को परिवाद दायर किया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी योजना, कार्यक्रम या सेवा के संबंध में कोई फायदा या अनुतोष मांगने के लिए,ऐसा फायदा या अनुतोष प्रदान करने में विफलता या विलम्ब के संबंध में किसी लोक प्राधिकार के कृत्यकरण में विफलता से उसके द्वारा राज्य में प्रवृत्त किसी विधि, नीति, सेवा, कार्यक्रम या योजना के उल्लंघन से उद्भूत किसी मामले के संबंध में परिवाद दायर किया जा सकता है। लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम से कार्यक्रम एवं सेवाएं जिनके संबंध में परिवाद दायर किया जा सकेगा एवं लोक प्राधिकार एवं विभाग जिनके स्तर पर परिवाद का निवारण होगा, की सूची उपलब्ध रहेगी। इसके तहत परिवाद को अपनी रखने का पूरा अधिकार होता है। यहां किसी वकील की जरूरत नहीं होती है।

इस कानून के दायरे में आते है सभी 44 विभाग

शिकायत करने के लिए कार्यालय आना जरूरी नहीं है। आम जनता डाक, ई-मेल या ऑनलाइन के जरिए शिकायत कर सकते हैं। कोई भी सादे कागज पर नाम, पता, फोन नंबर, ईमेल शिकायत लिखकर अनुमंडल जिला स्थित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को आवेदन दे सकता है।अनुमंडल जिलों में ही शिकायत के निवारण की सुविधा मुहैया कराई गई है। अनदेखी करने वाले अफसरों-कर्मियों पर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन परिवाद के 60 दिनों के भीतर निपटारा किया जा सकेगा। सभी 44 विभाग इस कानून के दायरे में आते हैं। शिकायतकर्ता को तुरंत शिकायत का रजिस्ट्रेशन नंबर या पावती दी जाती है और सुनवाई की तारीख बताई जाती है। शिकायतकर्ता और शिकायत से जुड़े सरकारी अधिकारी के बीच आमने-सामने सुनवाई होती है। परिवाद दायर करने के लिए आम जनता को कोई शुल्क नहीं लगता।

खबरें फटाफट

गंगा नदी में डूबने से 2 युवकों की मौत

पटना। पटना सिटी के दमराही घाट की घटना राजधानी से सटे पटना सिटी इलाके से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है जहां गंगा नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गयी है। घटना मालसलामी थाना क्षेत्र के दमराही घाट की है जहां गणपति की प्रतिमा विसर्जन करने दो युवक आये थे। तभी इसी दौरान दोनों युवक गंगा नदी में डूब गये और दोनों की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से दोनों शव की तलाश में जुटी है। गंगा नदी में दो युवकों के डूबने की खबर आग की तरह फैल गयी और देखते ही देखते दमराही घाट पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दोनों युवकों की फोटो सामने आई है। हालांकि दोनों की पहचान की जा रही है।

नदी में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

मोतिहारी। पश्चिम चंपारण में दो सगी बहनों की नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। रविवार की शाम दोनों बहनें अपनी मां के साथ नदी में स्नान करने पहुंची थीं। छोटी बहन को डूबता देख बड़ी बहन ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन दोनो नदी के गहरे पानी में चली गईं। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

सीएम ने किया मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई, कॉल सेन्टर एवं मोबाइल एप का लोकार्पण

पशुपालकों को सौगात... अब घर बैठे ही करा सकेंगे अपने पशुओं का इलाज

- 534 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों एवं कॉल सेन्टर का लोकार्पण एवं शुभारंभ राज्य के पशु चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पशुपालकों को अपने पशुओं को इलाज कराने में परेशानी होती थी। इस बात को देखते हुए सरकार ने यह व्यवस्था शुरू की है कि पशुपालक घर बैठे अपने पशुओं का इलाज करा सकते है।अब घर-घर जाकर पशु चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध करवाएगी। यानी अब आपको अपने बीमार मवेशियों का इलाज करवाने के लिए अस्पताल या प्राइवेट पशु चिकित्सक का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के पशुपालकों के लिए डोर स्टेप पशु चिकित्सा सेवा सुविधा उपलब्ध करवा दी है। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई, कॉल सेन्टर एवं मोबाइल एप का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों को विभिन्न प्रखंडों के लिए रवाना किया गया। इस कार्यक्रम के बाद सूचना भवन के संवाद कक्ष में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की मंत्री रेणु देवी ने उक्त जानकारियों देते हुए बताया कि 534 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों एवं कॉल सेन्टर का लोकार्पण एवं शुभारंभ राज्य के पशु चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने आगे बताया कि पशुपालकों को अपने बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय तक लाने में होने वाली कठिनाईयों को देखते हुए पशुपालकों के दरवाजे पर पशु चिकित्सा (डोर स्टेप पशु चिकित्सा सेवा) सुविधा उपलब्ध कराने हेतु राज्य के सभी 534 प्रखंडों हेतु एक-एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के परिचालन की व्यवस्था की गयी है। इसके साथ ही सरकार की ओर से मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से पशुपालकों के द्वार पर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। कॉल सेन्टर में टेलिमेडिसीन की भी व्यवस्था है।

पशु पालकों को पशु चिकित्सालय जाने से मिलेगा निजात

मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों के परिचालन से सुदूर इलाकों से बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय लाने में होने वाली कठिनाइयों से पशुपालकों को राहत मिलेगी। बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय लाने में लगने वाले समय एवं व्यय की बचत होगी। साथ ही अस्वस्थ पशुओं की त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा संभव हो सकेगी। वहीं पशुओं में संक्रामक रोग फैलने की स्थिति में रोग की त्वरित जांच एवं प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा तथा पशुपालकों के बीच विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

कॉल सेंटर के माध्यम से भी पशुपालकों को मिलेगी जानकारी

इस अवसर पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव, डॉ. विजयलक्ष्मी ने बताया कि मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई जीपीएस सुविधा युक्त एक सुसज्जित वाहन है जिसमें पशु रोगों की पहचान, पशु चिकित्सा एवं लघु सर्जरी, ऑडियो-विजुअल प्रचार के लिए आवश्यक उपकरण के साथ पशुओं की चिकित्सा के लिए आवश्यक दवा के साथ कृत्रिम गभार्धान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई में एक पशु चिकित्सक, एक पशु चिकित्सा सहायक एवं एक चालक सह- परिचारी की व्यवस्था की गयी है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई का परिचालन प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक किया जायेगा। पशुपालकों की सुविधा हेतु एक कॉल सेंटर की स्थापना राज्य मुख्यालय स्तर पर पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना के परिसर में की गयी है। पशुपालक अपने मोबाइल पर उक्त एप को डाउनलोड कर पशु चिकित्सा सेवाओं हेतु सम्पर्क कर सकते हैं। राज्य के पशुपालक प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक की अवधि में कॉल सेन्टर के टॉल फ्री नम्बर 1962 पर दूरभाष के माध्यम से कॉल कर अथवा मोबाइल एप के माध्यम से कॉल सेन्टर में पशु चिकित्सा हेतु सम्पर्क कर सकते हैं। उन्हें तत्काल इसकी जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी। ताकि परेशानी नहीं हो।

एक नजर

सरकारी अस्पताल में मोबाइल चोरी को लेकर मरीजों में मारपीट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहेबगंज में उस समय अफरातफरी का माहौल हो गया, जब डिलीवरी करवाने के लिए आई महिला मरीज मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर दूसरी महिला से झगड़ पड़ीं। देखते ही देखते दोनों के बीच में मारपीट होने लगी, जिसमें एक महिला का सिर फट गया। वही पुलिस के आने और मामला बिगड़ता देख फोन को आशा कार्यकर्ता ने मरीज को वापस कर दिया। पूरा मामला साहेबगंज थाना क्षेत्र के साहेबगंज सीएचसी का है। दरअसल मोबाइल फोन की चोरी होने को लेकर महिला मरीज आशा देवी को लगा कि उसके मोबाइल को पास के बेड पर बैठी महिला मरीज ने चोरी कर लिया है। इसके बाद दोनो में खूब नोक-झोंक हुई और फिर मारपीट होने लगी। इस घटना में महिला मरीज का सिर फट गया। मामला बढ़ता हुए देख इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर आई पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। महिला मरीज आशा देवी ने बताया कि सोमवार को वह साहेबगंज के नवानार की आशा कार्यकर्ता के साथ डिलीवरी के लिए अस्पताल आई। बेड पर आते ही उसका मोबाइल फोन गायब हो गया। आशा देवी ने उस महिला से पूछताछ की, जिसपर महिला भड़क गई। फिर दोनों के बीच मारपीट होने लगी, जिसमे वह चोटिल हो गई।

पूर्णिया में काली मधुमक्खियों के हमले में चार साल की बच्ची की मौत

पूर्णिया। पूर्णिया में काली मधुमक्खियों के डंक ने एक चार वर्षीय बच्ची की जान ले ली। काली मधुमक्खियों के डंक की शिकार मृत बच्ची की मां और बड़े भाई की स्थिति गंभीर है, जिन्हें इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना अमौर थानाक्षेत्र के बंगरा मेहदीपूर पंचायत के बनकोरा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, खेलने के दौरान काली मधुमक्खियों के काटने से एक चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। मृतका संजना कुमारी (4) ग्रामवासी मिथिलेश कुमार विश्वास की बेटी थी। घटना के दौरान संजना अपने भाई जयकांत कुमार और अन्य बच्चों के साथ पड़ोस के अशोक मुंशी के दरवाजे पर खेल रही थी। वहां एक लीची का पेड़ था, जिसमें काली मधुमक्खी का छत्ता लगा हुआ था। बच्चों ने लीची पेड़ की टहनियों को हिला दिया, जिससे मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया।डंक लगने से सभी बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। चीख-पुकार सुनकर मिथिलेश विश्वास की पत्नी मधु देवी ने घर से बाहर आकर देखा तो उसके दोनों बेटे-बेटी के शरीर पर भारी संख्या में मधुमक्खियां चिपकी हुईं थी।

सत्ता के लिए भाजपा कर रही शराब मुद्दे का प्रयोग : शक्ति

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने बिहार की एनडीए सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनसे प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा बिहार में सत्ता पर कब्जा करने के लिए शराब के मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए शराब के मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के शराबबंदी पर दिए गए बयान का जिक्र करते हुए शक्ति सिंह यादव ने कहा कि मांझी खुद स्वीकार कर रहे हैं कि बिहार में शराब बिक रही है। उन्होंने अधिकारियों को इसका दोषी ठहराया और यह भी कहा कि शराब और सट्टा कारोबार को संरक्षण दिया जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा बिहार में सत्ता पर कब्जा करने के लिए शराब के मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ठान लिया है कि वह जदयू को तोड़कर बिहार में अपनी सरकार बनाने की पूरी कोशिश कर रही है।भाजपा बिहार की राजनीति में गहरी साजिशें कर रही है। इसके साथ ही, शक्ति सिंह यादव ने लोजपा (रामविलास) पार्टी को विभाजित करने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया। बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में अपराध को सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

तेजस्वी की शिक्षा से पहले भाजपा अपने गिरेबां में झांकेः मधु

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में राजद नेत्री और प्रवक्ता मधु मंजरी ने भाजपा पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाने को लेकर भाजपा की आलोचना की है। मधु मंजरी ने कहा कि तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाने वाले भाजपा नेता पहले अपने डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के छठी पास होने की स्थिति पर गौर करें। जो खुद डिप्टी सीएम बने हुए हैं। तेजस्वी यादव ने ऐतिहासिक काम किए है। मधु मंजरी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव बिहार के रोल मॉडल हैं और उनके 17 महीने के कार्यकाल को पूरे बिहार ने देखा है। एनडीए के प्रत्याशी अभिषेक झा द्वारा तेजस्वी यादव को 9वीं फेल बताने पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता से ज्यादा महत्वपूर्ण है उनकी काम करने की क्षमता। क्या सचिन तेंदुलकर (क्रिकेटर) की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाए जाते हैं। इसी तरह, तेजस्वी यादव ने भी अपने कार्यकाल में कई ऐतिहासिक काम किए हैं। तेजस्वी यादव के आगामी कार्यक्रमों को लेकर मधु मंजरी ने कहा कि तेजस्वी यादव 16 और 17 सितंबर को दो दिनों के प्रवास पर रहेंगे।

गया में 17 सितंबर से शुरू होगा पितृपक्ष का विश्व प्रसिद्ध मेला

पितृपक्ष मेला : सभी वेदियों पर हुई समुचित व्यवस्था

केटी न्यूज/ पटना

17 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सड़क मार्ग से गयाधाम आने वाले तीर्थयात्रियों के सुविधा के लिए बड़ा व छोटे वाहन पार्किंग, आवासन स्थल साथ ही सभी वेदी स्थलों पर सारी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। इस संबंध में गया के डीएम डा. त्याग राजन एसएम ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2024 के अवसर पर विभिन्न वेदी घाट स्थल, यात्री व पुलिस आवासन एवं पार्किंग क्षेत्र पर स्थाई शौचालय एवं स्नानाघर की मरम्मती, अस्थाई शौचालय व स्नानाघर, प्री-फेब्रीकेट शौचालय व स्नानाघर का अधिष्ठापन एवं पेयजल हेतु प्याऊ की मरम्मती, मोटर, टंकी एवं नल कनेक्शन का कार्य पूरा कर लिया गया है। डीएम ने बताया कि वेदी घाट स्थल जैसे देवघाट वेदी स्थल पर पूर्व में अधिष्ठापित महिला झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) एवं पुरुष झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) की

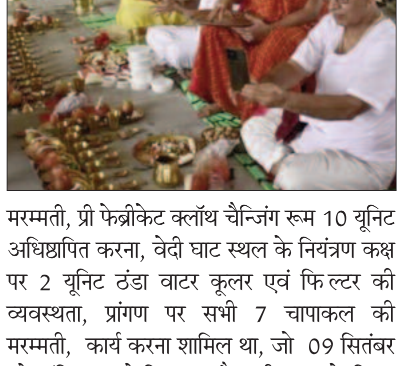

मरम्मती, प्री फेब्रीकेट क्लॉथ चैन्जिंग रूम 10 यूनिट अधिष्ठापित करना, वेदी घाट स्थल के नियंत्रण कक्ष पर 2 यूनिट ठंडा वाटर कूलर एवं फिल्टर की व्यवस्थता, प्रांगण पर सभी 7 चापाकल की मरम्मती, कार्य करना शामिल था, जो 09 सितंबर को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसी प्रकार प्रेतशिला वेदी घाट स्थल मैदान पर स्थाई शौचालय पुरुष 4 यूनिट व महिला -5 यूनिट 3 यूनिट स्नानाघर मरम्मती कार्य करना, एक प्याऊ 9 नल कनेक्शन मरम्मती कार्य करना शामिल। इसके साथ ही प्रेतशिला वेदी, वेतरणी सरोवर, धर्मारण्य वेदी, सरस्वाति वेदी, मतांगवापी वेदी, ब्राहमवेदी व कागवाली वेदी, रामशीला वेदी, सूर्यकुण्ड तालाब और सिताकुंड वेदी समेत मेला क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली है। साथ ही हर स्थान पर सहायता काउंटर बनाए गये है। जहां प्रशासन के अधिकारी तैनात रहेंगे।

होगी वाहनों की पार्किंग व्यवस्था

सड़क मार्ग से वाहन से गया धाम आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग स्थल का चयन कर लिया गया है। मेला के दौरान बड़े वाहन गया कालेज खेल परिसर, केंदुई, प्रेतशिला वेदी के समीप किसान कॉलेज परिसर, मानपुर भुसुंडा बस स्टैंड चयनित किया गया है। वहीं छोटे वाहन शहर के बीचोंबीच समीरतक्या संक्रमण अस्पताल परिसर में बनाया गया है। साथ ही 33 यात्रीस्थल और 27 पुलिस शिविर स्थल पर आवश्यकता अनुसार स्थाई शौचालय व स्नाना घर की व्यवस्था की गई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ खुलासा: वृद्धा की धारदार हथियार से गला रेत की गई हत्या

◆ सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को दिखाई दिए चार संदिग्ध व्यक्ति

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाने के पांडेय पट्टी में हुई संदेहास्पद में 65 वर्षीय वृद्धा की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हो गया। वृद्धा की मौत धारदार हथियार से गला रेत कर की गई है। इस मामले में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की फिर से जांच शुरू कर दी है। जहां छानबीन के तहत आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। रविवार को एसपी को सूचना दी गई थी कि एक घर मे वृद्ध की हत्या कर दी गई है।

फाइल फोटो।

सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस सक्रिय हो देर शाम घटनास्थल पर पहुंची हालांकि, पुलिस के पहुंचने के पहले स्वजन वृद्धा का दाह-संस्कार की तैयारी में जुटे थे। इसी बीच पुलिस के पहुंचने व वृद्धा की मौत मामले में पुलिस द्वारा जांच का हस्तक्षेप किया गया। उक्त वृद्धा की पोस्टमार्टम कराई जाएगी। इस बात पर मृतिका का पुत्र ज्योति कुमार द्वारा विरोध प्रकट करते हुए पुलिस पर ज्यादती करने का आरोप लगाया, उसने बताया कि उसकी मौत स्वाभाविक मौत है। पोस्टमार्टम कराना उचित नहीं है। ऐसे में पुलिस को पुत्र की गतिविधि संदिग्ध प्रतीत हो रही है।

घर में किरायेदार के अलावा रहती थी कमलावती : बता दें कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेय पट्टी गांव में स्व. रामदयाल शर्मा की 65 वर्षीय पत्नी कमलावती देवी अपने घर में मृत पाई गई थी। उनके घर में केवल किरायेदार रहते हैं। अपने बच्चों और पत्नी के साथ दानापुर में निवास करने वाले उनके पुत्र ज्योति कुमार ने बताया था कि उनकी मां की मौत की सूचना उन्हें मिली। इसके बाद वह घर पर आकर शवदाह के लिए जा रहे थे। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी कि उनकी मां की हत्या कर दी गई है। जबकि ऐसा देखने से प्रतीत नहीं हो रहा। वहीं पुलिस देर शाम शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसके रिपोर्ट में खुलकर बाते सामने आई है कि उक्त महिला का गला धारदार हथियार से रेतकर की गई है। तब पुलिस ने इस मामले में फिर से जांच शुरू कर दी, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसमें चार संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए है। जिसको लेकर पुलिस अनुसंधान कर रही है।

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस को हत्या की मिली सूचना पर जांच करने पहुंचे। जहां मृतका का शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिससे ज्ञात हुआ कि उनके गले पर धारदार हथियार के निशान है। अब क्यों व कैसे महिला की हत्या की गई है? मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

एक नजर

बीपीएससी शिक्षक ने लिया विद्यालय का प्रभार

बक्सर। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देश के बाद एस पी उच्च विद्यालय पुलियां में डॉ. अभय कुमार पांडेय ने विद्यालय का प्रभार लिया। गौरतलब है कि बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा शिक्षकों की भर्ती किए जाने के बाद स्थानीय निकाय के शिक्षकों में और आयोग के द्वारा नियुक्त शिक्षकों में वरीयता को लेकर संशय की स्थिति बनी थी। शिक्षा विभाग के स्पष्ट निर्देश के अभाव में जिले के कई विद्यालय में प्रभार की लेकर विवाद की स्थिति भी बनी थी। इस संबंध में प्रभार लिए प्रभारी प्रधानाध्यापक अभय पाण्डेय ने बताया कि विद्यालय योगदान के बाद ही वह जिला शिक्षा पदाधिकारी को इस संबंध में आवेदन दिए थे कि निवर्तमान प्रभारी उच्च विद्यालय के शिक्षक हैं और वे आयोग से विद्यालय अध्यापक (11-12) में नियुक्त हैं। इस संबंध में जिला कार्यालय से आदेश निकालने के बावजूद दिशा की बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा दबाव बना कर इन्हें प्रभार से मुक्त करा दिया गया था। इस कृत्य के बाद जिला लोक शिकायत में भी इस मामले की सुनवाई चल रही थी। अब शिक्षा विभाग माध्यमिक शिक्षा के द्वारा स्पष्ट निर्देश आने के बाद विद्यालय के प्रभार में सहूलियत होगी। इस अवसर पर जिले के वरीय शिक्षकों डा अखिलेश्वर कुमार दुबे विमल कुमार सिंह अनुराग मिश्र, अंकेश सिंह अजय कुमार चौबे, अजय उपाध्याय ने उनको शुभकामना दी है।

खबरें फटाफट

रेलवे ट्रैक पर मला युवक का शव

बक्सर। दानापुर रेल प्रमंडल के बक्सर-आरा रेलखंड स्थित डुमरांव स्टेशन के पश्चिमी फाटक के पास सोमवार को लाइन पर 44 वर्षीय एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान डुमरांव थाना क्षेत्र के कुशलपुर निवासी स्व. रामदेव यादव के बेटे लल्ला यादव के रूप में हुई। मामले में लोगों ने संभावना जताई कि उसकी मौत किसी ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। इसकी सूचना मिलने के बाद रेल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉटम के लिए सदर अस्पताल भेज दी। इस मामले में यूडी केस दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है।

जज आवास के पीछे हटा अतिक्रमण

बक्सर। सदर एसडीओ धीरेंद्र कुमार मिश्रा के आदेश पर सोमवार जज आवास के पीछे सोन नहर की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। जहां पर अवैध कब्जा कर रह रहे लोग के अस्थाई रूप से रह रहे लोग के घर सिओ प्रशांत शांडिल्य और नगर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंहा के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस संबंध में सिओ प्रशांत शांडिल्य ने बताया कि सोन विभाग के जमीन पर लोगों ने स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण कर रखा है। जिसमें स्थाई अतिक्रमण करने वालों पर अतिक्रमण वाद खोलकर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

शिविर में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई निशुल्क जांच

केसठ। प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत` गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच को लेकर सोमवार को निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया।इसको लेकर महिलाओं की भीड़ जुटी रही। शिविर का नेतृत्व पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार ने किया।वही चिकित्सक व एएनएम ने सभी महिलाओं को जांच किया।वही इस दौरान केसठ
कुल` 31 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की गई।गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था काल के दौरान होने वाले विभिन्न गंभीर बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव के उपाय

डायरिया से बचाव के लिए साफ सफाई व स्वच्छ पानी का करें इस्तेमाल: एसीएमओ

सदर प्रखंड के बरूणा गांव में मिले डायरिया के 45 मरीज, आठ रेफर

◆ घर-घर जाकर की गई डायरिया के लक्षण वाले मरीजों की खोज
◆ गांव में डायरिया के कारणों की तलाश में लगी एक टीम
◆ पूरे दिन अधिकारियों ने गांव में किया दौरा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में डायरिया का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। बीते दिनों डुमरांव प्रखंड के बनकट गांव में 100 से भी अधिक डायरिया से ग्रसित मरीजों का इलाज किया गया। वहीं, अब सदर प्रखंड के बरूणा गांव में सोमवार को 40 से 45 लोगों में डायरिया के लक्षण पाए गए। जिनमें आठ लोगों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, शेष मरीजों का चिकित्सीय टीम की निगरानी में उनके घर पर ही इलाज चल रहा है। हालांकि, चिकित्सकों के अनुसार सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य महकमा पूरे दिन गांव के अन्य घरों में डायरिया के लक्षण वाले मरीजों को चिह्नित करने में लगा रहा। ताकि, डायरिया से ग्रसित मरीजों का बेहतर और ससमय इलाज कराया जा सके।

इस संबंध में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि जैसे ही डायरिया के मरीजों की पुष्टि हुई, जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा तत्काल बरूणा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से चिकित्सकों का एक दल प्रभावित इलाके में भेजा गया। जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में मरीजों को डायरिया के लक्षण के अनुसार चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई गई। उसके बाद गांव में घर घर जाकर डायरिया के लक्षण वाले मरीजों की खोज की गई। उसके बाद सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश एक टीम गांव में डायरिया के कारणों को चिह्नित करने के लिए भेजा गया।

लोगों को दी जा रही है ओआरएस बनाने की जानकारी

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि जहां कहीं भी गंदगी होती है वहां इसके कीटाणुओं का वास रहता है। इसके साथ सफाई नहीं रहने के कारण भी इस यह बीमारी तेजी से फैलता है। जिसमें कई जानें भी चली जाती है। इस बीमारी में दस्त अधिक होता है। इसके साथ उल्टी भी होती है। धीरे-धीरे शरीर से पानी कम होता जाता है। इसलिए इसमें सावधानी बरतना जरूर है। डायरिया से बचने के लिए स्वच्छता जरूरी है। गर्मी या किसी भी मौसम में बासी खाना न खाएं। पानी व भोजन सामग्री को ढंक कर रखें। जहां खाना बनता हो वहां सफाई रखें। जिससे वहां इसके कीड़े पनप नहीं सके। खाना परोसने से पूर्व अच्छी तरह हाथ को साबुन से साफ कर लें। खाना खाने वाले भी भोजन से पूर्व हाथों की सफाई कर लें। डायरिया हो जाने पर घबराना नहीं चाहिए। अपने घर पर एक चुटकी नमक, एक चम्मच चीनी को एक गिलाश पानी में घोल कर पीड़ित को पानी पिलाते रहें। ताकि उनके शरीर में पानी की सामान्य मात्रा बनी रहे।

बोले डॉ. शैलेंद्र... बरसात में बढ़ जाती है डायरिया के प्रसार की संभावना

एसीएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि डायरिया एक संक्रामक रोग है। बरसात के दिनों में डायरिया का प्रसार होने की संभावना बढ़ जाती है। जिसको देखते हुए विभाग द्वारा जिले में भी विशेष अभियान शुरू किया गया है। ताकि, लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि बरसात के दिनों में डायरिया का प्रसार होने का मुख्य कारण दूषित पानी और साफ-सफाई की कमी है। इसलिए इससे बचाव के लिए लोगों को साफ-सफाई के साथ शुद्ध पेयजल का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। डॉ. कुमार ने बताया कि बरूणा गांव में जिन इलाकों में डायरिया से लोग ग्रसित हुए हैं, वहां पर स्वच्छ पानी का अभाव है। यहां टंकी से लोगों के घरों तक पानी सप्लाई की जा रही है। लेकिन जिन पाइप्स के द्वारा पानी की सप्लाई की जा रही है, वह नालियों से गुजर है। वहीं, पाइप्स कई स्थान पर क्षतिग्रस्त है, जिसके कारण लोग डायरिया की चपेट में आए हैं। लोगों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि डायरिया एक जानलेवा बीमारी है। अगर समय पर इसका इलाज न हो तो इससे जान भी जा सकती है। अगर स्वच्छ पानी और खानपान हो तो इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। इसलिए लोग खुद भी जागरूक हों और दूसरों को इसके प्रति सचेत करें।

अच्छी पहल: किसानों को गुणवत्तायुक्त सब्जी एवं फल के पौधा उपलब्ध करा रहा है केवीके

बक्सर। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा बीज एवं पौध उत्पादन कार्यक्रम अन्तर्गत जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज व पौध उपलब्ध करा रहा हैं। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. देवकरन ने बताया कि कृषि उद्यम को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार सृजन हेतु मौसम आधारित सब्जी पौधशाला के साथ-साथ फल पौध पपीता प्रभेद रेड लेडी किसानों के लिए बिक्री हेतु उपलब्ध हैं। उन्होंने जानकारी दी कि केन्द्र मे उपलब्ध पपीता के 2 महीने के पौधों को किसान बंधु अपने गृहवाटिका या खेत मे लगाकर साल भर मे 30 से 40 किलो प्रति पौध उत्पादन प्राप्त किया जा सकता हैं। औसतन 01 पौध से रुपए 800 से 1000 तक सालाना आय अर्जन किया जा सकता हैं। साथ ही औसतन 10 वर्ग मीटर क्षेत्रफल मे 450 से 500 पौध का उत्पादन प्राप्त जा सकता हैं। इच्छूक किसान भाई कार्यालय दिवस एवं समय मे लालगंज स्थित प्रक्षेत्र एवं कार्यालय से पौध की खरीदी कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष 06183-222208 मे संपर्क कर सकते हैं।

वीर बालक मां दुर्गा पूजा समिति ने मां के चलता-फिरता स्वरूप देखने को मिलेगा श्राद्धुलाओं को

डुमरांव। इस बार अयोध्या के राम मंदिर में विराजमान होगी मां दुर्गा की प्रतिमा। श्रद्धालुओं को मां का दर्शन चलते-फिरते स्वरूप में होगा। बता दें की हर साल की भांति इस साल भी श्री वीर बालक मां दुर्गा पूजा समिति नयाथाना के बगल में भव्य मूर्ति स्थापित करने का फैसला किया है। इस स्वरूप को पेश करेंगे कोलकाता के कारीगर।

वहीं कमेटी के अध्यक्ष दिव्य प्रकाश दीप उर्फ बबलू केसरी से मिली जानकारी के अनुसार हर साल के भॉति इस साल भी मां का भव्य स्वरूप चलता फिरता प्रतिमा हम लोग फिर स्थापित कर रहे हैं, जो की मूर्ति कलाकार पंडाल निर्माण कलाकार सभी बंगाल से बुलाए गए हैं। मूर्ति निर्माण में लगभग 700000 की लागत आने की संभावना है। वहीं पंडाल के बारे में मिली जानकारी के अनुसार दो लाख की लागत से अयोध्या के श्री राम मंदिर के तर्ज पर पंडाल निर्माण कराया जा रहा है। डेकोरेशन के संबंध में बताया गया कि डेढ़ से दो लाख की लागत से पंडाल जगमगाएंगा। कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया की हर साल हम लोग मां की चलता फिरता स्वरूप लेकर के आते हैं, श्रद्धालुओं को दर्शन करते हैं। इसमें संबंध में समिति के सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहता है। फिर नगरवासियों से भी लिया जाता है। पूजा की तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है। समिति के सदस्य अपने-अपने कामों को बांटकर तैयारी में जुट गए हैं।

डोर स्टेप पशु चिकित्सा सेवा का हुआ शुभारंभ, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा पशुपालकों के द्वार पर पशु चिकित्सा (डोर स्टेप पशु चिकित्सा सेवा) सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जिला के सभी 11 प्रखंडों के लिए एक-एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के परिचालन का शुभारम्भ समाहरणालय परिसर से वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि सामान्य परिस्थिति में मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई का परिचालन कार्य दिवसों में प्रातः 09:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक किया जाएगा। जिला के पशुपालक उक्त अवधि में टॉल फ्री नम्बर 1962 पर कॉल कर अथवा मोबाईल एप के माध्यम से पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना में संचालित कॉल सेन्टर में पशु चिकित्सा हेतु सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई के द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस में 02 (दो) ग्रामों का भ्रमण किया जाएगा एवं शिविर के माध्यम से पशुओं की चिकित्सा तथा विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से पशुपालक के द्वार पर पशु चिकित्सा उपलब्ध कराना है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए अंडर 19 बालिका टीम दरभंगा रवाना

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग बिहार पटना एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के खेल कार्यकम 2024-25 के निर्देशन में दरभंगा में राज्य स्तरीय विद्यालय कबड्डी अंदर-19 (बालिका) खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 10 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2024 तक आयोजित किया गया है। जिसमें राज्य स्तरीय विद्यालय कबड्डी अंदर-19 (बालिका) खेलकूद प्रतियोगिता की टीम को दरभंगा के लिए पोशाक देकर रवाना किया गया। जिले के चयनित खिलाड़ी अन्डर-19 रितु कुमारी, रौशनी कुमारी, प्रियांशु कुमारी, खुशबु कुमारी, सलोनी कुमारी, ज्योति कुमारी, शिवानी कुमारी, सीमा कुमारी, श्रुती कुमारी, निक्की कुमारी, गोल्डी कुमारी प्रतिमा कुमारी टीम प्रबंधक के रूप में कोमल कुमारी एवं टीम प्रभारी के रूप में आलोक कुमार को बनाया गया है। उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बक्सर शशांक सिंह के द्वारा सभी खिलाड़ियों एवं टीम प्रभारियों को शुभकामानाए के साथ भेजा गया। इस मौके पर मदन राम कार्यपालक सहायक तथा अभिषेक कुमार सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिंह, अश्विनी कुमार राय शारीरिक शिक्षक उपस्थित थे।

नगवा मध्य विद्यालय में पढ़ाने के दौरान शिक्षक को आया हार्ट अटैक, हुई मौत

केटी न्यूज/सिमरी

सोमवार को शिक्षा विभाग के लिए एक बुरी खबर आई है। प्रखंड के मध्य विद्यालय नगवा में पोस्टेड एक नियोजित शिक्षक की पढ़ाने के दौरान क्लास रूम में ही हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। उसे क्लास रूम में अचेत होने के बाद प्रधानाध्यापक तथा साथी शिक्षको ने तत्काल इलाज के लिए सिमरी सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत शिक्षक विश्वनाथ प्रसाद सिमरी थाना क्षेत्र के आशा पड़री गांव का रहने वाला था तथा 2014 से मध्य विद्यालय नगवा में पोस्टेड था।

शिक्षक नेता शालिग्राम दुबे ने इस संबंध में बताया कि वह प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी स्कूल गया था तथा चेतना सत्र के बाद अपने निर्धारित कक्षा में बच्चों को पढ़ा रहा था, इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई तथा वह कक्षा में ही गिरकर अचेत हो गया। शिक्षक को क्लास रूम में गिरते देख छात्र दौड़कर प्रधानाध्यापक के पास पहुंचे तथा घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही विद्यालय के शिक्षकों में अफरा तफरी मच गई तथा तत्काल उन्हें इलाज के लिए सिमरी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर शिक्षक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं। सिमरी सीएचसी पर परिजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया है। जबकि दर्जनों की संख्या में शिक्षक भी इस घटना को सुन अस्पताल पहुंचे हैं।

शिक्षक की आकस्मिक मौत से शिक्षकों में शोक : घटना को लेकर बक्सर के शिक्षकों में तरह तरह के विचार देखने को मिल रहा है। कोई पूर्व आंतरिक रोग तो कोई वर्तमान समय में ई-शिक्षा कोष पर हाजिरी का मानसिक दबाव की बात भी कर रहा है। शिक्षक नेतृत्वकर्ता मुक्तेश्वर प्रसाद ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक की मृत्यु से हम सब मर्माहत हैं। ऐसी अप्रिय घटना से मृत शिक्षक परिवार के बीच दुखो का पहाड़ खड़ा हो गया है। हम मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

जिलास्तरीय खेल कूद में हेरिटेज स्कूल का रहा शानदार प्रदर्शन व वुशु में रहा दबदबा

शिक्षकों की मेहनत व बच्चों के परिश्रम से मिला बेहतर परिणाम: डॉ. प्रदीप

◆ बच्चों ने बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, वुशु, ताइक्वांडो, जेवलीन थ्रो में किया बेहतर प्रदर्शन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शहर के एमपी हाई स्कूल परिसर में दो से चार सितंबर तक जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में स्थानीय प्रखंड के अहरौली अंतर्गत हेरिटेज स्कूल के खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, वुशु, ताइक्वांडो, जेवलीन थ्रो इत्यादि विभिन्न तरह के खेलों में शामिल होते हुए अपना शानदार प्रदर्शन किया। हेरिटेज स्कूल के खिलाडियों ने वुशु बालिका वर्ग 17 में वैष्णवी एवं सृष्टि ने गोल्ड मेडल हासिल किया, अनुष्का, नियति एवं अर्पिता ने सिल्वर मेडल हासिल किया तथा दिव्यांशी पाठक ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वुशु बालक वर्ग 17 में बलवंत तिवारी, शिवम चौबे एवं आशीष ओझा ने गोल्ड मेडल, नैतिक और मोहम्मद हयात, विस्वान ने सिल्वर मेडल तथा अमन यादव ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। ताइक्वांडो वर्ग 14 में तनिष्का ने गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके अतरिक्त कई खेल प्रतियोगिताओं में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा। वुशु के सभी गोल्ड मेडलिस्ट आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो चुके हैं।

राज्य स्तरीय टीम में प्राप्त कर सकते हैं जगह विजेता बच्चे

इस संबंध में स्कूल के निदेशक डॉ. प्रदीप पाठक ने कहा कि इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के पीछे शिक्षकों की मेहनत और बच्चों का परिश्रम है। जिसकी बदौलत जिला स्तर पर स्कूल का मान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि कबड्डी में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से खुशी कुमारी, बंधन कुमार, हर्षित सिंह, मनीष प्रजापति, प्रिंस यादव एवं कुमार अनुराग आगामी राज्यस्तरीय टीम में जगह प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय परिवार को पूर्व से भी गौरवान्वित करते हुए पुन: एक बार आठवीं कक्षा की श्रृष्टि बिहार राज्य खेल सम्मान 2024 के अंतर्गत राष्ट्रीय श्रेणी में बिहार के शिक्षा मंत्री के द्वारा राजगीर में पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए अपने परिवार समाज एवं विद्यालय का मान बढ़ाया है। विद्यालय परिवार अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ सदा खेल एवं अन्य प्रतियोगिताओं के प्रति उत्प्रेरित करते रहता है और सम्मानित करता है। इस प्रदर्शन पर स्कूल के प्राचार्य, प्रेसिडेंट एवं समस्त शिक्षकों ने सभी खिलाड़ियों तथा अपने फिजिकल टीचर रामरतन पाठक को बधाई दी और आगे भी वह इसी तरह का प्रदर्शन करते रहे इसके लिए शुभकामनाएं दी।

समाज के अंतिम व्यक्ति को मिल सकेगा स्वास्थ्य सेवा का लाभ : सीएस देवेंद्र

केटी न्यूज/जहानाबाद

♦ परिवार नियोजन कार्यक्रम पर विशेष जोर, ताकि मिले लाभ

स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में संबंधित अन्य विभागों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। विभिन्न विभागों के बीच आपसी सहयोग व समन्वय से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक जन कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की पहुंच संभव है। इसे लेकर जिला स्वास्थ्य समन्वय समिति की बैठक सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय जहानाबाद में आयोजित की गयी। सिविल सर्जन डॉ देवेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य, आईसीडीएस, जीविका सहित सहयोगी संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला स्वास्थ्य समिति व स्वास्थ्य विभाग की सहयोगी संस्था पीएसआई इंडिया के सहयोग से आयोजित इस बैठक में सिविल सर्जन सहित,अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजय कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी सह प्रभारी अधीक्षक सदर अस्पताल डॉ प्रमोद कुमार, डीपीओ आईसीडीएस सुश्री रचना , जिला स्वास्थ्य प्रबंधक मो. खालिद हुसैन , पीएसआई इंडिया के

जिला प्रबंधक नीरज कुमार, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी चंद्रशेखर, डीपीसी सुनील कुमार, यूनिसेफ के एसएमसी संजीत रंजन, डीसीएम धीरज कुमार सहित संबंधित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद थे। जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए विभाग प्रतिबद्धः सिविल सर्जन डॉ. देवेंद्र ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हर एक व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्ध है। इसके लिये विभाग चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी विकास से तालमेल स्थापित करते हुए उच्चतम सुविधा लोगों को उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में संबंधित अन्य विभागों का अपेक्षित सहयोग जरूरी है। ताकि हम अपने उद्देश्यों में कामयाब हो सकें। बाल स्वास्थ्य, सुरक्षित मातृत्व व परिवार नियोजन संबंधी सेवाओं की जानकारी व लाभ आम लोगों तक पहुंचाने में विभिन्न विभागों से प्राप्त सहयोग, समन्वय व समर्थन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सफल संचालन में सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराना जिला स्वास्थ्य समन्वय समिति की बैठक का उद्देश्य है।

क्रियान्वयन में सभी का सहयोग जरूरीः जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी सह प्रभारी अधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य एक समग्र विषय है, जो केवल स्वास्थ्य विभाग तक सीमित नहीं है। परिवार नियोजन कार्यक्रम पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ये केवल जनसंख्या स्थिरीकरण ही नहीं बल्कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी मामलों में सुधार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

एक नजर

महाराजा कॉलेज में बवाल, छात्राओं ने असिस्टेंट प्रोफेसर को जमकर पीटा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर (पीजी), सेमेस्टर थर्ड की परीक्षार्थियों ने महाराजा कॉलेज परीक्षा केंद्र पर कदाचार का विरोध करने पर लात घूसों से वीक्षक की जमकर धुनाई कर दी। इससे वीक्षक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शुचि स्नेहा घायल हो गई। उन्हें आंख, पीठ, हाथ, गर्दन पर चोट आई है। हालांकि बाद में शिक्षकों के समझाने-बुझाने के बाद छात्राएं परीक्षा देने के लिए वापस अपने कमरे में गई।कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय कुमार ने बताया कि पीजी सेमेस्टर थर्ड, सत्र 2022-24 की परीक्षा सोमवार से शुरू है। परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से शुरू थी, कक्षा में उपस्थित बतौर वीक्षक डॉ शुचि स्नेहा ने मोबाइल लेकर कदाचार कर रही छात्राओं को रोका तो छात्राओं ने वीक्षक के साथ मारपीट करने लगी। छात्राओं ने वीक्षक को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छात्राओं ने वीक्षक को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और लात घूसों से जमकर पिटाई करने लगी। हल्ला-गुल्ला सुनकर मौके पर पहुंचे शिक्षक और कर्मचारियों ने छात्राओं से बचाया। आक्रोशित छात्राएं हंगामा करते हुए कार्यालय में भी पहुंच गई। जहां से समझा बुझाकर वापस भेजा गया। प्रभारी प्राचार्य प्रो आलोक रंजन ने पुलिस को 112 नंबर पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस से प्राचार्य ने लिखित शिकायत की है। मारपीट करने वाली छात्रा का मोबाइल भी वीक्षक के पास है। जिसे प्राचार्य ने पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

छपरा में यूट्यूब देखकर ऑपरेशन करने वाला फर्जी डॉक्टर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

छपरा। छपरा में एक डॉक्टर ने यूट्यूब देखकर 15 साल के गोलू साह का ऑपरेशन किया, जिसमें उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि पेट दर्द की शिकायत के बाद गोलू को पास के ही नर्सिंग होम भर्ती कराया था। उसे पथरी की शिकायत थी।शुक्रवार रात को उसके पेट में तेज दर्द हुआ और उल्टियां होने लगी। जिसके बाद परिवार वाले गांव के निजी नर्सिंग होम गणपति सेवा सदन में ले गए। परिवार ने दर्द कम करने की दवा देने को कहा था। उस डॉक्टर ने बगैर परिजनों की इजाजत के ऑपरेशन कर डाला। मृतक के दादा प्रह्लाद साह ने बताया कि डॉक्टर ने गोलू के पिता को कंपाउंडर के साथ डीजल लाने के लिए भेज दिया और फिर यूट्यूब देखकर ऑपरेशन करने लगा। यूट्यूब चैनल की आवाज बाहर तक आ रही थी। डॉक्टर मोबाइल पर बार-बार यूट्यूब देखकर पेट पर चीरा लगा रहा था। इसी दौरान गोलू की तबीयत बिगड़ने लगी।गोलू की बिगड़ती हालत के बाद आरोपी ने खुद एंबुलेंस बुलाई और एक स्टाफ और उसकी दादी के साथ इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया, लेकिन पटना पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। किशोर की मौत के बाद नर्सिंग होम का डॉक्टर और स्टाफ फरार हो गए। घटना गड़खा थाना क्षेत्र के मोतीराजपुर धर्मबागी की है।इस घटना के बाद पुलिस ने 28 घंटे के अंदर स्थानीय गड़खा थाना पुलिस और एसआईटी के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है।आरोपी चिकित्सक की पहचान गड़खा थाना क्षेत्र के बभनिया गांव निवासी अजित कुमार पूरी के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस आरोपी फर्जी डॉक्टर से पूछताछ कर रही है। जिसे पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय भेजा जाएगा।

छपरा : बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अविलंब विद्यालय बंद करने की मांग

छपरा। शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि बिहार के सरकारी शिक्षकों के बीच ऑनलाइन अटेंडेंस लगाने का खौफ कुछ ऐसा है कि शिक्षक अपनी जान जोखिम में डाल कर भी विद्यालय समय से पहले पहुंच रहे हैं। एक तरफ मूसलाधार बारिश और दूसरी तरफ बाढ़ जैसे हालात, मॉनसून में यह दोनों शिक्षकों के दुश्मन बने हुए हैं। इसी क्रम में सोमवार की सुबह बेतिया में एक बड़ा नाव हादसा हुआ शिक्षकों से भरी नाव अचानक पलट गयी। शिक्षक नेता ने कहा कि 23 अगस्त को पटना के दानापुर में नाव पलटने से बीपीएससी शिक्षक अविनाश कुमार की मौत हो चुकी है।नाव से शिक्षकों का स्कूल जाने की समस्या बिहार के कई बाढ़ग्रस्त इलाके की है,शिक्षक ही नहीं बल्कि छात्रों को भी स्कूल नाव से ही जाना पड़ता है।ऐसे में सभी शिक्षक और छात्र-छात्राओं पर खतरा मंडराते रहता है।सरकार से हमारी मांग है कि अविलम्ब बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के विद्यालयों को बंद कर के शिक्षकों एवं छात्रों की रक्षा करे। इस मौके पर संजय यादव,निजाम अहमद, विनोद राय, हवलदार मांझी, इंद्रजीत महतो, अनुज राय, पंकज प्रकाश, पीयूष तिवारी, रणजीत सिंह,अनिल दास,सुमन कुशवाहा,एहसान अंसारी,प्रकाश ओझा,जिंतेंद्र राम सहित अन्य मौजूद थे।

खबरें फटाफट

फांसी के फंदे से झूलते मिली विवाहिता हत्या का आरोप

जहानाबाद। मखदुमपुर थाना क्षेत्र के जगपुरा टोला नरहन पर गांव में एक विवाहिता का शव पुलिस ने फांसी के फंदे से झूलते बरामद किया है। मृत विवाहिता गांव निवासी गुड्डू कुमार की पत्नी बबिता कुमारी बताई जाती हैं। वही विवाहिता के पिता ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी एक विवाहिता फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। इधर मृतक विवाहिता के पिता मदारी चक गांव निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उनकी पुत्री की शादी 3 वर्ष पूर्व नरहन पर गांव में हुआ था जहां से दहेज के लिए हमेशा प्रताड़ित किया जाता था, इस मामले में मृतक के पति गुड्डू कुमार ससुर राज किशोर सास एवं देवर के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज किया है।

क्रेशर पर मलवा गिरने से युवक की हुई मौत

जहानाबाद। मखदुमपुर थाना क्षेत्र के स्टेशन से पश्चिम एक क्रेशर पर लोहा का मालवा गिर जाने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक गया जिले के जनकपुर मानपुर गांव निवासी ऋषभ कुमार उम्र 20 वर्ष बताया जाता है। जानकारी के अनुसार मखदुमपुर स्टेशन से पश्चिम इलाके में क्रेशर बंद पड़ा था। जिसे गया के कबाड़ी दुकानदार गुलाम मिस्त्री क्रेशर को खरीदा था।

जमीनी विवाद में सहार थाना के पेरहाप गांव में हुई घटना, तनाव व्याप्त

आरा में दो सगे भाइयों को मारी गोली, एक की मौत

♦ छह महीने में एक ही परिवार में दूसरी हत्या
♦ परिजन पेरहाप मोड़ के पास शव को सड़क पर रखकर किया जमकर हंगामा
♦ आरा कोर्ट जाने के लिए घर से निकले थे दोनों भाई

केटी न्यूज/आरा

आरा में जमीन विवाद को लेकर सोमवार (09 सितंबर) की सुबह दो भाइयों को बदमाशों ने गोली मार दी. घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना उस समय हुई जब दोनों भाई कोर्ट में मामले की सुनवाई में भाग लेने के लिए जा रहे थे। घटना जिले के सहार थाना के पेरहाप गांव की है। मृतक की पहचान पेरहाप गांव निवासी कमलेश राय (50 वर्ष) के रूप में की गई है। वहीं उनके भाई मनोरंजन राय (35 वर्ष) घायल हैं। इसी साल 15 अप्रैल को मृतक कमलेश राय के 24 वर्षीय बेटे आदित्य की भी गोली मारकर हत्या की गई थी। उस वक्त कमलेश राय को भी दो गोली लगी थी, लेकिन वह बच गए थे। बेटे को चार गोली लगी थी। करीब छह महीने में परिवार में यह दूसरी हत्या है। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया है। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण एवं मृतक के परिजन पेरहाप मोड़ के पास शव को सड़क पर रखकर हंगामा करने लगे। हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। हालांकि पुलिस ने मामले को समझाकर शांत कराया।

दिया बयान- प्रियांशु और उसके साथी ने मारी गोली

घटना में जख्मी मनोरंजन राय ने बताया कि कमलेश को लेकर आरा जा रहे थे। इसी बीच राजदेव नगर गांव में प्रियांशु और उसके साथी ने छिप कर गोली मार दी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने कमलेश राय के बेटे (आदित्य) की हत्या की थी उन्हीं लोगों ने फायरिंग की है। पिछली बार कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई थी, लेकिन अभी भी कुछ लोग फरार हैं। इस मामले में भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि पीरो अनुमंडल अंतर्गत सहार थाना के पेरहाप गांव में चचेरे भतीजे और चचेरे चाचा के बीच संपत्ति का विवाद है जो पहले से चल रहा है। भूमि विवाद में ही चचेरे भतीजे प्रियांशु राय की ओर से चचेरे चाचा कमलेश राय और मनोरंजन राय पर गोली चलाई गई है। कमलेश राय की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई है जबकि मनोरंजन राय को कंधे में गोली लगी है। फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं। उधर घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के साथ पीरो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अन्य वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस हर एंगेल पर जांच कर रही है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

कोर्ट के लिए निकले थे कमलेश और मनोरंजन

प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि कमलेश राय के पिता तीन भाई थे। उसमें एक चाचा की कोई संतान नहीं थी और उनकी लगभग सारी संपत्ति कमलेश राय और उसके भाई ने अपने नाम कर ली थी। इसके कारण चचेरे भाई प्रियांशु राय और उनके परिवार से विवाद चल रहा था। पुराने एक मामले में सोमवार को कमलेश राय और मनोरंजन राय आरा कोर्ट जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में यह घटना हो गई। परिजनों के बयान के आधार पर इस घटना में लाइनर का काम करने वाली एक महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पुछताछ कर रही है।

स्वास्थ्य कैंप आयोजित कर हुई मधुमेह एवं बीपी की जांच

तिलौथू। प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत प्रखंड में संबंधित पदाधिकारी एवं सभी पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई । जिसमें संपूर्णता अभियान के दिए गए सूचकांक को बेहतर करने के लिए चर्चा की गई। आकांक्षी कार्यक्रम के तहत पंचायत में स्वास्थ्य कैंप आयोजित कर मधुमेह एवं बीपी का जांच किया जाएगा। तिलौथू प्रखंड में 4 जुलाई से 30 सितंबर तक संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नीति आयोग के निर्धारित 6 इंडिकेटरों को बढ़ोतरी के ऊपर कार्य किया जा रहा है जो उन्हें संपूर्ण रूप से लक्ष्य को प्राप्त करना है। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अंकिता जैन के द्वारा सभी जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान को बेहतर करने एवं लक्ष्य को 100 प्रतिशत हासिल करने के लिए चर्चा की गई और पंचायत स्तर पर हो रहे हैं गतिविधियों को सहयोग करने की बाते कही । साथ ही अपने पंचायत को किस तरह से विकसित पंचायत बना सकते हैं इस तरह से अपने पंचायत को सरकार की तरफ से दी जाने वाली योजनाओं को घरों तक लाभ पहुंचा सकते हैं एवं संपूर्णता अभियान के तहत मधुमेह और बीपी की जांच संपूर्ण पंचायत को लोगों को कर 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। जिसमें पंचायत के सभी प्रतिनिधियों के द्वारा पंचायत में तिथि निर्धारित किया गया। बैठक में पीरामल फाउंडेशन के अरविंद कुमार ने इंडिकेटर को बेहतर करने के बात कही गई तथा कोलैबोरेशन और कन्वर्जेंस के माध्यम से एक दूसरे डिपार्टमेंट को सहयोग करें।

पशु चिकित्सक जायेंगे किसानों के घर करेंगे मवेशियों का इलाज : डीडीसी

केटी न्यूज/सासाराम

पशुपालकों घर पर पशु चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु जिले के सभी 19 प्रखंडो में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई उपलब्ध कराया जाना है। जिले को अभीतक 09 मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई उपलब्ध करायी गयी है। इसका शुभारम्भ उप विकास आयुक्त, रोहतास, सासाराम ने समाहरणालय में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी, रोहतास डा. राजेश कुमार चौबे, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी (चलंत) डा. प्रदीप कुमार निराला, सहायक कुक्कुट पदाधिकारी डा. सुनील कुमार बैठा एवं अन्य पदाधिकारी एवं

कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी, रोहतास डा. राजेश कुमार चौबे ने बताया की बिहार के पशु चिकित्सा इतिहास में यह एक ऐतिहासिक कदम है। पशुपालक टॉल फ्री नम्बर 1962 पर कॉल कर पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना में स्थापित कॉल सेन्टर से सम्पर्क कर अपने द्वार पर पशु चिकित्सा का लाभ उठा सकते है। कॉल सेन्टर के द्वारा संबंधित मोबाइल भेटनरी यूनिट को संबंधित पशुपालक को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जायेगा। भेटनरी यूनिट में एक पशु चिकित्सक एक पशु चिकित्सा सहायक तथा एक ड्राईवर की व्यवस्था की गयी है।

वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में ककड़िया ने दाउदपुर को किया पराजित

केटी न्यूज/जहानाबाद

सदर प्रखंड के दाउदपुर सूर्यमंदिर के समीप जन सुराज के बैनर तले आयोजित वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में ककड़िया ने दाउदपुर को पराजित कर कप पर कब्जा जमा लिया। सैकड़ों खेल प्रेमियों की मौजूदगी में खेले गए फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। लेकिन, जीत ककडिया के खाते में गई। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया जिनमें दाउदपुर, ककड़िया, महमदपुर, कुंभवा, बिस्तौल, सिकरिया, नरहर, टाली, कल्पा, सावन बिगहा, एसएन सिन्हा कॉलेज और धुरिया की टीम शामिल थी।पहला सेमीफाइनल का मुकाबला महमदपुर और दाउदपुर के बीच खेला गया जिसमें दाउदपुर ने जीत हासिल की, जबकि दूसरा सेमीफाइनल टाली और ककड़िया के बीच हुआ। जिसमें ककड़िया ने टाली को पराजित कर फाइनल में जगह बना ली। इसके पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन पीपी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अभिराम ने किया। उन्होंने सभी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ कराया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें अवसर उपलब्ध कराने की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे जन सुराज से जुड़े अक्षय आनंद ने विजेता और उप विजेता टीम को कप, मेडल और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

नगर रामलीला समिति ट्रस्ट का बैंक अकाउंट नंबर एवं क्यू आर कोड किया जाएगा सार्वजनिक

रामलीला मैदान में अयोध्या नगरी के संत करेंगे राम कथा

केटी न्यूज/आरा

नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की बैठक सोमवार की शाम स्थानीय संभावना स्कूल के जुबली हॉल में हुई, जिसकी अध्यक्षता नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने की। बैठक में शारदीय नवरात्र के अवसर पर 18 दिवसीय रामलीला व विजयदशमी के दिन रावण वध की तैयारी समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि नगर रामलीला समिति के ट्रस्टियों ने यह तय किया है कि इस बार रामलीला और सभी तरह के कार्यक्रम के लिए किसी तरह की रसीद बाजार में नही भेजी जाएगी। समिति के ट्रस्टी, कार्यकारिणी सदस्य अपनी ओर से सहयोग राशि एकत्रित कर कार्यक्रम को संपन्न करेंगे। विश्वकर्मा पूजा के बाद पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यकताओं के लिए नगर रामलीला समिति ट्रस्ट का बैंक अकाउंट नंबर एवं क्यू आर कोड सार्वजनिक किया जाएगा, जिस पर लोग डिजिटल ट्रांजक्शन के

माध्यम से सहयोग करेंगे। इससे पैसे के लेने-देन में पुरी पारदर्शिता बनी रहेगी। सचिव विष्णु शंकर ने कहा कि 18 दिवसीय रामलीला के दौरान रामलीला मैदान में ही राम कथा का आयोजन किया जाएगा। अयोध्या नगरी के प्रख्यात संत द्वारा संध्या 4 बजे से 6 तक राम कथा का वाचन किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी जोर-जोर से चल रही है। नवरात्र के मौके पर नगरवासियों को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के कथा से बहुत कुछ जानने और जीवन में आत्मसात करने का अवसर प्राप्त होगा। नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सह रामनवमी शोभा यात्रा समिति के महासचिव शंभू चौरसिया ने रामलीला मैदान में भगवान राम, माता सीता व वीर हनुमान का फोटो युक्त लगाए गए होडिंग को असमाजिक तत्वों द्वारा फाडने की निंदा की। उन्होंने कहा कि भगवान राम व माता सीता की फोटो युक्त होडिंग फाड़ने एवं बांस-बल्लो को तोड़ने से सनातन धर्मावलंबियों की भावना आहत हुई है। कई लोगों ने इस घृणित कार्य की निन्दा की है। इस दौरान कहा गया कि इस तरह के कार्य करने वालों पर पैनी नजर रखना होगा। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं हो। बैठक में ट्रस्टी उपस्थित रहें।

पुलिस का मानसून धमाका... आरोपियों को पकड़ने के बजाय दे रहे बेल लेने का मौका

तिलक कुमार/बलिया

कानून सबके लिए बराबर है, सच पूछिए तो जनाब यह बात सरासर गलत है। कानून आज भी सिर्फ गरीबों, मजलूमों और बेबस लोगों को ही कुचलता है। अभी कदम चौराहे के पास अंग्रेजी शराब के थोक लाइसेंस धारक संगीता देवी पत्नी छितेश्वर प्रसाद का ही मामला देख लीजिए, आबकारी विभाग के दो–दो निरीक्षक के खिलाफ 420, 467, 468, 471, 120 बी जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी दोनों आराम से अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और खुलेआम घूम रहे हैं। जबकि मामला प्रदेश के डीजीपी से लेकर, आजमगढ़ कमिश्नर, एडीजे मोडिया जी, डीआईजी वैभव कृष्ण तक के संज्ञान में है। आश्चर्य तो तब और होता है जब नरहीं वसूली कांड के बाद भी पुलिस विभाग सबक नहीं ले रहा हैं और लगातार कर्तव्य से विमुख हो रहा है।

कार्यशैली पर उठे सवाल

♦ साजिश और धोखाधड़ी के मामले में नप गए आबकारी विभाग के दो–दो निरीक्षक

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कदम चौराहा स्थित अंग्रेजी शराब के थोक लाइसेंस धारक संगीता देवी पत्नी छितेश्वर प्रसाद के यहां कुछ दिन पहले आबकारी विभाग द्वारा छापेमारी की गई थी। उस दरम्यान दो बोरी में काफी संख्या में एट पीएम का खाली टेट्रा पैक

आबकारी विभाग के अनुसार बरामद हुआ था। इसके बाद आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए छितेश्वर प्रसाद को जेल भेज दिया था। छितेश्वर प्रसाद जेल जाने के बाद बेल लेकर बाहर आए और इसके बाद छितेश्वर प्रसाद खुदकी बेगुनाही साबित करने में जुट गए। छितेश्वर प्रसाद के अनुसार उनकी सुनवाई जिले स्तर पर नहीं हुई, मजबूरन छितेश्वर लखनऊ राजधानी की ओर कूच किए। जहां डीजीपी से मुलाकात करने के बाद अपनी फरियाद सुनाई। छितेश्वर प्रसाद के अनुसार आबकारी विभाग द्वारा उनके कदम चौराहा स्थित मकान में साजिशन खुदसे बोरी रखवाकर छापेमारी की कार्रवाई की बता बताई। मामले की गंभीरता को समझते हुए डीजीपी ने एडीजे को मामले की जांच सौंपी। एडीजे ने डीआईजी वैभव कृष्ण को निर्देश देने के साथ मामले में स्पेशल जांच टीम बनाई। जांच टीम द्वारा जब जांच की गई तो सतनीसराय चौकी में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीबीआर की सबसे पहले जांच हुई। जिसमें यह पाया गया कि दो लोग पहले कई दिन रैकी किए, फिर खुद ही खाली टेट्रा पैक भरी दो बोरी एट पीएम छितेश्वर प्रसाद की मकान में रख दिए। मामले में अब तक दो लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है व जिस वाहन से ये लोग बोरी लेकर गए थे, वह वाहन भी बरामद हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों के बयान के आधार पर यह तथ्य सामने निकल कर आया कि इस पूरी साजिश में आबकारी विभाग की साठगांठ है। इसके बाद विवेचक ने बिना देर किए इस मामले में आबकारी विभाग के दो–दो निरीक्षक विनय राय व संदीप यादव को भी आरोपी बनाया। दोनों के खिलाफ 420, 467, 468, 471, 120 बी जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

एसपी बोले पर्याप्त साक्ष्य मिलते ही करेंगे कार्रवाई

बलिया। मामले में एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि मामला अच्छी तरह मेरे संज्ञान में है। बस जांच चल रही है, पर्याप्त साक्ष्य मिलते ही कार्रवाई में देर नहीं करेंगे। कानून सबके लिए बराबर है। कानून के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता, वह चाहे कोई भी क्यों न हो।

एक नजर

पम्पिंग सेट पर सो रहे दो युवकों को निशाना बना अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

गाजीपुर। नंदगज थाना क्षेत्र के सहेड़ी गांव में रविवार की रात सरसोईया बाबा मंदिर के बगल में स्थित खेत के पास पम्पिंग सेट वाले कमरे में एक ही चारपाई पर सो रहे दो युवकों को निशाना बना अज्ञात हमलावरों गोली चलाई। जिसमें एक युवक गोली लगने से लहूलुहान हो गया। जबकि दूसरा बच गया। उधर गोली मारकर हमलावर फरार हो गए। गोली से घायल युवक को मेडिकल कालेज लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई है। सहेड़ी गांव निवासी ओमप्रकाश यादव का सरसौईया बाबा मंदिर के समीप खेत और पम्पिंग सेट मशीन है। सोमवार को ओमप्रकाश का पुत्र अत्येंद्र यादव– 32 और कुसम्ही कला निवासी जयप्रकाश राम–30 दोनों बीती रात खेत में पानी भरकर खाना खाकर मशीन के अंदर बने कमरे में एक ही चारपाई पर सो गये थे। देर रात लगभग दो बजे अज्ञात हमलावरों ने खिड़की से फायर कर दिया। जिससे अत्येन्द्र यादव को गोली लग गई। गोली की आवाज से बगल में सो रहा जयप्रकाश जग गया और चिल्लाने लगा। घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जहां हालत गम्भीर होने पर वाराणसी रेफर कर दिया गया है। घायल का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच करने में जुट गई है। इस संबंध में थाना प्रभारी लालता यादव ने कहा कि घायल युवक के पिता ओमप्रकाश यादव ने दो अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। मुकदमा दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है।

बैंकों के समानांतर चल रही महाजनी संस्कृति

सिपाह इब्राहिमाबाद (मऊ)। परिस्थितियाँ चाहे जो भी हों किंतु बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के तमाम दावों के बावजूद उसे अभी तक जन आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं बनाया जा सका है, तभी तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महाजनी संस्कृति का न सिर्फ वजूद कायम है बल्कि उसकी जड़ें और भी मजबूत होती जा रहीं हैं। जानकारी के अनुसार आपको रोजगार करना हो अथवा शादी – विवाह, घर बनाना हो या फिर दवा– इलाज के लिए पैसों की आवश्यकता हो, यदि आपका हिसाब – किताब अच्छा है तो फिर आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं है, घर बैठे – बिठाये केवल एक फोन पर आपको लाखों रुपये उपलब्ध हो सकते हैं । हालांकि ब्याज दरें बैंक की तुलना में कई गुनी अधिक होने के कारण भविष्य मेंआप और आपके परिवार के सपनों को आहत कर सकती हैं । अब तो इस परंपरा के नए संस्करण ने बाजार के बड़े हिस्से को अपने आगोश में ले रखा है। अब अनेकों ऐसी पंजीकृत फाइनेंस कंपनियाँ हैं जो छोटे कारोबारियों को रोजगार के लिए बतौर कर्ज दस हजार से लेकर लाखों रुपये तक मुहैया कराती हैं और दैनिक अथवा मासिक किस्तों में (ब्याज सहित) वसूल करती हैं । जिन कारोबारियों का व्यवसाय अच्छा चल रहा होता है वे तो देर– सबेर कर्ज चुका देते हैं और जिनका धंधा अच्छा नहीं चलता वे खा– पीकर रकम बराबर कर देते हैं साथ ही कर्ज की धनराशि न चुका पाने के कारण परेशानियों के मकड़जाल में भी फँस जाते हैं । यद्यपि इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि बैंक की ब्याज दर कम होने के बावजूद लोग कर्ज लेकर उसकी किस्तों का भुगतान नहीं कर पाते जबकि महाजनों अथवा अन्य फाइनेंस कंपनियों से लिए गए ऋण अपेक्षाकृत अधिक मँहगे होने के बावजूद, चुकाने के प्रति ज्यादा गंभीर दिखते हैं । हालांकि अब बैंकों द्वारा कर्ज वसूली का तौर– तरीका भी काफी अमानवीय होता जा रहा है , तभी तो पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायालय ने बैंकों के वसूलीकताओं को गुण्डों का संगठित समूह बताया था ।

गहराता कृषि संकट जनमानस के समक्ष चुनौतियां विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

मऊ। राहुल सांकृत्यायन सृजनपीठ, भुजौटी के सभागार में किसान नेता कॉमरेड अतुल कुमार अनजान महासचिव अ. भा. किसान सभा , की स्मृति में 'गहराता कृषि संकट :जनमानस के समक्ष चुनौतियां' विषय पर एक विचार गोष्ठी व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सांसद राजाराम सिंह की अध्यक्षता में किया गया। विचार गोष्ठी की शुरूआत कॉ. अतुल अंजान के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करके हुई।कार्यक्रम में उपस्थित अतुल अंजान जी की बहन किरन सिंह को शाल ओढ़ाकर अर्चना उपाध्याय ने सम्मानित किया। जाने माने साहित्यकार डॉ.जयप्रकाश 'घूमकेतु'*द्वारा संपादित पत्रिका ₹अभिनव कदम₹के दो खण्डों में प्रकाशित किसान विशेषांक का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। गोष्ठी के विषय पर आधार व्यक्त वक्तव्य देते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश नारायण ने कहा कि, भारतीय किसान आन्दोलन ने विश्व भर के किसानों को एकजुट करने का काम किया और उसका परिणाम यह हुआ कि सरकार को तीनों काले कानू?नों को वापस लेना पड़ा। शुरू से ही किसानों के समक्ष गहराती समस्याओं से उबारने के लिए सरकारों द्वारा किए गए प्रयास केवल छलावा थे।

खबरें फटाफट

भगवान को भूल जाना दु:ख का कारण : फलहारी महाराज

गाजीपुर। हनुमान मंदिर देवचंदपुर पर प्रवचन करते हुए संत जयप्रकाश दास फलहारी जी महाराज ने कहा चौरासी लाख योनियां में भटकने के पश्चात मानव तन मिला है।

जिसमें जीव परमात्मा का भजन करके आत्म साक्षात्कार करके आवागमन के भव बंधन से मुक्त हो सकता है। जीव जब नौ माह तक मां के गर्भ में रहता है तो नाना प्रकार का कष्ट सहन करता है। उस समय प्रभु से विनती करता है। हे प्रभु इस नर्क से बाहर करो मैं आप का भजन करुंगा, लेकिन बाहर आने के बाद अपने किए वायदे को भूल जाता है, यही दु:ख का प्रमुख कारण है। श्री फलहारी दास जी ने कहा इस धराधाम पर संत किसी न किसी रुप में सदैव विद्यमान रहकर जीवों को परमात्मा से मिलाने का कार्य करते हैं। जब करोड़ों जन्मों का पुण्य उदय होता है, तो परमात्मा का दर्शन होता है। मानव तन पाने के बाद जो आत्म साक्षात्कार नहीं कर सका, तो उस परमात्मा का क्या दोष है।

अब 24 को होगा प्रबंधकारिणी समिति का चुनाव

मऊ। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी साहित्य निकष सिंह ने बताया कि समिति क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम पोस्ट व तहसील मऊनाथ भंजन जिला मऊ के प्रकरण में सहायक निबंध फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स आजमगढ़ मंडल आजमगढ़ के आदेश द्वारा मुझे निर्वाचन अधिकारी नामित करते हुए प्रश्नगत समिति के प्रबंधकारिणी समिति का निर्वाचन संपन्न कराए जाने की अपेक्षा की गई है। जिसके क्रम में दिनांक 21 सितंबर 2024 को निर्वाचन कार्यक्रम निर्गत किया गया था परंतु अपरिहार्य कारणों से निर्वाचन की तिथि संशोधित करते हुए इसे दिनांक 24 सितंबर 2024 को कार्यालय कक्ष जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कलेक्ट्रेट मऊ में निर्धारित किया जाता है।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य में जल जमाव न होने के निर्देश

डेंगू सहित अन्य जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए जारी हुई एडवाइजरी

♦ जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से की एडवाइजरी का अनुपालन करने की अपील

केटी न्यूज/मऊ

डेंगू सहित अन्य जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने समस्त जनपद वासियों से एडवाइजरी का पालन करने एवं डेंगू के अलावा अन्य संक्रामक बीमारियों के प्रभाव से बचाने हेतु अपील की है। उन्होंने समस्त औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थाओं, विभागीय कार्यालयों सहित समस्त जनपद वासियों से अपने आसपास जल जमाव न होने देने की अपील की। ज्ञातव्य है कि जल जमाव की स्थिति में ही डेंगू के लार्वा पनपते हैं।बरसात के उपरांत प्रतिष्ठानों एवं संस्थाओं के अलावा अन्य स्थलों के आसपास जल जमाव की स्थिति बनती है इसके दृष्टिगत जिलाधिकारी ने संबंधित प्रतिष्ठानों एवं संस्थाओं सहित विभागीय कार्यालय अध्यक्षों से जुड़े समस्त लोगों से जल जमाव न होने की स्थिति हेतु निर्देश दिए हैं। साथ ही समस्त जनपद वासियों से भी अपने घरों के कूलर एवं प्रयोग में न होने वाले बर्तनों में में जल जमाव की स्थिति न होने देने की अपील की।

जिलाधिकारी ने डेंगू सहित अन्य जल जनित बीमारियों से बचने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करने एवं मच्छर भगाने वाली दवाओं को इस्तेमाल करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने बाहर जाते समय लंबी आस्तीन वाली शर्ट और लंबी पैंट पहनने,मच्छरों को आकर्षित करने वाली गंध से बचने, घर के अंदर रहते समय खिड़की और दरवाजों की जाली सुरक्षित और छेद रहित रखने, पानी की टंकी को ढक कर रखने, घर के आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर का पानी रोज बदलने, कीटनाशक और लार्वा नाशक दवाइयां का छिड़काव करने, घरों के आसपास साफ सफाई रखने,स्वस्थ खान-पान वाली जीवन शैली अपनाने को कहा। उन्होंने बताया कि डेंगू के मच्छर सुबह या शाम को ज्यादा सक्रिय होते हैं इसलिए ऐसे समय बाहर निकलने में विशेष सावधानी बरते। उन्होंने डेंगू होने पर दिन में भी मच्छरदानी में रहने, पानी, नारियल पानी, शिकंजी और तरल पदार्थ का अधिक से अधिक सेवन करने, संतुलित आहार लेने, हल्का और सादा खाना खाने तथा बिना डॉक्टर की सलाह लिए दवाई न लेने की भी अपील की। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में आज नगरीय क्षेत्र में स्थापित सरकारी कार्यालय एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जल जमाव हटाने हेतु कार्य किए गए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी जिला अधिकारी के निर्देश पर पंचायती राज विभाग द्वारा साफ सफाई के अलावा जल जमाव वाले स्थलों पर एंटी लारवा के छिड़काव एवं घरों में प्रयोग होने वाले कूलर, खाली बर्तन सहित अन्य स्थानों पर जल जमाव से निपटने हेतु लोगों को प्रेरित करने के साथ ही अन्य कार्य हो रहे हैं।

कार्रवाई के विरोध में तालाबंदी धरना-प्रदर्शन व कार्य बहिष्कार

केटी न्यूज/सेवराई

♦ सोनियापार गांव के सचिव के निलंबन का मामला

रेवतीपुर ब्लाक मुख्यालय पर सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारियों ने सैदपुर के सोनियापार गांव के सचिव को डीएम द्वारा निलंबित किए जाने के विरोध में तालाबंदी कर धरना-प्रदर्शन के साथ ही कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया।

इस दौरान सचिवों ने जमकर नारेबाजी की। इस कारण अफरा-तफरी मची रही। उधर सदूर गावों से अपने विभिन्न कामों के निस्तारण के लिए आए महिला- पुरूषों को काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी सचिवों के कार्य बहिष्कार के चलते निराश होकर अपने घर को लौटना पड़ा। धरनारत सचिवों को संबोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष सुधीर प्रताप सिंह ने कहा कि निलंबित सचिव को तत्काल बहाल किया जाए। अन्यथा यह धरना- प्रदर्शन और तेज करते हुए तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। उन्होंने चेताया कि अगर हम लोगों के शुरू किए गए कार्य बहिष्कार और धरना- प्रदर्शन को पुलिस के बल पर कमजोर करने की?

चितबड़ागांव में करंट लगने से दो युवकों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

केटी न्यूज/चितबड़ागांव

चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के अलग–अलग गांव में सोमवार को करंट की चपेट में आने दो युवकों की मौत हो गई। दोनों शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिजनों का रोते–रोते बुरा हाल है।

पहली घटना

चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कारो निवासी गौतम प्रसाद गुप्ता 40 वर्ष पुत्र शिवनाथ प्रसाद गुप्ता की करेंट के चपेट में आने से सोमवार को मौत हो गई। बताते चलें कि रोज के भांति गौतम अपने मिल में कार्य कर रहे थे तभी अचानक लाइट कट गई बाहर निकल कर देखा तो सभी लोगों की लाइट जल रही थी। वापस आकर मीटर के पास जाकर जैसे ही तार को हिलाया, करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने आनन-फानन इलाज के लिए ज़िला अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जानकारी मिलने पर पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दिया हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

दूसरी घटना

चितबड़ागांव क्षेत्र के ग्राम पंचायत नगवां गाई गांव में सोमवार की दोपहर करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिजनों का रोते–रोते बुरा हाल है। गांव निवासी अविनाश यादव उम्र 24 वर्ष खेत में काम करने के बाद घर आकर जैसे ही पंखा चलाने के लिए स्विच आन किए, वैसे करंट की चपेट में आने से बुरी तरह से झुलस गए। परिजनों ने उसे आनन–फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

13 सितम्बर का धरना सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान साबित होगा

सरकार को नहीं दिख रही बेटियों की लूटी जा रही इज्जत : रामगोविंद

केटी न्यूज/बलिया

समाजवादी पार्टी की बैठक पार्टी के जिला कार्यालय सम्पन्न हुई जिसमे वक्ताओं ने देश एवं प्रदेश के भाजपा सरकार को सभी मोर्चों पर विफल बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में पुलिस ही अपराधी हो गई हैं और सरकार बुलडोजर पर सवार हैं ठोको नीति में आत्ममुग्ध सरकार को प्रदेश के अन्दर बेरोजगारी, महंगाई, प्रतिदिन बहन बेटियों की लूटी जा रही इज्जत नहीं दिख रही। चंद अधिकारियों की मंडली से घिरे प्रदेश सरकार के मुखिया का अपने ही पार्टी और सरकार में बेगाने का हाल हो गया हैं। प्रदेश में आज किसान परेशान, युवा परेशान, छात्र परेशान, महिलाएं असुरक्षित और थाने बिक रहे हैं और सरकार के लोग सिर्फ विज्ञापनों में व्यस्त हैं।वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा इस जनविरोधी बीजेपी सरकार को जनता में फदार्फाश करने के लिए आगामी 13 सितम्बर 2024 शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरनाकरेगी तत्पश्चात आम लोगो के समस्याओं से संबंधित मांग पत्र जिलाधिकारी में माध्यम से महामहिम जी को प्रेषित करेगी। इस बैठक में धरना सभा को सफल बनाने के लिए सेक्टर प्रभारी से लेकर लोकसभा के सदस्य तक को जिमेदारी सौंपी गई।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर विफल बुलडोजर पर सवार मुख्यमंत्री जी अपने विफलताओं को छुपाने के लिए रोज फर्जी इनकाउंटर करा रहे हैं उत्तर प्रदेश आज हत्या प्रदेश बन गया हैं। 13 सितम्बर का धरना इस सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वाहन साबित होगा। पूर्व मंत्री मोहम्मद रिजवी ने कहा कि थाने और तहसील भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं और बीजेपी उसके संरक्षक। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिला अध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने कहा कि जिस प्रकार आपातकाल के समय आन्दोलन का मुख्य केंद्र बलिया था उसी प्रकार वर्तमान जनविरोधी सरकार को हटाने में भी बलिया ही आगे रहेगा जिसका उदाहर लोकसभा चुनाव हैं जहां बीजेपी का सूपड़ा साफ हो गया यही हाल 2027 में भी होगा। बैठक में जयप्रकाश अंचल, डा. विश्राम यादव,यशपाल सिंह,सुशील कुमार पाण्डेय "कान्हजी" राज कुमार पाण्डेय,सन्तोष राम, साथी रामजी गुप्ता,शशिकांत चतुवेर्दी, जमाल आलम राजन कनौजिया,राजेश गोड, हरेंद्र गोड,रोहित चौबे,जलालुदीन जे डी, मदन राय, जय प्रकाश यादव मुन्ना, अजय यादव, समशाद बासपारी, दिनेश यादव, रामनाथ पटेल,दशरथ यादव, हरिशंकर राय, जमाल आलम, राजेन्द्र यादव, जुबेर अहमद, उमेश सराफ,रामेश्वर पासावान, गिरीश गोड , बीर लाल यादव, अरुण यादव, मदन वर्मा, धनजी यादव आदि ने विचार व्यक्त किया संचालन जिला महा सचिव वीरबल राम ने किया।

प्रो.वीके राय बोले... संस्कार, ज्ञान और सीख का सर्वोत्तम परिसर बनाना ही है हमारा लक्ष्य

केटी न्यूज/गाजीपुर

राजकीय महाविद्यालय गहमर के प्राचार्य प्रोफेसर वीके राय ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। कहा कि विद्यालय का "पठन-पाठन तो सर्वोत्तम रहेगा ही हमारा लक्ष्य है कि महाविद्यालय परिसर ज्ञान, सीख और संस्कार का सर्वोत्तम परिसर बने" उक्त बातें महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण करते हुए प्रो. डॉ. वीके राय ने कही। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में इस वर्ष कला संकाय के स्नातक (बीए) प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया जा रहा है। इसमें हमारा प्रयास रहेगा की कक्षाएं सुचारु ढंग से चलें ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार किया जा सके। एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया कि शीघ्र ही परिसर में विज्ञान, वाणिज्य और कंप्यूटर संकाय भी संचालित होगी। प्रोफेसर राय ने कैप्टन उपाध्याय का हृदय से आभार व्यक्त किया और अपेक्षा की कि उनका सहयोग और सानिध्य बना रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और समाजसेवी परीक्षित सिंह जी ने कहा कि हमारा प्रयास सफलीभूत हुआ। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के हम आभारी हैं। प्राचार्य महोदय को जो भी सहयोग, जनसहयोग की अपेक्षा होगी वह उनके लिए किया जाएगा।

सूर्यवंश की राजधानी में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार

केटी न्यूज/अयोध्या

- सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या को सोलर सिटी बना रही डबल इंजन सरकार
- अयोध्या के संपूर्ण विकास को लेकर संकल्पित है योगी सरकार

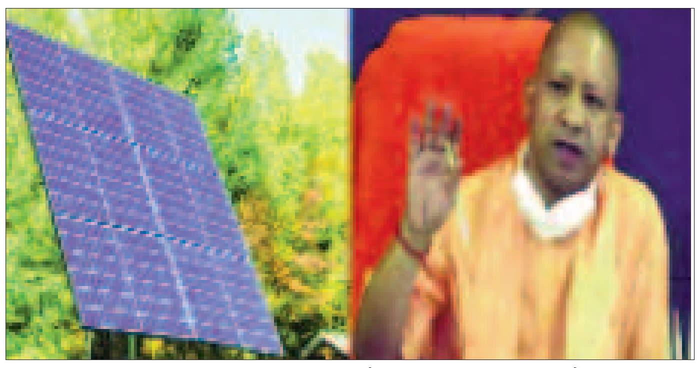

पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या सौर ऊर्जा सिटी के रूप मे विकसित हो रही है। अयोध्या मंडल मे सौर ऊर्जा कनेक्शन के लिए लगभग 76, 108 लोगों ने पंजीकरण कराया है। बिजली की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया है। इससे लोगों को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता के अनुरुप बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सोलर सिटी बनाने के लिए घोषणा की थी। इसके लिए यूपीनेडा की ओर से अयोध्या मे 40 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा घर-घर सौर ऊर्जा स्थापित किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अयोध्या मंडल में 76,108 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। इस योजना का प्रसार प्रचार करने के लिए सोलर सखी द्वारा डोर टू डोर कैंपेन भी चलाया जा रहा है।

योजना का लाभ पाने के लिए क्या करें : योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए https://pmsuryaghar.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जिस पर आवेदन किया जा सकता है। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना बैंक से ऋण लेकर कराये जाने हेतु भारत सरकार के पोर्टल पर विभिन्न बैंकों को सूचीबद्ध किया गया है, जिसका लाभ उपभोक्ता द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना हेतु एमएनआरई भारत सरकार के दिशा-निर्देशन में वेंडर इम्पैनलमेंट की कार्यवाही की जा रही है।

अयोध्या मंडल मे अभी तक हुए रजिस्ट्रेशन

बाराबंकी	24581
अम्बेडकर नगर	14617
अयोध्या	13804
सुल्तानपुर	13651
अमेठी	9455

अब तक स्थापित किए गए कनेक्शन

बाराबंकी	330
अयोध्या	175
सुलतानपुर	140
अम्बेडकर नगर	89
अमेठी	25

क्या है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रति किलोवॉट 10 वर्गमीटर छाया रहित छत की आवश्यकता होती है। एक किलोवॉट के रूफटॉप संयंत्र से औसतन प्रतिदिन 4-5 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। संयंत्र से उत्पादित विद्युत का उपयोग भवन स्वामी द्वारा करने के उपरांत अवशेष विद्युत ग्रिड में चली जाती है। इसका नेटमीटरिंग के माध्यम से विद्युत बिल में संबंधित डिस्कॉम द्वारा समायोजन किया जाता है। उपभोक्ता द्वारा सोलर संयंत्रों की स्थापना में व्यय की गयी धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचत के रूप में 3 से 4 वर्ष में हो जाती है।

खबरें फटाफट

दीक्षारम्भ में बीटेक के विद्यार्थियों को दी जानकारी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में बीटेक प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के विश्वेश्वरैया सभागार में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों का भ्रमण कराकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप सिंह ने छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी में हो रहे तीव्र बदलाव पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी ने पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया. प्रोफेसर रवि प्रकाश ने इंजीनियरिंग के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए छात्रों को पूर्ण मनोयोग के साथ विद्या अध्ययन के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर अशोक श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को अध्ययन के साथ-साथ अपने मन में राष्ट्रवादी विचारधाराओं के विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया ताकि छात्रों द्वारा सीखे गए इंजीनियरिंग कौशल का देश के विकास में सदुपयोग किया जा सके।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति की बैठक संपन्न

जौनपुर। आगामी दिनों में शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की एक आवश्यक बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नखास स्थित नव दुर्गा शिव मंदिर पर हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अनिल कुमार अस्थाना ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अध्यक्ष अनिल अस्थाना ने सभी पूजन समितियां से निवेदन किया है की आगामी 15 सितम्बर 2024 को आयोजित पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। आगे उन्होंने कहा कि श्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा नगर के रिवर व्यू होटल पर विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण व भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 15 सितंबर 2024 को किया गया है।

गोरखपुर आए उपराष्ट्रपति को सीएम ने गिफ्ट की थी टेराकोटा की गणेश प्रतिमा

जब ब्रांड एम्बेसडर मुख्यमंत्री हों तो क्यों न इतराए गोरखपुरी टेराकोटा

- नोएडा में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी लगेंगे गोरखपुरी टेराकोटा के चार स्टाल

केटी न्यूज/गोरखपुर

जिस उत्पाद के ब्रांड एम्बेसडर खुद मुख्यमंत्री हों, उसका इतराना तो स्वाभाविक होगा। गोरखपुर की माटी के अद्भुत शिल्प टेराकोटा के साथ यही स्थिति है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पहले इसे ओडीओपी में शामिल किया गया और फिर स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक हर मंच पर ऐसी ब्रांडिंग की कि टेराकोटा शिल्पकारों के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टेराकोटा के डिमांड की रीच अब ग्लोबल होने जा रही है। इसका जरिया बनेगा नोएडा में होने वाला यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में गोरखपुर के टेराकोटा के चार स्टाल लगाए जाएंगे। ब्रांडिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सीएम योगी ने अभी गत दिनों पहली बार गोरखपुर आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को टेराकोटा शिल्प से बनी गणेश जी की प्रतिमा भेंट की।

योगी सरकार टेराकोटाकी लोकल के साथ ही ग्लोबल मार्केट में ब्रांडिंग के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण में गोरखपुर की ओडीओपी में शामिल टेराकोटा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस ट्रेड शो में विश्व भर से खरीदार जुटेंगे। इस आयोजन में स्टाल लगने से टेराकोटा शिल्पकारों के हुनर को ग्लोबल मार्केट मिलेगा।

राष्ट्रीय पुरस्कार के सम्मानित टेराकोटा शिल्पकार राजन प्रजापति का कहना है कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के पहले भो टेराकोटा शिल्पकारों के पास क्षमता तो थी लेकिन शासन के प्रोत्साहन और उचित प्लेटफार्म की कमी से इसका दायरा संकुचित होता जा रहा था। 2017 तक दम तोड़ रहे इस माटी शिल्प के लिए तारणहार बनकर आए। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 2018 में टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद योजना में शामिल किया और फिर तबसे यह शिल्प नई ऊंचाई को छू रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन के चलते टेराकोटा का कारोबार साल दर साल विस्तृत होता जा रहा है। इस साल की बात करें तो दिवाली के मद्देनजर सात करोड़ रुपये से अधिक के बाहरी राज्यों के ऑर्डर की सप्लाई की जा चुकी है और शिल्पकार अब त्योहार की स्थानीय आपूर्ति के लिए माल तैयार करने में जुटे हैं। सरकार (खुद सीएम योगी द्वारा) की तरफ से लगातार की जा रही ब्रांडिंग का असर यह है कि आज पुराने शिल्पकारों के पास काम की कोई कमी नहीं है। यही नहीं, टेराकोटा की भविष्य से जुड़ी संभावना को देखकर बड़ी संख्या में नए शिल्पकार और कारोबारी भी इससे जुड़े हैं।

टेराकोटा की ब्रांडिंग का मौका नहीं चूकते योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का टेराकोटा की मिट्टी शिल्प से बेहद लगाव है। वह इसकी ब्रांडिंग का कोई भी मौका नहीं चूकते हैं। अभी हाल ही में उन्होंने सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने गोरखपुर आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को टेराकोटा से बनी गणेश जी की प्रतिमा भेंट की। इसके पहले 5 जून 2022 को गोरखपुर दौरे पर आए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी उन्होंने टेराकोटा की मूर्तियां भेंट की थीं। यही नहीं राष्ट्रपति के परिवार के लिए उन्होंने सर्किट हाउस में टेराकोटा के स्टाल भी लगवाए थे जहां राष्ट्रपति के परिवार और स्टाफ ने टेराकोटा उत्पादों की खूब खरीदारी की थी।

एक नजर

जिला अस्पताल में गंदगी देख भड़कीं सांसद दर्शना सिंह, सीएमएस व सीएमओ को लगाई फटकार

चंदौली। राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह सोमवार को पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल के दौरे पर रहीं। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में व्याप्त दुर्व्यवस्थाओं को देखकर नाराजगी व्यक्त की। जिला अस्पताल परिसर में गंदगी देखकर सीएमएस व सीएमओ को जमकर फटकार लगाई और दुर्व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द दूर करने का निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के एक-एक कोने का जायजा लिया। इस दौरान आकस्मिक चिकित्सा वार्ड, ओपीडी, दवा कक्ष, पैथालाजी, अल्ट्रासाउंड कक्ष के साथ ही भर्ती वार्ड, महिला भर्ती वार्ड का जायजा लिया। इस दौरान सीटी स्कैन कक्ष के पास गंदगी देख नाराजगी जताई। उन्होंने सीएमएस डा. सत्यप्रकाश को फटकार लगाई। कहा कि अस्पताल में लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेकर स्वस्थ होने आते हैं, लेकिन सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी यहां की सुविधाएं संतोषजनक नहीं है। कहा कि अस्पताल में जहां-जहां गंदगी है उसे तत्काल साफ किया जाए। इसके पूर्व आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में आधे घंटे तक मौजूद रखकर वहां चिकित्सा-उपचार की एक-एक बारीकियों की जानकारी ली और रजिस्टर को चेक किया। वहीं वार्डो में भर्ती महिलाओं का कुशल क्षेम जाना और उनके परेशानियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस दौरान सीएमओ डा. वाईके राय, डा. नैन्शी पारूल, डा.अजय वर्मा, सतीश सिंह, खलील अहमद के अलावा शिवराज सिंह, ओमप्रकाश सिंह, गोपाल सिंह, जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

बीआरसी पर शिक्षकों व शिक्षामित्रों ने ली एफएलएन की ट्रेनिंग

चंदौली। निपुण भारत मिशन अभियान के तहत सदर बीआरसी पर सोमवार को प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षामित्रों का चार दिवसीय फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमरेसी (एफएलएन) प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसका शुभारंभ जिले के एसआरजी सुभाष सिंह यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इसमें आरंभिक स्तर पर शब्द बनाना, उन्हें पहचानना आदि की जानकारी दी गई। वहीं सन्दर्भदाता एआरपी सत्येंद्र शर्मा और रिंकू यादव ने नई शिक्षा नीति के तहत एनसीईआरटी आधारित पाठ्यपुस्तकों के शिक्षण की तकनीक शिक्षकों को दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तकों के शिक्षण के लिए नई शिक्षा नीति के अनुपालन में शिक्षकों व शिक्षामित्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एफएलएन) बुनियादी भाषा एवं गणित की दक्षताएं, सीखने के सिद्धान्त, गणित किट के प्रयोग, डिकोडिंग, लेखन, पठन व आकलन आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों व प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रतिभागियों को बच्चों को नए-नए तरीकों से बुनियादी भाषा एवं गणित की दक्षताओं को विकसित करने के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही सीखने के आयामों के विभिन्न रूपों पर चर्चा की गई। सन्दर्भदाताओं ने प्रशिक्षणार्थियों से अलग-अलग वर्गों में बंटे शिक्षकों से जाकर उनके अनुभव व विषयों की जानकारी ली गयी। उन्होंने सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अपने विद्यालयों में व्यवहार में लाएं। इस मौके पर सन्दर्भदाता एआरपी सुनील कुमार शर्मा, संदीप दूबे, प्रद्युम्न कुमार, सत्येंद्र सिंह, जगत नारायण, रामसिंह, सुरेश कुमार, इरशाद, विजय बहादुर सिंह, गुरुचरण, सुरेश गुप्ता, रविंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

गाजीपुर जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण सत्र में नवनियुक्त लेखपालों को कराया उनके दायित्वों का बोध

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने जिला पंचायत सभागार में लेखपाल प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024-25 के नवनियुक्त लेखपालों के प्रशिक्षण सत्र का मॉ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व माल्यापर्ण कर शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण सत्र में लेखपालों को संबोधित करते हुए कहा कि लेखपाल राजस्व विभाग व प्रशासन की मजबूत कड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि जनता की सेवा में लेखपालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सभी लेखपालों से अपने सकारात्मक कार्यों से आमजनमानस को सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन - प्रशासन और समाज के हित में कार्य करने के साथ ही ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे शासन -प्रशासन की छवि धूमिल हो। जिलाधिकारी ने कहा कि यह बहुत सौभाग्य की बात है कि आप सभी को जनता के बीच रहकर उनकी सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। बिना किसी शर्त के सम्मानपूर्वक अपनी सेवाएं दें।

जिलाधिकारी ने नवनियुक्त लेखपाल एवं प्रोन्नत राजस्व निरीक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने नवनियुक्त लेखपाल एवं प्रोन्नत राजस्व निरीक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षण स्थल घोसी में किया। इस प्रशिक्षण के दौरान जनपद मऊ एवं बलिया से नव नियुक्त 169 लेखपालों का एक वर्षीय प्रशिक्षण के साथ ही नौ जिलों से प्रोन्नत प्राप्त राजस्व निरीक्षकों का भी तीन महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। आज प्रशिक्षण के प्रारंभ के दिन कल 169 लेखपालों ने रिपोर्टिंग की। साथ ही सात जिलों से आए 108 प्रोन्नत प्राप्त राजस्व निरीक्षकों ने भी प्रशिक्षण में प्रतिभा किया।दो अन्य जिले जौनपुर एवं अंबेडकर नगर से आज किसी भी प्रोन्नत प्राप्त राजस्व निरीक्षक ने प्रशिक्षण में रिपोर्टिंग नहीं की। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने को उपरांत जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि लेखपाल का पद बहुत ही जिम्मेदारी भरा पद है। उनकी रिपोर्ट के ही आधार पर उच्च न्यायालय एवं सुप्रीम कोर्ट तक सुनवाई की जाती है। अतः प्रशिक्षण की बारीकियां को समझते हुए सेवा के दौरान बिना किसी के प्रभाव में आए सही रिपोर्टिंग करें। प्रशिक्षण में आई महिला लेखपालों को उन्होंने उनकी जिम्मेदारियां को एहसास दिलाते हुए कहा कि आपको परिवार के साथ-साथ लेखपाल पद की भी जिम्मेदारी निभानी है, इसलिए आपको और ज्यादा मेहनत की आवश्यकता होगी।

हर्षोल्लास के साथ हुआ मां काली का वार्षिक श्रृंगार

चंदौली। मिनी महानगर मुगलसराय में सोमवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी धूम धाम के साथ जी टी रोड वी आई पी गेट के सामने स्थित प्राचीन मां काली माता के श्रावणी वार्षिक हरियाली श्रृंगार आयोजित किया गया। श्रृंगार के उपलक्ष में विशाल भंडारा , हरिकीर्तन व देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन माता रानी के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। मां काली का वार्षिक हरियाली श्रृंगार मनमोहक ढंग से विभिन्न प्रकार के फल फूल माला से सजाया गया था। जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। हजारों की संख्या में भक्तो ने मां का दर्शन प्राप्त कर अपना मनोकामना पूर्ण करने का आशीर्वाद मांगा।विद्वान आचार्यों पंडित विजय गुरु, पंडित अमित गुरु एवम सप्तमंडल पुरोहितों द्वारा सप्तघृत मात्रका एवम काली सहस्त्र नामावली के द्वारा हवन आहुति कर लोक कल्याण एवं नगर कल्याण हेतु विशेष पूजन एवम पाठ द्वारा मां काली का विशेष पूजन अर्चन किया गया।

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने परिजनों को बंधाया ढांढस, कहा- हर संभव मदद करायी जाएगी

पुलिस एनकाउंटर में मारे गए मंगेश के घर पहुंचे अजय राय

केटी न्यूज/जौनपुर

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर जौनपुर के बक्सा थाना क्षेत्र अगरौरा गांव में सोमवार को पहुंचे कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जनपद सुल्तानपुर एनकाउंटर मामले में मारे गए मंगेश यादव के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। मीडिया से बातचीत करते हुए अजय राय ने एनकाउंटर को फर्जी बताया और कहा कि इसकी सही जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग किया है कि एनकाउंटर पूरी तरह से गलत है। इसकी जांच जो परिवार के लोग चाहते हैं वैसे होनी चाहिए। योगी जी का साफ तौर पर कहना है की जो उनके साथ चलेगा वह जिंदा रहेगा। गोरखपुर में भी एक उपाध्याय परिवार के एक बेटे को मरवाया है। मंगेश अपने मां बाप का इकलौता बेटा था।योगी जी कह रहे हैं कि हमने डकैत को मारा है तो क्या डकैती करने वाला अपने घर पर सोएगा । यदि डकैत होता तो क्या घर मे छिपेगा। इसकी जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान जज से कराई जाए। जिससे मामला साफ हो और यही परिवार वालों की मांग भी है। यह पूरी तरह से हत्या की गई है। जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो रहा है उसकी हत्या कराई जा रही है इनको लगता है कि जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो उसकी हत्या कर दो। जितने भी अपराधी हैं वह सब इस समय भारतीय जनता पार्टी के विधायक मंत्री बने हुए हैं। सरकार की तरफ से दबाव बनाकर अधिकारियों से काम करवाया जा रहा है।

जिस एसटीएफ के अधिकारी ने एनकाउंटर किया उसकी पत्नी को महिला आयोग का सदस्य बनाया गया है। सरकार पूरी तरीके से अपनी मनमानी चल रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है हमारे पार्टी द्वारा जो भी संभव मदद होगी कराई जाएगी।

नवजात शिशु की देखभाल के लिए आशाओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

केटी न्यूज/सेवराई

रेवतीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रशिक्षण हाल में सोमवार को एचबीएनसी के तहत गृह आधारित नवजात शिशु की देखभाल के लिए आशाओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक और प्रभारी अधिकारी डा. अमर कुमार ने किया।

पांच दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में 194 आशाओं को पांच दिनों तक तीस- तीस के बैच में प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रशिक्षण में चिकित्सा अधीक्षक डा. अमर ने आशा कार्यकताओं को घर पर नवजात शिशुओं की देख-रेख के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन्म के 45 दिन तक आशा कार्यकर्ता को कम से कम छह बार घर जाकर नवजात शिशु और उसकी मां की देख-रेख करनी है। इस दौरान आशा कार्यकताओं को तकनीकी रूप से नवजात की देख-रेख संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया और इसका डेमो भी करके दिखाया गया। इस दौरान बोलते हुए ट्रेनर शशिकला ने पांच दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में आशा कार्यकताओं को उनकी जिम्मेदारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्हें गृह आधारित नवजात शिशु की देख-रेख की महत्ता से रू-ब-रू कराया। उन्होंने कहा कि बच्चे का शरीर ठंडा है। आवाज में दिक्कत, रोशनी करने पर बच्चे की गतिविधि, उम्र के हिसाब से बच्चे के वजन पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। कहा कि किसी प्रकार की दिक्कत होने पर नवजात को निकटतम सीएचसी अथवा पीएचसी में ले जाकर इलाज कराना सुनिश्चित कराएं।

सुभाषितम्

महान लोगों को हमेशा ही सामान्य मन से हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है। - अल्बर्ट आइंस्टीन

भारतीय अर्थव्यवस्था की हकीकत

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मासिक रिपोर्ट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को उजागर किया है। सरकार द्वारा चमचमाते विकास और सफलता की कथा कहानियों का सच ओर उसके पीछे छिपी वास्तविकता का काला सच सामने आ गया है। रिपोर्ट से पता चलता है, देश की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। समाज के सभी वर्गों को बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है। मध्यम वर्ग में बिकने वाली कारों की बिक्री में भारी गिरावट आई है।
रिपोर्ट में कारों की बिक्री में तेज गिरावट को लेकर चिंता प्रकट की गई है। पिछले कई महीनों में कारों की वेटिंग लिस्ट खत्म हो चुकी है। अब कारें सीधे बाजार में उपलब्ध हैं। 8 लाख से ज्यादा कारें डीलरों के पास स्टॉक में है। भारी डिस्काउंट के बाद भी कारों के खरीददार नहीं हैं। कंपनियों ने डीलरों के लिए 60 दिन की लिमिट को बढ़ाकर 90 दिन कर दिया है। जिसका सीधा अर्थ है कि मांग में भारी कमी है। अगस्त के महीने में कारों की बिक्री में 8 फीसदी की गिरावट आ गई है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है। जब त्योहारों का सीजन था। आने वाले महीनो में स्थिति ओर भी खराब होगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, यह स्थिति उपभोक्ताओं की घटती क्रय शक्ति का नतीजा है। लोगों के पास नई कार खरीदने के लिए मार्जिन मनी के रूप में भी पैसे नही हैं। उन्हें अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। उच्च ब्याज दरें और बढ़ती महंगाई घटती आय इसके प्रमुख कारण हैं। जिसके चलते लोग अब कर्ज लेने से बच रहे हैं। ऑटोमोबाइल कंपनियों ने कार का उत्पादन बंद कर दिया है। जिसके कारण छटनी का खतरा भी पैदा हो गया है। लोगों की आर्थिक हालत इतनी खराब हो गई है। उन्हें सोना गिरवी रखकर लोन लेना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में सोना गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 39 फीसदी की व्रद्धि हुई है। यह आर्थिक संकट की वास्तविक स्थिति को बताता है। सोना भारतीय समाज में एक सामाजिक सुरक्षा के रूप में महिलाओं के पास रखा जाता है। अब लोगों को सोना गिरवी रखकर चिकित्सा खर्च, बच्चों की शिक्षा और घर-गृहस्थी के अन्य खर्चों के लिए सोना गिरवी रखकर अथवा बेचकर काम चलाना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, सोना गिरवी रखकर कर्ज की कुल राशि 1,30,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। जो एक गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है। क्रेडिट कार्ड से लोन लेने वालों की संख्या भी तेजी के साथ बढ़ रही है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में चिंताजनक तथ्य यह है, क्रेडिट कार्ड के लोन पर 122% की वृद्धि हुई है। लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर क्रेडिट कार्ड एवं अन्य माध्यमों से कर्ज का सहारा ले रहे हैं। बच्चों की फीस, दवाइयों के खर्च, और घर के अन्य जरूरी सामानों के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, जीएसटी की उच्च दरें आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। इससे महंगाई बढ़ रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। सीमेंट, स्टील, और ऑटोमोबाइल पर 28 फीसदी जीएसटी वसूल किया जा रहा है। खाने पीने की चीजों और अन्य सेवाओं पर 18 फीसदी से जीएसटी वसूल किया जा रहा है। इससे मध्यम वर्ग ओर निम्न आय वर्ग के लोग आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। आरबीआई की इस रिपोर्ट ने भारत की अर्थव्यवस्था, सरकारी दावों एवं नारों की चमक-धमक की कलई खोल दी है। वास्तव में, देश का आम आदमी आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज के भँवर जाल में फंसता जा रहा है। सरकार की नीतियां गरीब और मध्यम वर्ग पर कहर ढा रही हैं। कर्ज के जाल में फंसकर आम आदमी के पास अब खर्च करने के लिए पैसे नहीं है। वहीं सरकार मानती है, 84 करोड लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। यदि उनके पास पैसा नहीं होता, तो वह इंटरनेट का उपयोग कैसे करते। सरकार और भाजपा के लोग यह मानकर चलते हैं। जनता के पास बहुत पैसा है। यदि उसके पास पैसा नहीं होता तो वह सड़कों पर उतरकर विरोध करती है। रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट ने वास्तविक आर्थिक स्थिति का खुलासा कर दिया है।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं।

जीवन से पलायन का डरावना सत्य है आत्महत्या

-ललित गर्ग

आत्महत्या दुनियाभर में एक गंभीर मुद्दा एवं बड़ी समस्या है। मौजूदा समय में दुनिया भर में इसके मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस गंभीर विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं आत्महत्या का पलायनवादी विचार छोड़ने के उद्देश्य से हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (डब्ल्यूएसपीडी) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2024 के लिए इस दिवस की थीम ह्यचेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड यानी आत्महत्या पर कथ्य बदलना रखी गयी है। इस दिन को मनाने का खास मकसद इस बात को लोगों तक पहुंचाना है कि आत्महत्याओं को रोका जा सकता है। साथ ही उन्हें यह भी बताना है कि आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।
विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, इससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं और इसका असर बहुत ज्यादा लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह 15 और 29 वर्ष की आयु के लोगों की मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मृत्यु के शीर्ष 10 प्रमुख कारणों में से एक आत्महत्या है, जहां हर 11 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। भारत में प्रतिवर्ष 135,000 लोग आत्महत्या करते हैं, जो दुनिया की कुल आत्महत्याओं का 17 प्रतिशत हैं। आत्महत्या करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे बुढ़ापा, दीर्घकालिक बीमारियाँ, वित्तीय समस्याएँ, आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास, आय में कमी, वैवाहिक अलगाव, नकारात्मक जीवन के अनुभव, विकलांगता की ओर ले जाने वाली शारीरिक बीमारी आदि। इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आत्महत्या के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हुई हैं, जैसे शराब की लत, अवसाद, तनाव, विकार आदि। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते भी आत्महत्या करते हैं। मौजूदा समय में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। आत्महत्यामुक्त समाज-संरचना के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आत्महत्या एक वैश्विक चुनौती है, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, संगठनों, समुदायों और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाने की प्रेरणा दी जाती है।
भारतीय संदर्भ में आत्महत्या एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहिणियों का अनुपात 51.5 प्रतिशत था। इस संदर्भ में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक सूची में शीर्ष पर हैं। आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत गृहिणियों से संबंधित हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। पिछले दो दशकों में, आत्महत्या की दर 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति 100,000 हो गई है। 2021 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उत्तराखंड में एक वर्ष में 717 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 463 महिलाएं हैं और इसका सबसे बड़ा कारण पारिवारिक समस्या है। ऐसे में मनोविज्ञानियों की सलाह है कि परिवार में सामंजस्य बनाकर ही खुशहाल जिंदगी जीना संभव है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है जिससे की सकारात्मक सोच के साथ संघर्ष करने की सामर्थ्य पैदा हो सके। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा। बच्चों को शुरूआत से ही उसकी पसंद के करियर के साथ जीवन के झंझावतों को झेलने के लिए भी प्रेरित करते रहना होगा। आजकल कई लोग मानसिक समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इन दिनों लोग अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से कई सारी समस्याओं का शिकार होते जा रहे हैं। दुनियाभर में तनाव और डिप्रेशन से कई सारे जूझ रहे हैं। यह एक तरह का गंभीर मानसिक विकार है, जिसके सही इलाज न मिलने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। डिप्रेशन के शिकार कई लोग खुदकुशी तक कर लेते हैं।
इधर तीन-चार दशकों में चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से जहां बीमारियों से होने वाली मृत्यु संख्या में कमी आयी है, वहीं इस वैज्ञानिक प्रगति, भौतिकवादी जीवनशैली एवं तथाकथित विकास के बीच आत्महत्याओं की संख्या पहले से अधिक हो गई है। चिंता की बात यह भी है कि आज के सुविधाभोगी एवं प्रतिस्पर्धी जीवन ने तनाव, अवसाद, असंतुलन को बढ़ावा दिया है, अब सन्तोष धन का स्थान अंग्रेजी के मोर धन ने ले लिया है। जब सुविधावादी मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उन्हें पूरा करने के लिये साधन, सामर्थ्य एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं, या काम का दबाब अति हो जाता है, तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार आखिर किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। मगर किसी भी स्थिति में जीवन खो देने के बजाय हालात से लड़ना और उसका हल निकालना ही बेहतर रास्ता होता है, यह सीख कौन देगा? पर मुख्य सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं एवं समृद्धताओं के शिखर पर स्थापित एवं अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर क्यों हो जाता है कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां इन कलाकारों के सामने रही कि उन्होंने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार यानी आत्महत्या का रास्ता चुना?
जो परिवार तलाक, अलगाव, आर्थिक कलह एवं अभावों, रिश्तों के कलह के कारण टूटी हुयी स्थिति में होते हैं उनमें भी आत्महत्या की घटनाएं अधिक पायी जाती हैं। राजनैतिक उथल-पुथल और व्यापार में नुकसान, आर्थिक तंगी भी आत्महत्या का कारण बनती है। किसानों की फसल की तबाही और कर्ज की अदायगी की चिंता से हो रही आत्महत्या भी गंभीर समस्या बन गई है। कर्ज लेकर घी पीने की जीवनशैली ने भी सबकुछ दांव पर लगा दिया है। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण में वृद्धि भी इसके कारण है। भौतिक मूल्यों के बढ़ते हुए प्रभाव ने सामाजिक सामंजस्य की नई समस्याओं को जन्म दिया है। लेकिन आत्महत्या किसी भी सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के भाल पर एक बदनुमा दाग है, कलंक हैं।

अभी भी वक्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये

- नरेंद्र भारती

अभी भी वक्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये। बेहरम बरसात ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक बहुत तांडव किया और हजारों लोगों को लील लिया बाढ़,भूसखलन के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं केरल के वायनाड मे भूस्खलन होने से 43 लोगों की मौत हो गई थी इस भूसखलन मे लगभग 400 लोग लापता हो गए थे यह बहुत ही त्रासदी थी। चार गाँव बह गए और पुल, सड़क, मकान बह गए हैं। एन डी आर एफ की टीमें जान जोखिम मे डाल कर लोगों का जीवन बचाती है।भारी बरसात के कारण यह हादसे होते है। सर्च ऑपरेशन व बचाव कार्य में भी काफी जोखिम होता हैं। हिमाचल में भी बहुत तबाही हुई गाँव के गाँव दब गए लाशें नहीं मिली बादल फटने से 46 लोग मारे गए चलती गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। प्रतिवर्ष बरसात मे ऐसे हादसे होते हैं और लोगों को जान गंवानी पड़ती है।प्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक़्त है'प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है हिमाचल के किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो रही है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं। बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों को सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया। कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए। सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया। अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं। बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी है' मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए। पिछले साल20अगस्त को भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमीदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी। जुलाई मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं। अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी। प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। मानव को पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे रुक सके वक़्त अभी सभलने का है। अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी। मानव को चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी। उतराखंड में प्रकृति का तांडव ,एक त्रासद कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। कुछ साल पहले उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है।प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे ।कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे ।कैसा विडंबना है कि एक तरफ जहां पूरा देश मे प्रकृति रौद्र रुप दिखकर तांडव मचा रही है ।रविवार को उतराखंड में प्रकृति ने प्रलय की इबारत लिख दी ।रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया था । 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था ।204 लोग लापता हो गए थे और 34 शव बरामद कर लिए थे यह बहुत ही त्रासदी है ।पल भर में लोग बह गए थे और लापता हो गए थे ।चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अबजियोंग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी ।प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद के समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है ।सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है ।प्रकृति से खेलना बंद करना होगा ।यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। बीते साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी ।80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे । पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे ।इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं ।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है ।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें ।बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी।

क्या बंगाल भी केंद्र शासित राज्य है?

- राकेश अचल

मणिपुर की आग को काबू न कर अपने वाले लोग कोलकाता में एक नृशंस वारदात के बाद पिछले एक महीने से बंगाल को सुलगाये हुए हैं,और अब तो बंगाल के राजयपाल ने बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी को मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाये जाने का निर्देश देकर ये भी बताने का दुस्साहस कर डाला है कि बंगाल भी अघोषित रूप से केंद्र शासित राज्य है। बंगाल के गवर्नर अपने आपको लेफ्टिनेंट गवर्नर समझ बैठे हैं। मुझे लगता है कि ममता बनर्जी को अब भाजपा और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की मानसिक शांति के लिए अपने पद से इस्तीफा देकर विधानसभा के नए चुनाव करा देना चाहिए। लत्ते का सांप बनाने में दक्ष भाजपा को कोलकाता की महिला चिकित्स्क के साथ बलात्कार और हत्या की वारदात के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ने का एक और बदसूरत बहाना मिल गया है। भाजपा संदेशखाली की कथित वारदातों के बाद भी ममता बनर्जी से सिंघासन खाली नहीं करा पायी। अब बलात्कार की इस नृशंस वारदात के बहाने एक बड़ा आंदोलन भी ममता को हटाने के लिए सही औजार साबित नहीं हो रहा है ,हालाँकि बंगाल के गवर्नर डॉ सीबी आनद बोस एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं ममता सरकार को अपदस्थ कराने की। उन्होंने मुख्यमंत्री से मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाने के निर्देश दिए हैं। बोस साहब भूल जाते हैं कि वे अव्वल तो एक गवर्नर हैं ,लेफ्टिनेंट गवर्नर नहीं। दुसरे वे सिर्फ गवर्नर हैं बंगाल के मुख्यमंत्री नहीं। मंत्रिमंडल की अभियाचित बैठक बुलाने और न बुलाने का नैतिक अधिकार उन्हें है नहीं ,लेकिन वे ऐसा कर रहे हैं,, क्योंकि उनकी इस कार्रवाई से उनके आका खुश हो सकते हैं। सीबी आनंद बोस अपने और अपने आकाओं की खुशी के लिए पिछले दिनों में बहुत कुछ उछल-कूंद कर चुके हैं ,लेकिन वे भूल रहे हैं कि इस मामले में वे पूर्व गवर्नर जगदीप घनकड़ को छू भी नहीं सकते। बोस साहब सिर्फ राज्य सरकार को बर्खास्त करने के लिए केंद्र को अपनी रिपोर्ट भेज सकते हैं ,जो वे भेज चुके हैं ,लेकिन दिल्ली सरकार किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का या तो साहस नहीं जुटा पा रही है या फिर उसे मालूम है की ऐसा करने से सरकार को जगहंसाई हो सकती है। बलात्कार और हत्या जैसी जघन्य वारदातों के बाद यदि किसी चुनी हुई सरकार को अपदस्थ करने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाने की जरूरत मानी जाये तो सबसे पहले मणिपुर को प्राथमिकता देना होगी । बाद में देश का शायद ही कोई ऐसा सूबा हो जो नारी शक्ति वंदन में अव्वल हो और वहां बलात्कार तथा हत्या जैसी जघन्य वारदातें आये दिन न हो रहीं हों। देश के दिल मध्यप्रदेश में महाकाल की नगरी उज्जैन में तो फुटपाथ पर बलात्कार के चलचित्र वायरल हो चुके हैं ,लेकिन क्या हुआ । वहां पत्ता भी नहीं खड़का,क्योंकि मप्र की मुख्यमंत्री ममता दीदी नहीं हल्की मोहन भैया हैं। डबल इंजिन की सरकार है उनकी। मेरठ में एक नाबालिग लड़की कि साथ सामूहिक बलात्कार हुआ ,लेकिन उप्र में योगी जी की सरकार है। बलात्कार और हत्या की जघन्य वारदातें तो केवल बंगाल में अक्षम्य हैं। एक कटु सत्य ये है कि भाजपा का महाबली नेतृत्व पिछले दस साल में अपनी सारी ताकत लगाकर भी बंगाल को नहीं जीत पाया है। जीतना तो दूर ममता बनर्जी को न भयभीत कर पाया है और न झुका पाया है। उसका हार दांव उलटा ही पड़ा है । ममता बनर्जी को न ईडी ,सीबीआई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तरह जेल भेज पायी और न नीतीश बाबू की तरह अपना समर्थक बना पायी। ममता को अपदस्थ करने के अश्वमेघ यज्ञ में जगदीप धनकड़ की आहूति भी बेकार गयी।

आज का राशिफल

मेष आज बेहद सावधानी से करने की सलाह है। आपको मेहनत करने से सफलता मिलेगी।

तुला आपके पराक्रम में वृद्धि के योग बने हैं। न्यायायिक मामलों में लाभ होगा।

वृषभ कारोबार में पैसों से जुड़ी योजनाएं आपके लिए सफलता दिलाने वाली साबित होंगी।

वृश्चिक आज करियर में सफलता का दिन है। आपके कारोबार में शानदार तरक्की होगी।

मिथुन आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी।

धनु आज लाभ होगा और संतान पक्ष के लोगों से आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कर्क आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। कारोबार में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मकर आपके लिए तरक्की के योग हैं और आपको कोई रुका कार्य पूर्ण होगा।

सिंह आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके साहस व धैर्य में वृद्धि होगी।

कुंभ व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्ज भी लेना पड़ सकता है।

कन्या किसी कारण से राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन रही है।

मीन आज लाभ होगा और दिन आपके लिए विजय देने वाला है। अपने प्रतिद्वन्दियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे।

विशेष

जमानत नियम है और जेल अपवाद

पिछले कई महीनो से जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के समय बचाव पक्ष के वकील बार-बार अदालतों को याद दिलाते हैं। जमानत अधिकार है, जेल अपवाद है। बचाव पक्ष के वकीलों को शायद यह नहीं मालूम है, न्यायालय से बड़ी सरकार होती है। सरकार नहीं चाहती है, तो जमानत कैसे मिल सकती है। केजरीवाल का मामला भी एक अपवाद है। वह कोई मामूली अपराधी नहीं हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री को सीधी चुनौती दी थी। उसका खामयाजा तो उन्हें भुगतना ही पड़ेगा। इसमें न्यायपालिका क्या कर सकती है। वैसे भी रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने लिखा है समरथ को नहीं दोष गुसाईं। सामर्थ्य तो प्रधानमंत्री मोदी के पास है।

सेना के ड्रोन में नहीं होंगे चीन के उपकरण

भारतीय सेना के ड्रोन में जो उपकरण लगाए जाएंगे। वह चीन के नहीं होंगे। देश की निजी कंपनियों से ही उपकरण खरीदने की नीति सरकार तैयार कर रही है। देश की खुफिया एजेंसी ने चीन के उपकरणों को लेकर चिंता जताई है। उसके बाद रक्षा मंत्रालय द्वारा चीन के उपकरणों का इस्तेमाल सेना में नहीं करने का निर्णय लिया है। चीन के निर्मित ड्रोन बड़ी संख्या में उत्तरी सीमा पर तैनात किए जा रहे हैं। इन ड्रोन मे देश के बने उपकरण अथवा अन्य देशों से मंगाए गए उपकरणों का ही उपयोग किया जाएगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1872: क्रिकेट के जाने माने खिलाड़ी रणजीत सिंह का जन्म. 1887: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी गोविंद बल्लभ पंत का जन्म. 1935: केन्या के शवेतों ने सरकारी नीति की आलोचना की और उगांडा तथा टांगन्यिका के साथ नजदीकी संबंध को वकालत की. 1939: मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने स्वेज नहर पार करने की अनुमति देने संबंधी 8 देशों का प्रस्ताव ठुकरा दिया. 1964: अफ्रीकी एकता संगठन के विदेश मंत्रियों ने अदिस अबाबा बैठक में कांगो में विद्रोह समाप्त करने के बारे में एक प्रस्ताव को मंजूरी दी. 1967: जिब्राल्टर ने ब्रिटेन से संबंध बनाए रखने का समर्थन किया. 1976: भारतीय बोइंग अपहृत 'कर लाहौर ले जाया गया. 1988: बर्मा में सरकार ने बहुदलीय आधार पर चुनाव कराने की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

10 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.17 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	08.27 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.42 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.58 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	15.03 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	16.50 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.22 बजे से
राहु	मीन में	मेष	19.53 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	21.33 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	23.31 बजे से
		कर्क	01.45 बजे से
		सिंह	04.01 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 254 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 23.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 20.04 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 00.31 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.38 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 50'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872098
जूलियन दिन 2460563.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 06
विशेष मुक्ताभरण, संतान सप्तमी, गौरी आवाहन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लैपटॉप खरीदते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

लैपटॉप खरीदना एक बड़ा फैसला होता है। चाहे आप स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल या फिर गेमर, लैपटॉप की जरूरत सभी को होती है। इसलिए, लैपटॉप खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि लैपटॉप खरीदते समय कौन सी गलतियां आपको नहीं करनी चाहिए।

अपनी जरूरतों को न समझना

- सबसे पहले ये सोचें कि आप लैपटॉप का इस्तेमाल किस लिए करेंगे।
- अगर आप एडिटिंग के लिए लैपटॉप खरीद रहे हैं तो आपको मजबूत मशीन चाहिए होगी।
- जिन फीचर्स का आप इस्तेमाल नहीं करेंगे उनके लिए ज्यादा खर्च ना करें।
- प्रोसेसर लैपटॉप का दिमाग होता है। एक अच्छा प्रोसेसर आपके लैपटॉप को तेजी से चलाएगा।
- रैम लैपटॉप की मेमोरी होती है। ज्यादा रैम होने से आप एक साथ कई प्रोग्राम चला सकते हैं।
- आपको कितनी स्टोरेज की जरूरत है, यह आपके डेटा पर निर्भर करता है।
- अगर आप बहुत सारे फाइलें, वीडियो और गेम्स स्टोर करते हैं तो आपको ज्यादा स्टोरेज की जरूरत होगी।
- अगर आप लैपटॉप को घर से बाहर लेकर जाते हैं तो बैटरी लाइफ बहुत महत्वपूर्ण होती है।

कीमत पर दें खास ध्यान

आपको दुकान में जाकर यह नहीं देखना चाहिए की कौन सा लैपटॉप आपको खरीदना है। आपको पहले से प्लान बनाकर करना चाहिए। दुकानदार आपको हमेशा महंगा लैपटॉप बेचना चाहेगा। आपको खुद रिसर्च करके और फिर फैसला लेना चाहिए। लैपटॉप खरीदना एक बड़ा फैसला है, इसलिए जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

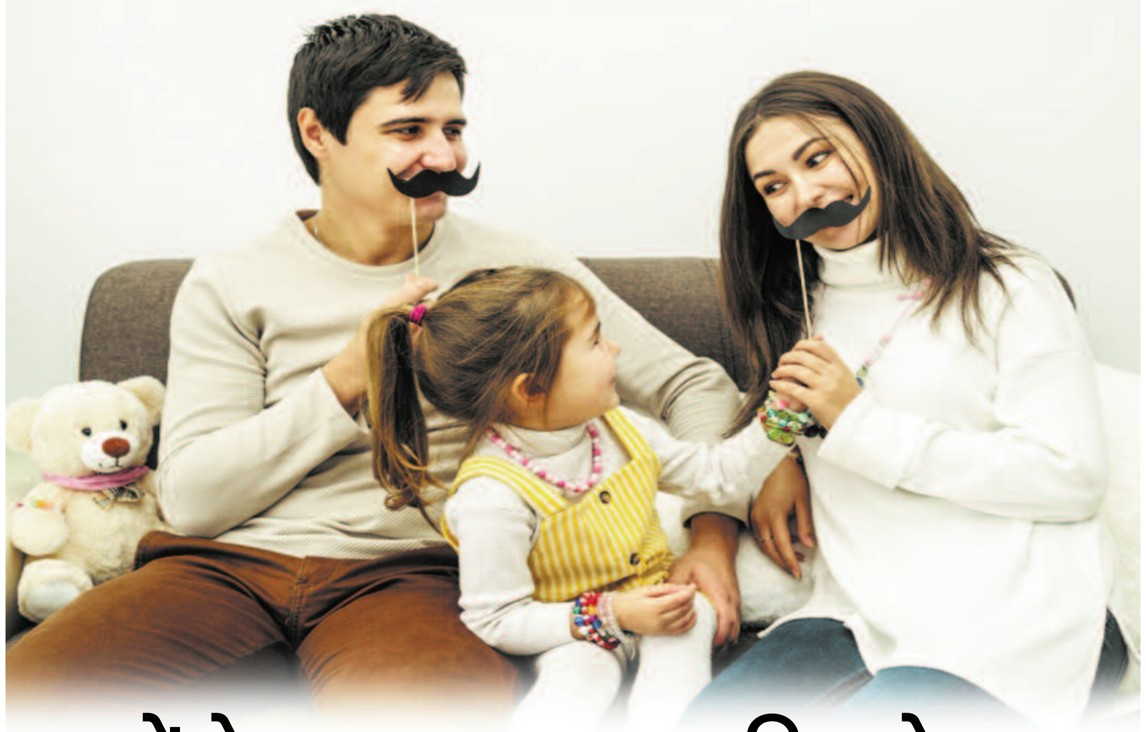

बच्चों के साथ रखना चाहिए दोस्ताना व्यवहार, ज्यादातर पैरेंट्स करते हैं ये चूक

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करना और दोस्ताना माहौल बनाए रखना पैरेंटिंग का एक अहम हिस्सा है। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखना एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप उनके साथ एक मजबूत बंधन बना सकते हैं। यह न केवल बच्चों को सुरक्षित और प्यार महसूस कराता है, बल्कि उनके विकास के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

क्यों है बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार जरूरी?

बच्चे जब अपने माता-पिता को दोस्त समझते हैं, तो वे अपनी बातें खुलकर कह पाते हैं। इससे बच्चों को लगता है कि उनके माता-पिता उनकी बात सुनेंगे और उनकी भावनाओं को समझेंगे। दोस्ताना व्यवहार से माता-पिता और बच्चों के बीच एक मजबूत संबंध बनता है। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास बेहतर होता है। बच्चे आत्मविश्वास से भरे होते हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं।
माता-पिता अक्सर ये गलतियां करते हैं बच्चों को आदेश देने की बजाय उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। क्योंकि, बच्चों की अपनी राय होती है, उन्हें सुनें और उनकी राय का सम्मान करना चाहिए। बच्चों की तुलना दूसरों से न करें। बच्चों पर चिल्लाना या मारना उनके आत्मविश्वास को कम करता है।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कैसे रखें?

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। बच्चों से सवाल पूछें, ताकि वे अपनी बातें खुलकर कह सकें। बच्चों की हर छोटी बड़ी उपलब्धियों की सराहना करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। दोस्ती का मतलब यह नहीं है कि बच्चों को सब कुछ करने दें। उन्हें सीमाएं निर्धारित करें और उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। बच्चों को वह व्यवहार सिखाएं जो आप उनसे देखना चाहते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने के लिए आपको खुद में कुछ बदलाव लाने पड़ सकते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाए रखने के लिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है।

दोस्ताना व्यवहार रखें

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से वे आपसे अपने मन की बातें खुलकर साझा कर सकते हैं। इससे बच्चे आपके करीब महसूस करते हैं और किसी भी समस्या या चिंता को बिना झिझक आपके सामने रख सकते हैं। अक्सर माता-पिता बच्चों की बातों को नजरअंदाज कर देते हैं या जल्दी-जल्दी जवाब देते हैं। यह एक बड़ी चूक है। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनना और उनकी भावनाओं को समझना जरूरी है। अनुशासन सिखाएं, लेकिन प्यार से अनुशासन जरूरी है, लेकिन इसे सख्ती से नहीं बल्कि प्यार और समझदारी से सिखाएं। बच्चों को उनकी गलतियों का एहसास कराते समय उन्हें यह भी समझाएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और यही कारण है कि आप उनकी भलाई के लिए ऐसा कर रहे हैं। बच्चों की तुलना दूसरों से करने से वे असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। हर बच्चा अनोखा होता है और उनके गुणों को पहचानना और सराहना करना जरूरी है। बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार को देखकर सीखते हैं। इसलिए, उन्हें अच्छे मूल्य सिखाने के लिए आपको खुद अच्छे आचरण का पालन करना चाहिए।

प्रोत्साहन और प्रशंसा करें

बच्चों को उनके अच्छे व्यवहार, मेहनत और उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना और प्रशंसा करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। बच्चों को समय देना बेहद जरूरी है। उन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करें और उनके साथ खेलें, पढ़ें, और बातचीत करें। इससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

बच्चों से डील करते हुए वही करें जो सही हो

कई बार बच्चे पेरेंट्स पर प्रेशर डालकर उनसे कोई बात मनवाना चाहते हैं। मसलन वे अपनी पसंद का सामान खरीदना चाहते हैं, किसी एक्टिविटी में जाना चाहते हैं, टीवी देखना चाहते हैं या अपनी पसंद का कोई और काम करना चाहते हैं। इसमें ये देखना जरूरी है कि बच्चे की बात किस हद तक मानी जा सकती है। अगर बच्चे की बात कुछ हद तक मानी जा सकती है तो उसे इस बारे में स्पष्ट बताएं और अपनी स्थिति भी उसके सामने साफ कर दें। अगर बच्चे की परीक्षाएं हैं और वह अनुशासित नहीं है तो उसके नखरे उठाने के बजाय थोड़ा सख्ती से पेशा आना बच्चे के हित में है। अगर बच्चा बड़े खर्च करने के लिए प्रेशराइज करे तो सिर्फ उसकी बात रखने के लिए उसकी इच्छाएं पूरी करना सही नहीं है।

इस तरह प्यार से समझाएंगी तो आपका चंचल और शरारती बच्चा भी रहेगा खुश

बच्चे जब खेलते-कूदते हैं और तरह-तरह की शरारतें करते हैं तो घर-परिवार में हर किसी का अच्छा खासा मनोरंजन होता है। लेकिन कभी-कभार बच्चों की शरारतें बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं, जिन्हें संभालना पेरेंट्स के लिए मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चे खुद को नोटिस कराने के लिए चिल्लाते हैं तो कभी बहुत जिद करते हैं वहीं कभी-कभी बच्चे बहुत ज्यादा रोते भी हैं। अगर ऐसी चीजें बच्चे की आदत में शुमार हो जाए तो पेरेंट्स गुस्से में बच्चों को पीट देते हैं या बुरा-भला कह देते हैं, लेकिन इसका असर बच्चों पर अच्छा नहीं होता। ऐसे में बच्चों से समझदारी से डील करना बहुत अहम हो जाता है। आइए जानते हैं कि बच्चे इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं और ऐसे व्यवहार से पेरेंट्स को कैसे डील करना चाहिए।

इन चीजों का बच्चों पर पड़ता है असर

बच्चों के जीवन में आने वाले परवर्तन का उन पर गहरा असर होता है। घर में छोटे भाई-बहन का आना, घर शिफ्ट करना, प्ले ग्रुप में जाना, किसी नए बच्चे के संपर्क में आना, परिवार के सदस्यों के साथ व्यवहार, ये सभी चीजें बच्चों के व्यवहार पर असर डालती हैं।
कई बार पेरेंट्स अपने चैलेंजेस में इतनी बुरी तरह उलझ जाते हैं कि उसका असर बच्चे भी महसूस करते हैं। बच्चों पर पेरेंट्स का नाहक नाराज होना उन्हें गुस्सैल और चिड़चिड़ा बना देता है।
कई बार पेरेंट्स के बच्चों के साथ बहुत ज्यादा सख्ती से पेश आने की वजह से भी बच्चे पेरेंट्स के प्रति नाराजगी रखते हैं और रिएक्ट करते हैं, ऐसे में पेरेंट्स को अपने व्यवहार के प्रति बहुत सजग रहने की जरूरत होती है।
बच्चे पेरेंट्स से अटेंशन चाहते हैं और इसमें कुछ भी बुरा नहीं है। अगर बच्चे थोड़ी-बहुत शरारत कर रहे हैं और शालीनता से पेश आ रहे हैं तो उन्हें प्यार से समझाया जा सकता है और अगर वे थोड़ी ज्यादा शरारत करें तो उनकी हर बात को मानना बहुत जरूरी नहीं है।

बच्चे के सामने हार ना माने

कई बार बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए बहुत आक्रामकता से पेश आते हैं। जोर-जोर से चिल्लाना, सिर पटकना, कूद-फांद मचाना, घर-भर में दौड़ लगाना जैसी एक्टिविटीज करके बच्चे चाहते हैं कि उनकी बात फौरन मान ली जाए। ऐसी स्थिति में आप बच्चे को इंस्पायर करें कि वह अपनी बात आपसे प्यार से कहे। आप उसकी बात संजीदगी से सुनें और प्यार से उससे बात करें, लेकिन अगर उसकी बात वाजिब नहीं है तो आप अपनी बात पर कायम रहें। बच्चा एक-दो बार जिद करता है, लेकिन जब उसे पेरेंट्स के व्यवहार में कंसिस्टेंसी दिखती है तो वह मान जाता है।

पेरेंट्स के गुस्सा करने पर बच्चे भी होते हैं चिड़चिड़े

अगर बच्चे किसी बात से नाराज होकर चिल्लाते हैं और जिद करते हैं और आप भी उसी तरह से व्यवहार करते हैं तो उनका व्यवहार हमेशा के लिए ऐसी ही बन सकता है। अगर आप शांत भाव से बच्चे से बात करती हैं तो आप बच्चे को ज्यादा बेहतर तरीके से कन्विंस कर सकती हैं। साथ ही आपके धैर्य से बात करने से धीरे-धीरे बच्चे का गुस्सा भी शांत हो जाता है और वह रिलैक्स होकर आपसे बात करने लगता है।

बच्चों को समय देना है जरूरी

कई बार पेरेंट्स के बिजी होने पर बच्चे अकेला महसूस करते हैं और अपनी प्रॉब्लम्स शेयर नहीं कर पाते और इस सिचुएशन में भी वे ज्यादा गुस्सा करते हैं। अगर बच्चों को पर्याप्त समय दिया जाए, उसके साथ खेलकूद में वक्त बिताया जाए, उसके साथ उनकी प्रॉब्लम्स की चर्चा की जाए और मौज-मस्ती में वक्त बिताया जाए, तो पेरेंट्स के साथ उनकी बॉन्डिंग भी बेहतर होती है। इससे बच्चे मेंटली ज्यादा रिलैक्स रहते हैं और अपनी सिचुएशन को बेहतर तरीके से हैंडल करना सीख लेते हैं और पेरेंट्स के साथ भी अपनी प्रॉब्लम्स को आसानी से साझा करने में कामयाब होते हैं।

पौधों में बार-बार निकल आते हैं खरपतवार? छुटकारा पाने के लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स

अपनी क्यारी में साथ दो या तीन पौधे लगाएं, जिसे कम्पनियन गार्डन कहते हैं। इससे कीटों को रोकने, मिट्टी को खनिज और पोषक तत्व प्रदान करने, खरपतवारों को दबाने जैसे कई लाभ मिलते हैं।

खरपतवार हमारे बगीचे या पौधों के लिए एक बड़ी समस्या हो सकते हैं। ये न केवल पौधों के पोषक तत्वों को सोख लेते हैं बल्कि उनकी वृद्धि को भी बाधित करते हैं। अगर आप भी खरपतवार से परेशान हैं तो इन आसान टिप्स को फॉलो करके आप उनसे छुटकारा पा सकते हैं ।बरसात में पौधों के बीच कई खरपतवार निकल आते हैं। ये पौधे हमारे लिए तो हानिकारक नहीं होते हैं लेकिन अन्य पाथों को बढ़वार को जरूर घटा देते हैं। खाद का पोषण जो, पौधों को मिलना चाहिए वो खरपतवार अवशोषित कर लेते हैं, जिसके कारण पौधों की वृद्धि में कमी आ जाती है। इससे पौधों में कीट और अन्य बीमारियां भी आ सकती हैं। इसलिए समय रहते खरपतवारों को निकाल फेंकना ही पौधों के लिए सही होता है।

नियमित रूप से खरपतवार निकालें

अपने बागीचे के लिए हमेशा अच्छे बीजों का चयन करें क्योंकि इसमें कुछ अवांछित बीज भी मिले हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप स्वयं के बीज ही लगाएं। अगर टमाटर, बैंगन जैसी सब्जियों के बीज बोना है, तो उनसे ही बीज निकालकर मिट्टी में बो सकते हैं। इसके अलावा हमेशा गोबर की सड़ी हुई पुरानी खाद और कंपोस्ट का ही प्रयोग करें, क्योंकि इसमें खरपतवार के निकलने की गुंजाइश बहुत कम होती है।

मिट्टी को साफ रखें

अपनी क्यारी में साथ दो या तीन पौधे लगाएं, जिसे कम्पनियन गार्डन कहते हैं। इससे कीटों को रोकने, मिट्टी को खनिज और पोषक तत्व प्रदान करने, खरपतवारों को दबाने जैसे कई लाभ मिलते हैं। लेकिन ध्यान रहे, कोई भी पौधा किसी भी पौधे के साथ नहीं लगा सकते हैं, जैसे- टमाटर के साथ अजवाइन, गाजर, गेंदा लगा सकते हैं, लेकिन मक्का या गोभी नहीं लगा सकते हैं।

मल्चिंग करें

खरपतवार को निकालने के बाद गमले या क्यारी में न छोड़ दें। उन्हें फौरन दूर फेंक दें। ताजी खरपतवार को जड़ सहित खींचकर निकाल दें। लेकिन कई बार उनको हाथों से उखाड़ने पर जड़ें मिट्टी में ही रह जाती हैं। खासतौर पर ऐसा तब होता है जब ने खरपतवार बड़ी हो गई हो और उसकी जड़ों ने मिट्टी पकड़ ली हो। ऐसे में उन्हें खींचकर निकालने के बजाय खुरपी या हंसिया आदि से ने निकालें। खरपतवार को कंट्रोल करने का सबसे अच्छा तरीका है मल्चिंग। सूखे पत्तों, कार्डबोर्ड या फिर पुराने अखबार को मिट्टी के ऊपर बिछा दें। यह मल्चिंग 1-2 इंच के करीब न होनी चाहिए।

सिंचाई का ध्यान रखें

पौधों की मिट्टी में कार्बनिक खाद का प्रयोग करें। इससे खरपतवार की वृद्धि बहुत कम होती जाएगी। न कार्बनिक खादों का प्रयोग भूमि में उगने वाली फसलों को पर्याप्त वायु संचार, भूमि संरचना व अनुकूल नमी बनाए रखने के लिए किया जाता है। साथ ही ऐसा करने से मिट्टी के अंदर होने वाली खरपतवार भी बहुत कम हो जाती हैं। इसलिए अपनी बगिया में हमेशा जैविक और कार्बन युक्त खादों का ही प्रयोग करें।

बेकिंग सोडे का भी प्रयोग कर सकते हैं

खरपतवार को खत्म करने के लिए बेकिंग सोडे का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए घास पर इसका अच्छी तरह से छिड़काव कर दें। लेकिन ध्यान रखें ज्यादा बेकिंग सोडा, मिट्टी को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए केवल खरपतवार पर इसे थोड़ी-थोड़ी मात्रा में डालें। गमलों और क्यारियों की निरंतर गुड़ाई करते रहें। गुड़ाई पौधों की वृद्धि के लिए अच्छी है। इसके साथ ही ने इससे खरपतवार भी दूर हो जाते हैं।

सीएम हेमंत ने गुवा गोलीकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, कहा- विपक्ष अब हमारे पूरे परिवार को जेल भेजने की तैयारी में

चाईबासा, एजेंसी। सीएम हेमंत सोरेन ने आज गुवा, नोवामुंडी, चाईबासा में गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर आयोजित सभा में शहीद स्थल में माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया। साथ ही जनसभा को संबोधित किया। हेमंत ने कहा कि विपक्ष अब उनके पूरे परिवार को जेल भेजने की तैयारी में लगा है। कहा, झारखंड विचित्र राज्य है। इस राज्य को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। कहा शायद इसीलिए चिड़िया माइंस का नामकरण भी किया गया। उन्होंने कहा, लेकिन ये अफसोस की बात है कि इस खनिज संपदा से भरे राज्य के लोगों की गिनती देश के सबसे गरीब लोगों में की जाती है। कहा, हमसे धनी कोई राज्य नहीं है। प्रकृति ने इस धरती के नीचे इतना खजाना भरके रखा है कि अगर सही नीति बनती तो यहां के लोग भूखा नहीं रहते। कहा, यहां के लोगों को आज भी भूखे सोना पड़ता है। कहा सही योजना और नीति बनती तो यहां के लोग सबसे धनी होते। लेकिन यहां के लोगों को मजदूर बना कर रखा गया। कहा कि झारखंड के मजदूर यहां के अलावे अन्य राज्य में भी जाकर मजदूरी करते हैं। कहा दूसरे राज्य के लोग ट्रेन में भरभर कर यहां के लोगों को मजदूरी कराने के लिए ले जाते हैं। गलत नीतियों ने इस राज्य की ये हालत बना दी है। कहा कि जब देश के नीति निर्धारकर ये कमस खाकर ही बैठे हों तो हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, और जब देश में डबल इंजन की सरकार हो तो स्थिति का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। कहा डबल इंजन की सरकार ने तो दोनों हाथों से इस राज्य को लूटा। सीएम ने आगे कहा, लेकिन यहां के लोगों की रगों में भी खून दौड़ता है। उन्होंने कभी अपने अधिकार और स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं किया। चाहे उनको फांसी पर चढ़ा दिया गया, गोली चलाई गई या उनको जेल में डाल दिया गया।हेमंत ने चंपाई सोरेन की ओर इशारा करते हुए कहा, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं अपने ही बीच में, जो इस लड़ाई को छोड़कर अलग राह चले गये। लेकिन हमलोगों ने खुद को समेटा और इस लड़ाई को जारी रखने का फैसला किया। हेमंत ने कहा कि किसी ने सोचा नहीं था कि अलग राज्य मिलेगा। लोग अलग राज्य के लिए हो रहे आंदोलन को देखकर हंसते थे। लेकिन हमारी लड़ाई को कामयाबी मिली और अलग राज्य मिल गया। तब इन लोगों ने कहा कि अलग राज्य मिलने से क्या होगा। सत्ता तो हमारे ही हाथ में ही रहेगी। और हुआ भी यही। सत्ता में वही लोग बैठ गये जो इस राज्य को चूस रहे थे। कहा दृश्य फिर से वही बन गया। फिर से हमारे सामने तकलीफों और दुखों का पहाड़ आ गया। लेकिन 2019 के चुनाव में आपकी सरकार बनी। असल झारखंडी सरकार बनी। लेकिन फिर इसके बाद कोरोना आ गया। सब कुछ बंद हो गया। केंद्र ने फरमान जारी कर दिया कि कोई घर से बाहर नहीं निकलेगा। ऐसी हालत में दूसरे राज्यों में झारखंड के मजदूर फंस गये। हमने उनको हवाईजहाज, ट्रेन और बसों से वापस लाया। कहा याद कीजिये उस दिन को। कहा कि हवाई मार्ग से विदेश से हमारे लोगों को लाने वाले हम पहला राज्य बने। कहा हमने इस काम के लिए केंद्र से मदद मांगी लेकिन हमें मदद नहीं मिली।

कहा कि लोगों का घरों का निकलना बंद हो गया था। लोगों के पास रोजगार नहीं। पैसे नहीं। ऐसे हालात में हमारी महिला दीदियों ने लोगों को खाना बनाकर उनको मुफ्त में इसे उपलब्ध कराया। हेमंत ने कहा, उसी समय हमने फैसला किया था कि इस राज्य की महिलाओं को हम मजबूत बनायेंगे। इसीलिए हमने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की। इसका लाभ अब 18 से लेकर 50 साल तक की महिलाओं को मिल रहा है। कहा कि केंद्र की नीतियों ने तो इस राज्य को लूटने और खखोरने का काम किया। लेकिन हम इस राज्य की आधी आबादी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

कहा केंद्र ने कोल रॉयल्टी का पैसा नहीं दिया। पहले तो इसे मानने से इनकार कर दिया कि कोई बकाया भी है। लेकिन जब हमने सबूत पेश किये और कोर्ट में जाने की बात कही, तो कुछ पैसा दिया गया। कहा कि कोल रॉयल्टी में झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ का बकाया है। ये पैसा मिल जाये तो राज्य की सवा तीन करोड़ जनता के दिन आर्थिक खुशहाली से भर जायेंगे। लेकिन केंद्र का इस ओर ध्यान नहीं है। कहा कि ये लोग सोचते हैं कि आदिवासी बोका है।

कहा हमारी सरकार बनते ही कोरोना आ गया। ये किसी तरह समाप्त हुआ तो हमारे पीछेईडी और जांच एजेंसियां लगा दी गयीं। दो साल लग गये इसी चूहा-बिल्ली के खेल में। लेकिन इनको हमारे खिलाफ सबूत नहीं मिला तो जबरन जेल में डाल दिया। कहा अब क्या करेंगे। मुझे फांसी पर लटकायेंगे। कहा आज भी मेरे पीछे 7 सीएम लगे हुए हैं।

युवा आजसू की झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा, सरकार से वादाखिलाफी का मांगेंगे हिसाब

रांची, एजेंसी। आजसू की युवा इकाई की ओर से आज झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा आयोजित की गई है। आजसू इस सभा को ऐतिहासिक बता रही है। धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में होने वाले इस सभा को आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो संबोधित करेंगे। इस सभा में राज्यभर से युवा और पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सभा को लेकर आजसू की ओर से बताया गया कि नव निर्माण संकल्प सभा में राज्यभर से हजारों बेरोजगार युवा अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की प्रतियां लेकर पहुंचेंगे और सरकार से उनके साथ की गई वादाखिलाफी का हिसाब मांगेंगे। आजसू का कहना है कि युवाओं के पास डिग्री तो है, लेकिन नौकरी नहीं।

सरकार ने अपने चुनावी वादे में समाज के हर वर्ग के लिए कई लोकलुभावन वादे किए थे। लेकिन सरकार एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई। जनता की भावनाओं को समझ नहीं सकी है। सरकार का जुड़ाव जनता से नहीं है।

पदयात्रा करते सभा स्थल पहुंचेंगे सुदेश महतो

धुर्वा के प्रभात तारा मैदान सभा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिन के 12 बजे के करीब सभा शुरू होगी। इससे पहले आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो बिरसा चौक, रांची से पद यात्रा करते हुए प्रभात तारा मैदान, धुर्वा पहुंचेंगे।

पदयात्रा में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बेरोजगार युवा शामिल होंगे। संकल्प सभा के पूर्व सुदेश कुमार महतो गुवा गोली कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

युवा आजसू ने चलाया था बायोडाटा संग्रह अभियान

पूर्व आयोजन को लेकर आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने बताया कि 24 अगस्त से 7 सितंबर तक राज्यभर के बेरोजगार शिक्षित युवाओं का डेटा एकत्रित करने के लिए बायोडाटा संग्रह अभियान चलाया गया था। इसे युवा आजसू ने चलाया था।

संक्षिप्त समाचार

खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने लाभार्थियों को सौंपी मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान की राशि

रांची, एजेंसी। खिजरी विधायक राजेश कच्छप की अनुशंसा पर 9 लोगों को मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष की राशि सौंपी गयी। योजना के तहत कुल 5,65,000 रुपये का लाभ दिलाया गया। रविवार को विधायक के आवास लुपुंगटोली में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के हाथों लाभुकों को चेक सौंपा गया। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनता के हर सुख दुःख में हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। जनता की हर समस्या के सामाधान का प्रयास किया जायेगा। मनोरमा पाण्डेय, टाटीसिलवे 50,000/, मोहरी देवी, चिलदाग 1,00,000 रुपये, संजय कुमार सिंह, बुकबुका 1,00,000 रुपये, विरेन्द्र कुमार धुर्वा 50,000 रुपये, निकोदिम भुटकुंवार डोकाद 50,000 रुपये, श्रवण कुमार नायक कुच्चू 40,000 रुपये, मिनी देवी करमा 75,000 रुपये, रुत खलखो, टुटीहारा 50,000 रुपये और गुलशन कुमार धुर्वा 50,000 रुपये दिये गये। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विजय टोप्पो, ओरमांझी प्रखंड महिला अध्यक्ष अनीता देवी, अनगड़ा प्रखंड महिला अध्यक्ष सरिता देवी, रेशमा देवी, शमीम अंसारी, दशरथ पहान, पंचु तिर्की, बबलू लकड़ा, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी ने राज्य सरकार के इस कदम का किया विरोध

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक ऑनलाइन की गयी। इसमें कहा गया कि राज्य कैबिनेट द्वारा पारित भारतीय प्रशासनिक सेवा विनियम 1997 के अंतर्गत गैर राज्य असैनिक सेवा के पदों को उप समाहर्ता के पद की समकक्षता दी गयी है। इससे राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी आहत हुए हैं। राज्य सरकार के इस निर्णय से संघ के पदाधिकारियों में काफी रोष है इसके साथ ही मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद भी झारखंड प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सेवा का दर्जा देते हुए, उसका पुनर्गठन कार्मिक विभाग द्वारा अब तक नहीं किया गया है। संघ सेवा का पुनर्गठन बिहार के मॉडल पर हू-ब-हू किए जाने का विरोध किया गया।

पदाधिकारियों का कहना है कि एक तरफ तो राज्य सरकार के द्वारा झारखंड प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सेवा का दर्जा देकर अपग्रेड करने की बात कही जा रही है, दूसरी तरफ सरकार द्वारा गैर राज्य असैनिक के पदों को उपसमाहर्ता पद के समकक्ष किया जा रहा है। इसका विरोध किया जाना चाहिये। सरकार के इस कदम से झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के पदाधिकारियों में आक्रोश है। संघ यथाशीघ्र मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को रखेगा। समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं होने की स्थिति में संघ आगे की आंदोलनात्मक कार्य योजना तैयार करने हेतु बाध्य होगा।

बीसीसीएल निभा रहा उल्लेखनीय भूमिका, धनबाद कोयलांचल की समस्याएं होंगी दूर -कोयला राज्यमंत्री

धनबाद, एजेंसी। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि कोल सेक्टर देश के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है, इसमें बीसीसीएल की भूमिका उल्लेखनीय है. कोल सेक्टर समेत अन्य सभी खनिज संपदा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे और मजबूत करना है. कोयला उत्पादन में वृद्धि और सुरक्षित उत्पादन केंद्र सरकार की प्राथमिकता है. राज्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार ने राज्य की जनता को ठगने का काम किया है. यहां की जनता इसे जान चुकी है. इस बार के विधानसभा चुनाव में जनता फिर से राज्य में कमल खिलायेगी और झारखंड में एक बार फिर से डबल इंजन की सरकार में विकास होगा. केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे रविवार की सुबह कोयला नगर स्थित शहीदी स्थल पर शहीद श्रमवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. साथ ही कोयला नगर स्थित इको पार्क में पौधरोपण करेंगे. इसके बाद आरबीवी हाई स्कूल, राजगंज में मिनी साइंस लैब का उद्घाटन व स्कूल के 9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों से बातचीत करेंगे. वहां से वह बीसीसीएल से सिजुआ एरिया के अंतर्गत भू-धंसान व अग्नि प्रभावित स्थल, सेंद्रा बांसजोरा में लोगों से बातचीत व संबोधित करेंगे

टाटानगर से बरहमपुर भाया चाईबासा रूट पर 130 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रायल पर दौड़ी वंदे भारत

चाईबासा, एजेंसी। टाटानगर से बरहमपुर रूट पर पहली बार कोई ट्रेन 130 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ी। रविवार की सुबह इस मार्ग पर वंदे भारत का ट्रायल किया गया।

बताया जाता है सेक्शन को लेकर इसकी औसत स्पीड 83 किमी प्रतिघंटा हो सकती है।टाटा-बरहमपुर वंदेभारत एक्सप्रेस की ट्रायल ट्रेन सुबह 5.20 बजे टाटानगर स्टेशन से रवाना की गयी।

चाईबासा दोपहर 2.30 बजे ट्रेन बरहमपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन अपराह्न 3 बजे बरहमपुर से चलेगी और रात के 11-55 बजे टाटानगर पहुंचेगी। ट्रेन सुबह चाईबासा में 6-10 बजे, डांगुवापोशी में 7-00 बजे और बांसपानी में 7-43 बजे पहुंचेगी। ठहराव 2 मिनट का होगा।

टाटा से रवाना होकर चाईबासा, डांगुवापोशी, केंदुझरगढ़ और भुवनेश्वर होते हुए ट्रेन खुर्दा रोड के रास्ते बरहमपुर पहुंचेगी। 15 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदे भारत ट्रेन को टाटानगर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उसी की तैयारी को लेकर विभिन्न रूटो पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों का ट्रायल रविवार को किया गया। वंदे भारत ट्रायल ट्रेन को देखते ही चाईबासा रेलवे स्टेशन पर लोगों की भीड़ पहुंचने लगी थी। कुछ देर रुकने के बाद यह आगे की ओर रवाना हो गई।

वंदे भारत ट्रेन भारत सरकार के महत्वपूर्ण योजना का हिस्सा है, जिसे पूरे देश को जोड़ने में कम समय और बेहतरीन सुविधा देने का प्रयास कर रही है।

चाईबासा होकर गुजरने वाली वंदे भारत ट्रेन से लोगों को काफी सुविधा हो जाएगी। काफी समय से इस रूट पर अच्छी ट्रेन चलाने की मांग लोग कर रहे थे। उसको देखते हुए भारत सरकार ने बेहतरीन तोहफा लोगों को दिया है।

कॉलेज को बदनाम करने के लिए हजारीबाग में पढ़ रहे छात्र के नाम पर डीसी को दे दिया फर्जी आवेदन

गिरिडीह, एजेंसी। बीएन साहा डीएवी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज सिरसिया के नाम पर कॉलेज संचालन नहीं होने संबंधी उपायुक्त को आवेदन सौंपकर कार्रवाई करने की मांग करने वाले मामले में नया मोड आ गया है। छानबीन में पता चला कि जिस छात्र प्रिंस कुमार के नाम पर आवेदन डीसी के पारगमन शाखा में रिसिव कराई और फिर मीडिया को दी गई वह फर्जी है। काउंसलिंग में शामिल छात्र प्रिंस कुमार ने शिकायत को फर्जी बताते हुए उपायुक्त से निष्पक्ष जांच करते हुए दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कहा कि समाहरणालय में लगे सीसीटीवी फुटेज से भी असलियत सामने आ सकती है कि इस साजिश में कौन शामिल है। छात्र प्रिंस ने कहा है कि उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए उनका फर्जी हस्ताक्षर बनाकर उपायुक्त और झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद झारखंड सरकार को भेजकर कॉलेज को बदनाम करने की साजिश की गई है। जबकि हकीकत ये है कि काउंसलिंग के बाद बीएनएस डीएवी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज से उनके पास कॉल भी आया था। लेकिन उसका सीएमएल रैंक 12393 आने के कारण उन्होंने इस साल खुद से नामांकन लेने से इंकार कर दिया है। फिलहाल वह हजारीबाग में रहकर पीजी की पढ़ाई कर रहा है और पिछले करीब एक पखवारा से गिरिडीह गया भी नहीं है। उन्होंने आवेदन में दर्ज रोल नंबर और

सीएमएल रैंक को सही बताते हुए कहा कि इसका गलत इस्तेमाल किया गया है। इधर, बीएनएस डीएवी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय गिरिडीह के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार शर्मा ने कहा है कि रोल नंबर 2441030543, सीएमएल रैंक 12393 के छात्र प्रिंस कुमार को कॉलेज की ओर से कॉल गया था। लेकिन उन्होंने स्वेच्छा से नामांकन लेने से इंकार कर दिया है। प्रिंस कुमार के नाम का इस्तेमाल कर किसी ने यह षडयंत्र किया है। साजिश के तहत उपायुक्त कार्यालय और रांची में आवेदन भेजकर कॉलेज को बदनाम करने का काम किया गया है। उन्होंने उपायुक्त से मांग की है कि ऐसे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए, समाहरणालय में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जाए, और आरोपी को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जाए।

उत्तम क्षमा धर्म की आराधना, की गई शांति धारा, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

रांची, एजेंसी। जैन धर्म के पर्वराज पर्युषण का पहला दिन उत्तम क्षमा से प्रारंभ हुआ। उत्तम क्षमा जिसका संक्षिप्त अर्थ क्रोध को पैदा न होने देना, क्रोध पैदा हो ही जाए तो अपने विवेक से नम्रता पूर्वक उसे विफल कर देना है। रांची के दोनों मंदिरों में रविवार को विशेष पूजा-अर्चना की गई। दोनों मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। अपर बाजार जैन मंदिर के बड़े हॉल में सामूहिक पूजन संगीतमय तरीके से वाद्य यंत्रों द्वारा सागर से पधारे विद्वान पंडित निखिल शास्त्री के सान्निध्य में किया गया। पूजा के बाद शास्त्र वाचन, मंडल पूजन आदि अनुष्ठान किए गए।

इस उपलक्ष्य में पवन कुमार, रोहित कुमार, बाकलीवाल परिवार और सुनील-अनिल चांदुवाड परिवार ने अपर बाजार मंदिर में प्रथम शांति धारा की गई। सामूहिक पूजन के दौरान चार परिवारों को शांति धारा का सौभाग्य मिला। संजय छाबड़ा परिवार, प्रोफेसर सुरेश कुमार पांडया परिवार, कमल पाटोदी परिवार, छितरमल गंगवाल परिवार को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। रांची 7 श्री जैन श्वेतांबर साधुमार्गी संघ और तेरापंथ धर्म संघ द्वारा आयोजित पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का रविवार को समापन हो गया। महोत्सव का समापन करते हुए श्री दिगंबर

जैन भवन में स्वाध्यायी गौतम रांका और सुरेश ने कहा कि भगवान महावीर ने दुनिया में यही संदेश दिया था कि क्षमा वीरस्य व भूषणम अर्थात क्षमा मनुष्य का एक सर्वश्रेष्ठ गुण है। क्षमा से हम दुश्मन को भी मित्र बना सकते हैं और दुश्मनी को सदा के लिए खत्म कर सकते हैं। यही एकमात्र ऐसा पर्व है जो हमें त्याग क्षमा और मैत्री का भाव सिखाकर आत्म कल्याण के लिए अग्रसर करता है। क्षमा वर्तमान में जीना सिखाती है और क्षमा पारिवारिक पृष्ठभूमि होती है। क्षमा ही शैतान को संत बनने में सक्षम होती है। क्षमा हर परिस्थिति में संभव रखने की प्रेरणा देती है।

रारा परिवार व सुचित्रा देवी पाटनी परिवार द्वारा वासुपूज्य जिनालय में शांतिधारा की गई। संगीतमय पूजन हेमंत सेठी, आकाश सेठी, राकेश काशलीवाल के निर्देशन में हुआ। मंडल पूजन में प्रमोद झांझरी, विनोद झांझरी, कमल पाटोदी अध्यक्ष नरेंद्र गंगवाल, मंत्री पंकज पांड्या सहित अन्य मौजूद थे। दोपहर में जैन युवा जागृति द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रात्रि में पं. निखिल शास्त्री ने उत्तम क्षमा धर्म पर प्रवचन दिया गया। यह जानकारी प्रदीप बाकलीवाल एवं मीडिया प्रभारी राकेश काशलीवाल ने दी।

2 साल पहले पति को छोड़कर भाग गयी थी पत्नी, वापस लौटने के बाद बेटे संग मिलकर की हत्या

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के अलगडीहा गांव में पत्नी ने बेटे के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी. घटना शुक्रवार देर रात की बतायी जा रही है. मृतक दीनानाथ मंडल के भाई ने बगोदर थाना में आवेदन देकर अपने भतीजा और भाभी पर हत्या करने का आरोप लगाया है. थाना में दिये आवेदन में मृतक के भाई जीवाधन मंडल ने कहा है कि मृतक दीनानाथ मंडल (55) की पत्नी देवंती देवी 12 साल पहले किसी दूसरे व्यक्ति के साथ भागकर शादी कर ली थी. वह उसके साथ ही रह रही थी.

डेढ़ माह पहले देवंती देवी घर लौटी और फिर से दीनानाथ मंडल के साथ रहने लगी थी. बीते दो दिनों से दोनों के बीच कुछ विवाद चल रहा था. विवाद बढ़ता गया और शुक्रवार को घर में आरोपी देवंती देवी ने अपने छोटे बेटे दीपक कुमार के साथ मिलकर दीनानाथ मंडल के साथ मारपीट की. इसी दौरान गला दबाकर दोनों ने दीनानाथ की हत्या कर दी और घर से फरार हो गये. मृतक के भाई ने बताया कि शनिवार की सुबह दीनानाथ मंडल की मां घर पहुंची तो देखा कि दीनानाथ मंडल का शव बेड पर पड़ा हुआ है. इसके बाद वह हो-हल्ला करने लगी.

घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बगोदर पुलिस को दी. पुलिस ने दीनानाथ का शव उसके घर से बरामद किया. घटना को लेकर आस-पड़ोस के लोगों से जानकारी ली.

हर मोर्चे पर विफल हेमंत सोरेन सरकार; अर्जुन मुंडा ने भरी हुंकार, जनता को छलने का आरोप लगाकर सीएम पर बोला हमला

खरसावां, एजेंसी। भाजपा के बूथ सशक्तीकरण अभियान के तहत खरसावां के हरिभंजा सामुदायिक भवन में भाजपा शक्ति केंद्र के सदस्यों की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए।

इस दौरान मुख्य रूप से बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती पर बल देते हुए सदस्यता अभियान तेज करने को कहा गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से विस चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की।उन्होंने राज्य सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए कहा कि जिस तरह से राज्य में विकास की गति बढ़नी चाहिए थी, वैसे पिछले कुछ वर्षों से नहीं दिख रही है।उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने हमेशा राज्य के विकास की बातों को, राज्य की प्राथमिकताओं को और राज्य की जनता की आवश्यकता को दरकिनार करने का कार्य किया है।खरसावां विस क्षेत्र में भी विकास की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। उन्होंने कहा

कि जनता इस सरकार को सबक सिखाएगी। अर्जुन मुंडा ने कहा कि झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है।इस राज्य के तमाम जनता चाहे वह युवा हों, चाहे महिला हों, चाहे आदिवासी हों, चाहे दलित हों, चाहे सामान्य लोग सबको सरकार ने छलने का काम किया है।अर्जुन मुंडा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य सरकार के विफलताओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए कहा। बैठक में मुख्य रूप से मीरा मुंडा, उदय सिंहदेव, जटाशंकर पांडेय, मंजु बोदरा, रामनाथ महतो, विजय महतो, सिद्धेश्वर जोंको समेत काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंत्री ने किया 36 करोड़ रुपये से बनने वाले अत्याधुनिक डिग्री कॉलेज भवन का भूमि पूजन

गढ़वा , एजेंसी। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के मेराल प्रखंड के लातदाग में साढ़े 36 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक डिग्री कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। रविवार को पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने विधिवत पूजा अर्चना कर कॉलेज भवन निर्माण का भूमि पूजन किया। मौके पर मंत्री ठाकुर ने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने जनता को सिर्फ वोट का मशीन समझा। गढ़वा की जनता ने किसी को 10 साल किसी को 17 साल मौका दिया। उन्होंने अपने वोट के ठेकेदारों को मजबूत किया और खुद भी मजबूत बनते रहे। परंतु किसी ने विकास की नहीं सोची। जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया। मेराल में इतना बड़ा डिग्री कॉलेज

बनाने की बात तो किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। मंत्री ने कहा कि यदि आपका प्यार और समर्थन इसी तरह से मिलता रहा तो मेराल प्रखंड जिला मुख्यालय से किसी भी मायने में कम नहीं रहेगा।

मंत्री ने कहा कि 36.5 करोड़ की लागत से मेराल में बहुमंजिला एवं सर्व सुविधा युक्त डिग्री कॉलेज बनेगा। यह डिग्री कॉलेज चार मंजिला होगा। जिसमें लगभग 1.5 लाख स्क्वायर फीट में प्रशासनिक भवन एवं कॉलेज होगा। कॉलेज में लाइब्रेरी, डिस्कशन हॉल, इंडोर स्पोर्ट्स एरीना, आठ लेबोरेटरी, कंप्यूटर लैब, लेक्चर और सेमिनार के लिए सात हॉल, ओपन एयर थियेटर, स्टडी लाउंज, कैंटीन, स्टूडेंट लाउंज, डिजिटल लाइब्रेरी, लिफ्ट आदि होंगे।

ब्वायज एवं गर्ल्स के लिए अलग-अलग 11 ट्वायलेट, प्रिंसिपल क्वॉटर के साथ साथ स्टाफ क्वॉटर का भी प्रावधान इसके कैंपस में ही किया गया है। पूरा कॉलेज सीसीटीवी के दायरे में होगा। हर फ्लोर लगभग 40 हजार स्क्वायर फीट का होगा। यह कॉलेज मेराल प्रखंड के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में मील का पत्थर साबित होगा। अब यहां के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसमें साइंस, आर्ट्स एवं कॉमर्स तीनों स्ट्रीम की पढ़ाई होगी।

मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सच्चिव मनोज ठाकुर, प्रमुख दीपमाला, अतहर अली, विकास कुशवाहा, नामधारी कालेज के प्राचार्य विनोद पाठक, अनिल कुमार सिंह, मुन्ना प्रसाद, मुखिया बेबी देवी, सुरेंद्र गोस्वामी, राजेंद्र प्रसाद, प्रेम चंद प्रसाद, मुन्ना राम, विजय सिंह, रविकांत दुबे, परशुराम कुशवाहा, विजय प्रसाद, ललनी यादव, प्रमोद गुप्ता, रीता देवी, मायावती देवी, गौरी देवी, अनिल टोप्पो, पंचम कुमार रजक, जगरनाथ यादव, अजय प्रसाद गुप्ता, दिलीप गुप्ता सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में एप्पल पहले स्थान पर

▶▶ टॉप-10 कंपनियों में ज्यादातर कंपनियां अमेरिका की हैं ▶▶ फोर्ब्स की इस लिस्ट में टॉप-10 में भारत की कोई भी कंपनी नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी दुनिया के सबसे अमीर लोगों का नाम आता है तो उसमें एलन मस्क, जेफ बेजोस, मार्क जकरबर्ग, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी आदि का नाम आता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया की सबसे ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनियों के मालिक इनमें से बहुत कम हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स की कंपनी का मार्केट कैप टॉप 10 कंपनियों में भी नहीं है। बात जब भी दुनिया की टॉप-10 कंपनियों की आती है तो उनमें अमेरिका का नाम सामने आता है। ठीक उसी प्रकार जैसे दुनिया के टॉप-10 सबसे अमीर लोगों में भी अमेरिकी ही छाए हुए हैं।

10 में से 8 कंपनियां अमेरिका की

फोर्ब्स के मुताबिक सबसे ज्यादा मार्केट कैप के मामले में दुनिया की टॉप-10 कंपनियों में टॉप-5 कंपनियां अमेरिका की हैं। हालांकि टॉप-10 में तीन और कंपनियां अमेरिका की हैं। इस प्रकार मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में 8 कंपनियां अमेरिका की हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में अमेरिका पहले स्थान पर है। अब आप सोचेंगे कि टॉप-10 में क्या भारत की कोई कंपनी नहीं है? तो आप सही सोच रहे हैं। फोर्ब्स की लिस्ट में टॉप-10 मूल्यवान कंपनियों में भारत से कोई भी कंपनी नहीं है।

टॉप-5 में ये कंपनियां हैं शामिल

फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक टॉप-10 में से टॉप-5 कंपनियां अमेरिका की हैं। इसमें पहले नंबर पर एप्पल है। आईफोन समेत कई गैजेट्स बनाने वाली यह कंपनी टेक्नॉलजी सेक्टर में काम करती है। इस कंपनी का इस कंपनी का मार्केट कैप 3.36 लाख करोड़ डॉलर है। वहीं दूसरे नंबर पर बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट है। यह कंपनी भी टेक्नॉलजी सेक्टर से जुड़ी है। इसका मार्केट कैप करीब 3 लाख करोड़ डॉलर है। तीसरे नंबर पर ब्लू चिप बनाने वाली कंपनी एविडिया है। इसका मार्केट कैप 2.63 लाख करोड़ डॉलर है। चौथे नंबर पर एल्फोबेट्स (गूगल) है। इसका मार्केट कैप 1.94 लाख करोड़ डॉलर है। 5वें नंबर पर ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन है। इसका मार्केट कैप 1.87 लाख करोड़ डॉलर है।

टॉप-10 में इस देश की कंपनियां भी शामिल

टॉप-10 कंपनियों में 8 अमेरिका की कंपनी हैं। बाकी दो कंपनियां दूसरे देश की हैं। 6वें नंबर पर सऊदी अरब की कंपनी सऊदी अरामको है। यह कंपनी ऑइल और गैस सेक्टर से जुड़ी है। इसका मार्केट कैप 1.77 लाख करोड़ डॉलर है। 9वें नंबर पर टीएसएसी कंपनी है। सेमीकंडक्टर सेक्टर से जुड़ी यह कंपनी ताइवान की है। इसका मार्केट कैप 849 अरब डॉलर है।

भारत की कंपनियां कहां है?

दुनिया की सबसे मूल्यवान टॉप-10 कंपनियों में भारत से कोई भी कंपनी नहीं है। दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में भारत से पहला स्थान मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का है। हालांकि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में यह 46वें स्थान पर है। इस कंपनी का मार्केट कैप 19.82 लाख करोड़ रुपये है। इसके बाद ञ्ञष्टस् का नंबर आता है। यह भारत की दूसरी और दुनिया की 64वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप 16.20 लाख करोड़ रुपये है।

धनतेरस पर सोने की कीमत बना सकती हैं नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले कुछ समय में सोने की कीमतें बढ़ने वाली है। विशेषज्ञों ने सोने की कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। आने वाले समय में कई कारक सोने की कीमतों में उछाल ला सकते हैं, जैसे त्योहारी सीजन, शादियों का समय और विश्व के विभिन्न हिस्सों में युद्ध की स्थिति। भारत ने हाल ही में अपने सोने के भंडार में वृद्धि की है। इस साल के बजट में सोने पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी, जिसके कारण सोने की कीमत में गिरावट आई थी और यह 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे आ गया था। हालांकि, अब फिर से सोने में तेजी देखी जा रही है और विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन महीनों में सोने की कीमत में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। वर्तमान में एमसीएक्स पर सोने की कीमत 71,500 रुपए प्रति 10 ग्राम है। त्योहार और शादियों का सीजन आने वाला है, जिससे सोने की कीमतों में उछाल की उम्मीद है। दिवाली के समय अक्सर सोने की कीमतें बढ़ती हैं और इस बार धरतेरस पर सोने की कीमत नया रिकॉर्ड बना सकती है। देवोत्थान एकादशी के बाद शादियों का सीजन भी शुरू होगा, जिससे सोने की मांग और बढ़ने की संभावना है। अमेरिका में मंदी की संभावना को देखते हुए, फेडरल रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो सोने की कीमतों में तेजी आने की संभावना है। अमेरिका के आगामी चुनावों के मद्देनजर भी वहां की सरकार पर मंदी को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को कम करने का दबाव है। रूस-यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्षों के कारण सोने की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। युद्ध की स्थितियों के चलते कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी बढ़ा दी है, जिससे सोने की कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है। भविष्य में युद्ध की परिस्थितियां और बिगड़ने की संभावना है, जिसके चलते सोने की मांग और भंडारण में वृद्धि हो सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में नहीं थम रही गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। भाविश अग्रवाल के मालिकाना हक वाली कंपनी के शेयर सोमवार (9 सितंबर) को शुरुआती कारोबार में ही 5 फीसदी से अधिक गिर गए। उसके करीब 18.18 करोड़ शेयरों का लॉक-इन पीरियड भी आज खत्म हो गया। इसका मतलब है कि अब इन शेयरों को बेचने पर लगी बंदिश हट गई। इससे निवेशक चाहें, तो वे इन शेयरों को बेचकर कंपनी से बाहर निकल सकते हैं। हालांकि, ऐसा करना जरूरी नहीं है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक- 5 सितंबर 2024 से 30 नवंबर 2024 के बीच ओला इलेक्ट्रिक समेत कुल 38 कंपनियों के करीब 21 अरब डॉलर के शेयरों का लॉक-इन पीरियड खत्म होगा। हालांकि, ब्रोकरेज ने यह भी स्पष्ट किया कि इन सभी शेयरों की बिक्री नहीं होगी, क्योंकि इनका बड़ा हिस्सा प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास भी है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर दोपहर 1 बजे तक 5.10 फीसदी की गिरावट के साथ 103.98 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

2.36 लाख करोड़ के निवेश से भारत में लगेंगे 6 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, लाखों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पहल तेजी से आकार ले रही है। वैश्विक और घरेलू कंपनियों द्वारा इस सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। अब तक देश में 6 सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को मंजूरी मिल चुकी है, जिसमें करीब 2.36 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत कंपनियों को सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने पर 50 प्रतिशत पूंजीगत सहायता प्रदान की जा रही है। जानकारों का मानना है कि भारत के सेमीकंडक्टर हब बनने से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

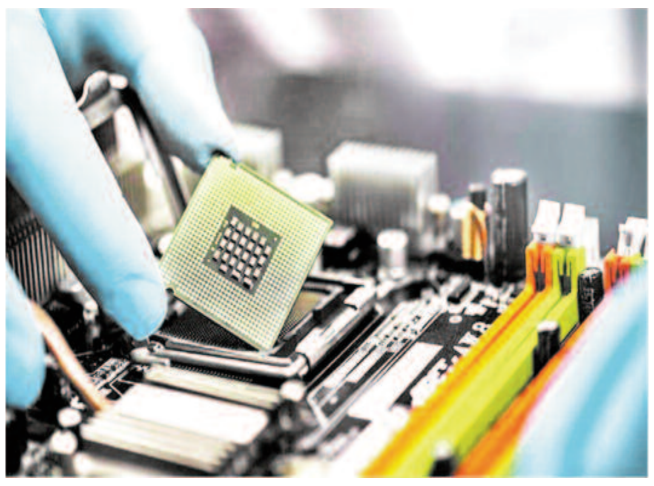

प्रमुख सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में अडानी ग्रुप और इजराइली कंपनी टावर सेमीकंडक्टर का 83,947 करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में इसकी उत्पादन क्षमता 40,000 वेफर्स प्रति माह होगी और दूसरे चरण में यह 80,000 वेफर्स तक पहुंच जाएगी।

अमेरिका की माइक्रोन कंपनी गुजरात के साणंद जिले में 23,000 करोड़ रुपए के निवेश से भारत का पहला ओएसएटी प्लांट बना रही है। यहां डीआरएएम और एनएएनडी उत्पादों की असेंबली और टेस्टिंग की जाएगी। यह प्लांट 2025 के मध्य तक काम शुरू कर सकता है।

टाटा ग्रुप और ताइवान की पीएसएमसी कंपनी मिलकर गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर फैब बना रहे हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 50,000 वेफर्स प्रति महीने होगी और 2026 तक यह काम करना शुरू कर देगा।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम के जगीरोड, मोरीगांव में 27,000 करोड़ रुपए के निवेश से ग्रीनफील्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा स्थापित कर रही है। यह उत्तर-पूर्व भारत का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट होगा।

सीजी पावर, जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में 7,600 करोड़ रुपए के निवेश से ओएसएटी प्लांट बना रही है। इसमें 5जी तकनीक और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सेमीकंडक्टर बनाए जाएंगे।

कायन्स सेमीकॉन गुजरात के साणंद में 3,307 करोड़ रुपए के निवेश से ओएसएटी प्लांट स्थापित कर रही है, जिसमें प्रतिदिन 63 लाख चिप बनाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट को हाल ही में कैबिनेट से मंजूरी मिली है।

इन निवेशों से भारत को सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है, जिससे देश की तकनीकी क्षमता में बड़ा सुधार होगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

2 साल में 1400 प्रतिशत चढ़ गए बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर सोमवार को 9 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के बिल्कुल करीब हैं। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले 2 साल में 1400 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। दिग्गज निवेशक आशीष कचौलिया ने बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। कचौलिया के पास बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के 21 लाख से ज्यादा शेयर हैं। 2 साल में 1400 प्रतिशत से अधिक उछल गए कंपनी के शेयर

बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर 2 सितंबर 2022 को 55.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2024 को 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 2 साल में स्मॉलकैप कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1415 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। अगर किसी व्यक्ति ने 2 सितंबर 2022 को बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 15.16 लाख रुपये होती। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले एक साल में 315 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2023 को 203.65 रुपये पर थे। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर 9 सितंबर 2024 को 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 240 पर्सेंट का उछाल आया है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को कंपनी के शेयर 247.60 रुपये पर थे, जो कि 9 सितंबर 2024 को 845 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 849.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 154.55 रुपये है।

70 डॉलर के करीब आ गया कच्चा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑयल मार्केटिंग पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दी हैं। क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। ब्लूमबर्ग एनर्जी के मुताबिक ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा अब 71.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 68.50 डॉलर प्रति बैरल पर है। इसके बावजूद आज भी भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारत में सबसे सस्ता तेल बेचने वाला अंडमान और निकोबार है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 82.42 रुपये है। जबकि, डीजल 78.01 रुपये लीटर। लाइव मिंट के मुताबिक भारत में सबसे महंगा पेट्रोल आदिलाबाद में 109.41 रुपये लीटर बिक रहा है।

2028 तक गौतम अडानी बन सकते दुनिया के दूसरे ट्रिलिनेयर!

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2027 तक दुनिया को अपना पहला ट्रिलिनेयर मिलने की संभावना है और यह व्यक्ति एलन मस्क हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मस्क की नेटवर्थ 2027 तक एक लाख करोड़ डॉलर यानी 8,39,67,92,09,00,000 रुपए तक पहुंच सकती है। दिलचस्प बात यह है कि मस्क के एक साल बाद 2028 में भारत को भी अपना पहला ट्रिलिनेयर मिल सकता है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अगर सालाना 123 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर बनाए रखते हैं, तो वे भी इस क्लब में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में मस्क 237 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं, जबकि गौतम अडानी 99.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 13वें स्थान पर हैं।

एक स्टडी के अनुसार, टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियों का नेतृत्व करने वाले मस्क की नेटवर्थ सालाना 110 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 तक उनकी संपत्ति चार गुना से भी अधिक हो जाएगी। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 7.73 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है।

अडानी की नेटवर्थ में भी हो रही है तेजी

दूसरी ओर, अडानी की संपत्ति सालाना 123 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ रही है। अगर यह दर बरकरार रहती है, तो 2028 तक अडानी भी ट्रिलिनेयर क्लब में शामिल हो सकते हैं। इस साल अडानी की नेटवर्थ में 15.3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। एशियाई रईसों की सूची में अडानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

2030 तक ट्रिलिनेयर क्लब में कई नए नाम

रिपोर्ट के अनुसार, एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग और इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस प्राजोगो पेंगेस्तू 2028 तक ट्रिलिनेयर बन सकते हैं। वहीं, फ्रांसीसी व्यवसायी बर्नार्ड अरनॉल्ट 2030 तक इस क्लब में शामिल हो सकते हैं। उसी साल फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग भी ट्रिलिनेयर क्लब का हिस्सा बन सकते हैं। अब तक सिर्फ कुछ कंपनियां ही ट्रिलियन डॉलर क्लब में शामिल हुई हैं, जिनमें ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, अल्फाबेट, ऐमजॉन, सऊदी अरामको और मेटा शामिल हैं। वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने भी हाल ही में ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल किया था।

रफ्तार पकड़ रहा इलेक्ट्रिक गाड़ियों का बाजार, क्रूड ऑइल का मांग में आएगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज वर्ल्ड इवी डे है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों का बाजार धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। हालांकि एक्सपर्ट मानते हैं कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर अभी कई चुनौतियां हैं। ऐसी गाड़ियों की ऊंची कीमत, चार्जिंग के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के अलावा और भी कई समस्याएं देखने को मिल रही हैं।

द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टिट्यूट के एक विश्लेषण के अनुसार, इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अपनाने से प्रदूषण के साथ कच्चे तेल के आयात, कार्बन उत्सर्जन और ट्रैफिक जाम में कमी आएगी। हालांकि कई चुनौतियां भी बरकरार हैं। पट्रोल या सीएनजी भरवाने की तुलना में इन गाड़ियों को चार्ज करने में अधिक समय लगता है। ऐसे में कम चार्जिंग स्टेशन होना बड़ी परेशानी है।

अनिल अंबानी देंगे बड़े भाई मुकेश अंबानी को टक्कर! इलेक्ट्रिक कार और बैटरी के कारोबार में करेंगे एंट्री

कीमत ज्यादा होना बड़ा कारण

इलेक्ट्रिक गाड़ियों महंगी भी हैं। लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होने से कीमत काफी बढ़ जाती है। लिथियम के ज्यादातर भंडार कुछ ही देशों में हैं। विश्व में लिथियम भंडार का 65 फीसदी बोलिविया और चिली में हैं। कोबाल्ट का 60 फीसदी भंडार कांगो में हैं। इन धातुओं की लिमिटेड सप्लाई ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कीमत काफी बढ़ा दी है।

बेहतर करने होंगे चार्जिंग स्टेशन

क्लाइमेट ट्रेंड्स के अनुसार, गाड़ियां खरीदते समय ज्यादातर लोग रिसेल वैल्यू को ध्यान में रखते हैं। इलेक्ट्रिक गाड़ियों के मामले में रिसेल पर काफी दुविधा है। नीति आयोग के सीनियर स्पेशलिस्ट रणधीर सिंह के अनुसार, इस वक्त हमारे देश में बैटरी की कीमत 165 से 200 डॉलर प्रति किलोवॉट है। सबसे पहले तो हमें चार्जिंग सिस्टम को बेहतर करना होगा।

रफ्तार पर होना चाहिए फोकस

इन गाड़ियों का रोजाना औसत उपयोग 17 से 21 किलोमीटर के बीच है। सड़क पर जो भी इलेक्ट्रिक गाड़ियां उतारी जाएंगी, उनकी न्यूनतम रेंज 80 किलोमीटर और रफ्तार 45 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए। अगर टू-वीलर्स को देखें तो 90 फीसदी से ज्यादा की न्यूनतम रेंज कवर हो जाती है। इन्हें घर या दफ्तर में ही चार्ज किया जा सकता है। इसके लिए बिल्डिंग बाइलॉज में बदलाव की जरूरत है और पार्किंग का 20 फीसदी हिस्सा इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए आरक्षित करना होगा।

अभी सीमित हैं विकल्प

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की एक कंपनी की चीफ बिजनेस ऑफिसर रवनीत फोकेला के अनुसार, पट्रोल या डीजल से चलने वाले कोई गाड़ी खरीदते वक्त हमारे पास 40-50 विकल्प होते हैं, लेकिन इलेक्ट्रिक गाड़ियों में अब भी काफी सीमित विकल्प हैं। फिलहाल कोई रीसेल मार्केट भी नहीं है। हमें होड़ में बने रहने के लिए बेहतर बाई बैक पॉलिसी की जरूरत है।

बैटरी को लेकर सवाल

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी को लेकर पर्यावरण से जुड़ी चिंताएं भी हैं। ष्टस्श्व की अनुमिता रायचौधरी ने बताया कि ज्यादातर कार कंपनियां बैटरी की आठ साल की गारंटी दे रही हैं। बैटरी के लिए पॉलिसी भी बन चुकी है। कारों की बैटरी की रिसेल वैल्यू होने की वजह से इनके निस्तारण में जोखिम की संभावना कम है। बैटरी की कीमत 4 से 8 लाख रुपये तक हो सकती है। पुरानी बैटरी देने पर नई बैटरी में पुरानी बैटरी की कंडिशन के हिसाब से छूट मिलती है। यही वजह है कि गाड़ियों की बैटरी निस्तारण में अधिक समस्या नहीं आती। फिर भी चार से पांच साल बाद सही स्थिति पता चलेगी, जब इन गाड़ियों की बैटरी लाइफ खत्म होने लगेगी।

नाबालिग को नहीं मिलेगा पीपीएफ का ब्याज, एक अक्टूबर से बदल रहे नियम; गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। डाकघर की छोटी बचत योजनाओं के तहत संचालित पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) के नियमों में एक अक्तूबर, 2024 से तीन बड़े बदलाव होने वाले हैं। वित्त मंत्रालय के तहत काम करने वाले आर्थिक मामलों के विभाग ने इसे लेकर सर्कुलर जारी किया है। बदलावों का मकसद इस योजना के तहत नाबालिग से लेकर एनआरआई तक के अलग-अलग अनियमित खातों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) और अन्य छोटी बचत योजनाओं को लेकर भी नए नियम जारी किए गए हैं।

नाबालिग के नाम पर खोले गए पीपीएफ खाते के मामले में उसके 18 साल का होने तक पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट (पीओएसए) के बराबर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। ऐसे खातों पर पीपीएफ का ब्याज तभी मिलेगा, जब नाबालिग खाता खोलने के लिए पात्र हो जाएगा यानी 18 साल का हो जाएगा। उसके बाद लागू दर पर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। ऐसे खातों के लिए मैच्योरिटी अवधि की गणना उस तारीख से होगी, जिस दिन नाबालिग वयस्क हो जाएगा। इस समय पीपीएफ पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है। एक से अधिक पीपीएफ खाता रखने पर प्राइमरी अकाउंट पर मौजूदा दर से ब्याज मिलेगा। इसकी शर्त यह है कि इसमें जमा राशि हर साल के लिए लागू अधिकतम सीमा के अंदर हो। सेकंडरी खाते में पड़ा पैसा प्राइमरी अकाउंट में मिला दिया जाएगा। शर्त यह है कि प्राइमरी खाता हर साल अनुमानित निवेश सीमा के दायरे में रहे। यह ध्यान रखना जरूरी है कि प्राइमरी व सेकंडरी के अलावा किसी भी अतिरिक्त खाते पर उनके खुलने की तिथि से कोई ब्याज नहीं मिलेगा। एनआरआई पीपीएफ खाते पर भी 30 सितंबर तक पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट के बराबर ब्याज का भुगतान होगा। इसके बाद ऐसे खातों पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा। यह नियम पब्लिक प्रोविडेंट फंड स्कीम-1968 के तहत खोले गए उन सक्रिय एनआरआई पीपीएफ खातों पर लागू होगा, जहां फॉर्म एच में खाताधारक की निवास स्थिति के बारे में स्पष्ट नहीं पूछा गया है।

सुकन्या समृद्धि में लीगल अभिभावक को ट्रांसफर करना होगा खाता

एक अक्तूबर से होने वाला बदलाव ऐसे सुकन्या समृद्धि खाते पर लागू होगा, जो छोटी बचत योजनाओं के तहत खोले गए हैं। नए नियम के मुताबिक, अगर किसी बच्ची का सुकन्या समृद्धि खाता ऐसे व्यक्ति ने खोला है, जो उसका कानूनी अभिभावक नहीं है तो उसे यह खाता नेचुरल पेरेंट्स या लीगल अभिभावक को ट्रांसफर करना होगा। ऐसा नहीं होने पर खाता बंद किया जा सकता है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए हुआ टीम इंडिया का ऐलान, पंत-राहुल की हुई वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ भारत को दो मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है। इसकी शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में होगी। इस टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 8 सितंबर की रात टीम इंडिया का ऐलान किया गया। भारतीय टेस्ट टीम में 21 महीने बाद ऋषभ पंत की वापसी हुई। केएल राहुल को भी टीम का हिस्सा बनाया गया। रोहित शर्मा की कप्तानी में 16 सदस्यीय भारतीय टीम में सरफराज खान का भी नाम है।

पंत की टीम में हुई वापसी

बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए विराट कोहली की भी भारतीय टीम में वापसी हुई है जो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा व्यक्तिगत कारणों से नहीं थे। इस टीम में ऋषभ पंत बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज शामिल किए गए हैं जबकि बैकअप विकेटकीपर के रूप में ध्रुव जुरैल को टीम का हिस्सा बनाया गया है। रजत पाटीदार को टीम से बाहर कर दिया गया है।

यश दयाल को पहली बार टेस्ट टीम में मिली जगह

इस टीम में तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और यश दयाल को चुना गया है जबकि आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव टीम में स्पिनर के रूप में मौजूद हैं। आकाश दीप ने दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले ही मैच में 9 विकेट लिए थे और उन्हें इसका इनाम मिला है और वो टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। यश दयाल को घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिला है।

पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरैल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

संक्षिप्त समाचार

ब्रेंडन मैकुलम बने तीनों फार्मेट में कोच, जोस बटलर को दिलाएंगे आनंदः मोइन

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले हरफनमौला खिलाड़ी मोइन अली का मानना है कि ब्रेंडन मैकुलम सफेद गेंद के लिए सही व्यक्ति हैं। मैथ्यू मॉट के बाहर जाने के बाद मैकुलम को इस भूमिका के लिए चुना गया था। वह अगले साल से इंग्लैंड के सभी प्रारूपों के कोच का कार्यभार संभालेंगे। मोईन ने इस पर कहा कि मैकुलम अगर कोच बनेंगे तो इससे जोस बटलर को मदद मिलेगी। मोईन ने कहा कि जोस के पास बहुत कुछ है – कप्तान, कीपर, हमारा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। मैकुलम उसे थोड़ा और आनंद दिला सकता है। वह जोस बटलर के लिए महत्वपूर्ण है। यह पूछे जाने पर कि अगर मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अधिक टेस्ट क्रिकेट खेला होता तो क्या वह सफल होते, मोइन ने जवाब दिया– निश्चित रूप से। एक समय था, जब मैंने पहली बार 2021 में टेस्ट से संन्यास लिया था। मैं जिस तरह से खेल रहा था मुझे आनंद नहीं आ रहा था। यह उतना मजेदार नहीं था। मुझे हमेशा नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने में मजा नहीं आया। मुझे लगा कि मैं अपनी बल्लेबाजी बर्बाद कर रहा हूं।मोईन ने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने सभी प्रारूपों में 6678 रन बनाने के अलावा 366 विकेट भी लिए। वह 2019 वनडे विश्व कप और 2022 टी20 विश्व कप विजेता भी हैं। मोईन ने 2019 वनडे विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन को इंग्लैंड के क्रिकेटर के रूप में अपने समय में अब तक का सर्वश्रेष्ठ कप्तान बताया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं। मोर्ग्स उत्कृष्ट थे। मुझे याद है कि उनके कप्तान बनने के तुरंत बाद मैं सीमा रेखा पर पकड़ा गया था। मैंने उनसे कहा–मुझे इसे एक बार मारना चाहिए था। उन्होंने कहा कि नहीं, अगली बार इसे मैदान से बाहर जाना होगा। मैंने सोचा ठीक है, यह लड़का दिलचस्प है।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स बनी चैंपियन, आयुष बदोनी की टीम को 3 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन का खिताब ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने अपने नाम कर लिया है. हिम्मत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स को 3 रन से हरा दिया. 184 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही साउथ दिल्ली की टीम अंतिम दो गेंदों पर चार रन नहीं बना पाई और वो खिताब जीतने से चूक गई. दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा. ईस्ट दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए. टीम के लिए मयंक रावत ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 गेंद पर 7 चौके और 6 छक्के की मदद से 78 रन की तूफानी पारी खेली. साउथ दिल्ली इस लीग में शानदार फॉर्म में चल रही थी. फाइनल मुकाबले में माना जा रहा था कि वह ईस्ट दिल्ली द्वारा दिए गए 184 रन के लक्ष्य का पीछा कर लेगी. हालांकि आयुष बदोनी की टीम खिताबी मुकाबले में लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई और टारगेट से 3 रन दूर रह गई. पूरे टूर्नामेंट में साउथ दिल्ली की ओर से बल्ले से धमाल मचाने वाले कप्तान आयुष बदोनी का बल्ला फाइनल मुकाबले में फेल रहा. बदोनी खिताबी मुकाबले में सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हुए.

इटली के जैनिक सिनर ने जीता यूएस ओपन

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर यूएस ओपन का मेंस सिंगल्स टाइटल जीत लिया है। इटैलियन स्टार ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराया। वे साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने वाले इटली के पहले पुरुष खिलाड़ी बने हैं। वे ओवरऑल दूसरे खिलाड़ी बने हैं। साल 2015 में फ्लाविया पैनेटा ने विमेंस सिंगल्स का टाइटल जीता था। 23 साल के सिनर ने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता है। उन्होंने साल 2024 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ओपन भी जीता था। सिनर के लिए यह साल शानदार रहा। सिनर ने जीत के बाद ङ्क पर लिखा- शुक्रिया न्यूयॉर्क, 2 हफ्तों के शानदार प्रदर्शन के बाद यहां अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतना विशेष रहा। समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। आपका सपोर्ट बहुत मायने रखता है। मुझे यह खेल बहुत पसंद है। यह मेरे लिए सब कुछ है। साल के आखिर में काम पर वापस जाने से पहले अपनी टीम और अपने परिवार के साथ इस पल का आनंद लेने का समय आ गया है। काम कभी नहीं रुकता है, हम सभी आगे बढ़ते रहते हैं।

2 घंटे से ज्यादा चला मुकाबला न्यूयॉर्क में रविवार देर रात शुरु हुआ फाइनल मुकाबला 2 घंटे 16 मिनट तक चला। इसमें टॉप सीड सिनर का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने पहले सेट को 6-3 से जीता। फिर दूसरे सेट को 6-4 से जीतते हुए बढ़त बनाई और आखिरी सेट को 7-5 से जीतते हुए मैच अपने नाम किया। 18 साल बाद फाइनल पहुंचा था अमेरिकी खिलाड़ी दूसरी ओर अमेरिका के टेलर फ्रिट्स पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने से चूक गए। 18 साल बाद कोई अमेरिका का खिलाड़ी यूएस ओपन में मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा था। उनसे पहले 2006 में एंडी रॉडिक ने यह कारनामा किया था।

फ्रिट्ज के पास पहला ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका था, लेकिन वे कामयाब नहीं पाए। साल 2003 के बाद से यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स में अमेरिका का कोई खिलाड़ी खिताब को जीत नहीं पाया है। 10 लाख फैंस यूएस ओपन देखने पहुंच इस बार यूएस ओपन को देखने के लिए 10 लाख से ज्यादा फैंस मैच देखने स्टेडियम पहुंचे। फाइनल मैच के बाद यूएस ओपन के आयोजकों ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि यूएस ओपन में मैदान पर मैच देखने वाले फैंस की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मैच देखने पहुंचे हैं।

6 मुक्केबाज दीपाली थापा बनीं पहली एशियाई स्कूली चैंपियन छात्रा, भारत ने जीते सात खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। इस खिताब को जीतने के बाद दीपाली पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनीं। अब भारत के नाम एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब हो गए हैं। दीपाली के अलावा भूमि ने 35 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की एस्सेल जालिमबेकोवा को हराकर जीत हासिल की।

भारत ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल ऐन में चल रही एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब जीते। युवा मुक्केबाज दीपाली थापा ने 33 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एनेलीया ऑर्डाबेक को हराया और फाइनल में यूक्रेन की लियुडमिला वासिलचेंको पर हावी होकर खिताब जीतने के लिए बेहतर तकनीक और नियंत्रण का प्रदर्शन किया। इस खिताब को जीतने के बाद दीपाली पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनीं। अब भारत के नाम एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब हो गए हैं। दीपाली के अलावा भूमि ने 35 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की एस्सेल जालिमबेकोवा को हराकर जीत हासिल की। वहीं, निश्चल शर्मा ने यूक्रेन की मारिया मत्सिउरा पर रणनीतिक जीत के साथ 37 किग्रा वर्ग में भारत की तालिका में इजाफा किया। राखी ने 43 किग्रा वर्ग में यूक्रेन की वेरोनिका होलब को हराकर भारत को चौथी जीत दिलाई।

क्षमतावान कोच ढूंढना चाहिए

पेरिस ओलंपिक में भारतीट बैडमिंटन टीम का बिना पदक लौटना चिंता का विषयः गोपीचंद

चंडीगढ़, एजेंसी। पैरिस ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन टीम के बिना पदक खाली हाथ लौटने पर भारतीय बैडमिंटन कोच फुलेला गोपीचंद ने कहा कि यह सही है कि पिछले तीन ओलंपिक में हमें मेडल मिला है, जिन्होंने इस बार मेडल नहीं आने पर इसको चिंता का विषय करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया, साई और सरकार गहराई से इसके कारण जानेगी। आखिर क्यों पिछले दो ओलंपिक में मेडल आए थे। ताकि भविष्य में भारतीय बैडमिंटन आगे बढ़ सके।

रविवार को शहर के सैक्टर-38 स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि के तौर पर आए भारतीय कोच ने मीडिया के साथ बातचीत में माना कि यह एक सिस्टम फेलियर हुआ है जो भी गलतियां हुई उसमें अकेले प्लेयर्स को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि हर गेम हर प्लेयर अलग होता है, हमारी बेहतर तरीके से तैयारी और फोकस होना चाहिए था। उन्हें उम्मीद है कि हम उन गलतियों पर काम करके आगे की राह तय करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले ओलंपिक के लिए प्लानिंग पर भी काम शुरू हो गया है। वहीं, भारतीय कोच ने पैराओलंपिक प्लेयर्स के प्रदर्शन पर खुशी जताई।

वहीं, भारतीय कोच ने मजाकिया लहजे में कहा कि कोचिंग में आप को रोज सुनना पड़ता है, हमें ऐसे क्षमतावान कोच ढूंढने चाहिए जो प्लेयर्स को ऊपर उठा सके। जिन्हें स्वतंत्रता देनी चाहिए, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। एक खिलाड़ी का खून पसीना मैदान में लगता है, खिलाड़ी ऑफिस में तैयार नहीं होते हैं।

पुलिस में की शिकायत

बजरंग पुनिया को व्हाट्सएप पर मिली जान से मारने की धमकी, कांग्रेस छोड़ने को कहा

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता व भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने हाल ही में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद उन्हें किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया था। इन सारी बातों के बीच अब ऐसी खबरें सामने आई है कि बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक बजरंग पूनिया को व्हाट्सएप पर संदेश के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई।

इस तरह की धमकी मिलने के बाद बजरंग पूनिया ने इसकी शिकायत बहालगढ़ पुलिस थाने में दर्ज कराई है और अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सोनीपत एसपी रविंद्र सिंह का कहना है कि बजरंग पुनिया ने बहालगढ़ थाने में शिकायत दी है कि उन्हें एक विदेशी नंबर से धमकी भरा मैसेज मिला है। कानूनी कार्रवाई चल रही है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने धमकी दी है और इसकी जांच की जा रही है।आपको बता दें कि बजरंग पूनिया कांग्रेस में शामिल होने के बाद बृजभूषण शरण सिंह को भी लगातार निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी और बृजभूषण शरण सिंह की दिक्कत यही है कि हम कांग्रेस में शामिल हो गए। हम भाजपा में जाते तो देशभक्त कहलाते, लेकिन कांग्रेस में शामिल हुए तो वो हमें देशद्रोही बता रहे हैं।बजरंग पूनिया ने कहा कि हम अपने नेता राहुल गांधी के पूरी तरह से साथ हैं जो हर वर्ग के लिए आवाज उठा रहे हैं। मैं एक किसान का बेटा हूं और एक एथलीट भी हूं। पार्टी की तरफ से जो मुझे जिम्मेदारी दी गई है उसके बाद मैं किसानों की आवाज को बेहतर तरीके से उठा सकता हूं।

ओलंपिक में बॉक्सिंग के भविष्य पर खतरा...

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वॉर्स्ट ने आधुनिक तकनीक, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , का इस्तेमाल कर मुक्केबाजी के स्कोरिंग सिस्टम को और पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की प्रतिबद्धता जताई है. उन्होंने कहा कि यह कदम उस वक्त तक प्रभावी होगा जब तक इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी से उनकी संस्था को आधिकारिक मान्यता नहीं मिल जाती.

मौजूदा मुक्केबाजी स्कोरिंग सिस्टम पर अक्सर उसकी जटिलता, विवाद और पक्षपात के आरोप लगते हैं. खेल के दौरान कई बॉक्सर्स को खराब फैसलों का सामना करना पड़ा है और वे खुद को ठगा महसूस करते हैं. पिछले दशक में कई बदलावों के बावजूद, स्कोरिंग प्रक्रिया अब भी अपारदर्शी ही है.हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव को पुरुषों की 71 किग्रा क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जबकि उन्होंने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था. इस निर्णय के बाद बड़ी बहस और आक्रोश देखने को मिला था. बोरिस वैन डेर वॉर्स्ट ने एक विशेष इंटरव्यू में कहा, हम आधुनिक तकनीक जैसे एआई का उपयोग कर स्कोरिंग को पारदर्शी बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं. बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है ताकि स्कोरिंग को ज्यादा निष्पक्ष बनाया जा सके. हमें विश्वास बहाली करनी है और इस दिशा में हम आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं. पिछले नवंबर में वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रमुख चुने गए डचमैन वैन डेर वॉर्स्ट ने आशा जताई कि इस वर्ष के अंत तक उनकी संस्था को आईओसी से मान्यता मिल जाएगी. हाल ही में एशियन बॉक्सिंग कॉन्फेडरेशन (एएसबीसी) कांग्रेस में 14 एशियाई देशों ने वर्ल्ड बॉक्सिंग का समर्थन किया, जबकि 21 ने आईबीए के साथ बने रहने का फैसला किया. वैन डेर वॉर्स्ट ने कहा, कुछ एशियाई संघों ने हमारे खिलाफ वोट किया है, लेकिन कई संघ व्यक्तिगत रूप से हमारे साथ जुड़े हैं, जिनमें भारत भी शामिल है. हमें कम से कम 50 राष्ट्रीय संघों की जरूरत है ताकि हम समर ओलंपिक में अपनी जगह बनाए रख सकें, लेकिन हम इससे अधिक चाहते हैं. हम वैश्विक प्रतिनिधित्व और विविधता चाहते हैं.

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 ने रिलीज से पहले रचा इतिहास

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 का टीजर रिलीज होने के बाद से ही सुर्खियों में है। हाल ही में यह भी बताया गया कि अनिल थडानी ने मोस्ट अवेटेड सुकुमार निर्देशित पुष्पा 2 धमाकेदार सक्सेस के बाद फैंस को फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच पुष्पा 2ः द रूल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म ने सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई कर ली है। इस ब्लॉकबस्टर मूवी ने अपने बजट का आधा पैसा कमा लिया है। फिल्म पुष्पा 2 के पहले पार्ट का क्रेज आज भी लोगों के बीच देखने को मिल रहा है।

पुष्पा 2 बनी ओटीटी की सबसे मंहगी फिल्म

अल्लू अर्जुन का एक बार फिर से पुष्पा 2 में दमादार अंदाज और रश्मिका की क्यूटनेस देखने को मिलने वाली है। उनके अलावा आईपीएस भंवर सिंह शेखावत के रोल में फहद फासिल भी खतरनाक अंदाज में नजर आने वाले हैं। पुष्पा 2 के डिजिटल राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। खबर है कि ये डील करोड़ों में की हुई है। अल्लू अर्जुन फिल्म पुष्पा 2 को नेटफ्लिक्स ने 275 करोड़ रुपये में खरीदा है।

रीम शेख संग लाफ्टर शेफ के सेट पर हादसा

जल गया चेहरा!

रीम शेख को भारती सिंह के शो लाफ्टर शेफ में देखा जा रहा है। उनकी जोड़ी उनकी बेस्ट फ्रेंड जन्नत जुबैर के साथ बनी है। हाल ही में उन्होंने अपनी ऐसी फोटोज शेयर कीं, जिसे देख फैंस बुरी तरह घबरा गए। उन्होंने पोस्ट में बताया कि उनके साथ एक दुर्घटना हुई थी।

टीवी शो लाफ्टर शेफ को दर्शक खूब प्यार दे रहे हैं। यही वजह है कि इस शो को सितंबर में ऑफ एयर नहीं किया जाएगा। इसमें 6 जोड़ियां हैं, जिन्हें अलग-अलग तरह के लजीज पकवान बनाने का टास्क मिलता है। इस दौरान जो मस्ती होती है, वो देख आपकी हंसी नहीं रुकेगी। शो को भारती सिंह होस्ट करती हैं। जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं। जोड़ियों की बात करें तो कृष्णा अभिषेक-कश्मीरा शाह, निया शर्मा-सुदेश लहरी, जन्नत जुबैर-रीम शेख, अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, अर्जुन बिजलानी-करण कुंद्रा और अली गोनी-राहुल वैद्य हैं। हाल ही में रीम के साथ एक हादसा हुआ, जिसके बारे में उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके बताया है। उन्होंने अपनी कुछ फोटोज भी शेयर की हैं, जिनमें उनका चेहरा जला हुआ नजर आ रहा है।

22 साल की रीम शेख ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 3 सितंबर 2024 को मेरे साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, लेकिन भगवान ने मुझे एक ऐसी दुर्घटना से बचाया, जो मेरी जिंदगी बदल सकती थी। चमत्कार क्या होते हैं... आपकी पसंदीदा चॉकलेट आपकी उंगलियों के क्लिक से आपके हाथ में नहीं आ जाती, बल्कि भगवान की टाइमिंग और प्लानिंग होती है।

दीपिका पादुकोण ने बेटी को जन्म दिया

- **शनिवार को एडमिट हुई थीं, महीनों पहले रणवीर ने इच्छा जताई थी- भगवान दीपिका जैसी बेटी दे दे**

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पेरेंट्स बन गए हैं। दीपिका ने रविवार को बेटी को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर कर दी है। एक्ट्रेस शनिवार दोपहर मुंबई के गिरगांव इलाके में मौजूद एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं। उनके साथ रणवीर सिंह और परिवार वाले भी मौजूद थे।

इससे पहले 6 सितंबर को दीपिका बप्पा का दर्शन करने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची थीं। बता दें कि दीपिका ने इस साल 28 फरवरी को सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था कि वे सितंबर 2024 में बच्चे को जन्म देंगी। दीपिका और रणवीर ने रविवार दोपहर यह पोस्ट शेयर किया। कार का शीशा पूरी तरह से कवर रहा, जिस कारण दीपिका और रणवीर की झलक कैप्चर नहीं की जा सकी।

सूत्रों के मुताबिक, रणवीर की मां और बहन भी हॉस्पिटल पहुंची थीं। पेरेंट्स बनने पर आलिया भट्ट, मलाइका अरोड़ा और परिणीति चोपड़ा समेत कई सेलेब्स ने रणवीर और दीपिका को बधाई दी है।

शुक्रवार दोपहर दीपिका पति रणवीर सिंह के साथ सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। इस दौरान दीपिका को ग्रीन साड़ी में देखा गया, वहीं रणवीर कुर्ते-पजामा में नजर आए। इस खास मौके पर दोनों की फैमिलीज भी मौजूद रहीं। दोनों के कई वीडियोज भी सामने आए थे, जिसमें प्रेग्नेंट दीपिका को रणवीर सहारा देते दिखे हैं।

कुछ दिन पहले ही दीपिका ने प्रेग्नेंसी फोटोशूट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। एक्ट्रेस ने सोमवार शाम अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 14 फोटोज शेयर किए थे।

इन फोटोज को शेयर करते हुए दीपिका ने एक तरह से उन लोगों को भी जवाब दे दिया है जो उनकी प्रेग्नेंसी को फेक बता रहे थे। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में एक्ट्रेस की डिलीवरी डेट 28 सितंबर बताई जा रही थी। रणवीर सिंह ने कुछ समय पहले द बिग पिक्चर शो से टेलीविजन डेब्यू किया था। इस शो के प्रमोशनल शूट के दौरान हुए मीडिया इंट्रेक्शन में उन्होंने कहा था कि वो हमेशा से चाहते थे कि उन्हें दीपिका जैसी बेटी हो।

सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों में इन अभिनेत्रियों ने अभिनय से जीता दिल

सूची में करीना का नाम भी शामिल

करीना कपूर की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के शानदार अभिनेत्रियों में होती है। हर तरह के रोल में उन्होंने अपने अभिनय कौशल को साबित किया है। वह जल्द ही द बकिंघम मर्डर्स नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं।

इस फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। हाल ही में रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। फैंस उम्मीद जता रहे हैं कि इस फिल्म में करीना अपने अभिनय से सबको चौंकाने वाली हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले आज हम आपको उन सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें बॉलीवुड अभिनेत्रियों के अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था।

करीना कपूर खान

द बकिंघम मर्डर्स से पहले करीना कपूर खान जाने जां नाम की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में नजर आ चुकी हैं। फिल्म में उनके साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था। रहस्यों से भरी फिल्में बनाने के लिए मशहूर सुजॉय घोष ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। रिलीज के साथ सोशल मीडिया लोगों ने करीना के अभिनय की खूब तारीफ की थी।

विद्या बालन

इस सूची में पहला नाम विद्या बालन का है। वह अपनी प्रतिभा से लाखों दिलों पर राज करती हैं। सुजॉय घोष की कहानी उनके करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में शुरुआत से लेकर अंत तक विद्या अपने पति की तलाश में नजर आती हैं। हालांकि, इसका क्लाइमैक्स चौंका देने वाला था। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने शानदार कमाई की थी।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। ग्लैमरस रोल के साथ वह संजीदा किरदारों को भी बखूबी पर्दे पर उतार चुकी हैं। फिल्म बदला को उनके करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। सुजॉय घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने शानदार कारोबार कर दिग्गजों को भी चौंका दिया था। वहीं, नेटफ्लिक्स की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म हसीन दिलरुबा में भी तापसी पन्नू ने शानदार अदाकारी दिखाई थी।

भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर ने बहुत कम समय में लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। अपने अभिनय करियर में वह अब तक कई तरह के किरदारों में खुद को ढाल चुकी हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उनकी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भक्षक में उन्होंने शानदार अदाकारी दिखाई थी। इस फिल्म की लोगों ने जमकर तारीफ की थी।

भूल चूक माफ, जिगरा के निर्देशक वासन बाला ने श्रद्धा कपूर से मांगी माफी

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की जिगरा का ट्रेलर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है जो सोशल मीडिया पर चर्चा में भी बना हुआ है। वासन बाला की फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्म का ट्रेलर भी काफी धमाकेदार है, जिसे देख लगता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार है। बॉलीवुड फिल्म निर्माता वासन बाला जो अपनी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

इसी बीच अब वासन बाला ने अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से माफी मांगी है, जिसके बाद से हलचल मची हुई है। निर्देशक वासन बाला ने फिल्म स्त्री 2 की प्रशंसा की, लेकिन श्रद्धा कपूर को पोस्ट में टैग नहीं किया था, जिसके कारण उन्होंने एक्ट्रेस श्रद्धा से मांफी मांगी। स्त्री 2 की प्रशंसा करते हुए अपने पोस्ट में श्रद्धा को छोड़कर सभी को टैग कर उनकी तारीफ करने पर उनकी खूब आलोचना की गई। इसी बीच जिगरा के निर्देशक वासन बाला ने रविवार को आलिया भट्ट और वेदांग रैना फिल्म जिगरा का ट्रेलर शेयर कर दिया है और श्रद्धा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ट्रेलर पोस्ट करते हुए और फिल्म की प्रशंसा की। जैसे ही उन्होंने नोट शेयर किया, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस ने बताया कि कैसे वासन बाला ने स्त्री 2 के पोस्ट में उन्हें टैग नहीं किया था, लेकिन फिर भी श्रद्धा ने उनकी प्रशंसा की। कुछ ही मिनटों में निर्देशक बाला ने श्रद्धा के पोस्ट का जवाब दिया और इस दौरान उन्होंने इस गलती के लिए उनके प्रशंसकों से भी माफी मांगी है। उन्होंने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद श्रद्धा, उम्मीद है कि आप और सिद्धांत भी ये फिल्म देखें।

अक्षय कुमार हैं रियल लाइफ खिलाड़ी कुमार

बॉलीवुड के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक अक्षय कुमार 9 सितंबर को अपना 57वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। भारतीय सिनेमा जगत के खिलाड़ी कुमार के नाम से फेमस अक्षय कुमार का असली नाम राजीव हरि ओम भाटिया है। वह बॉलीवुड के इकलौते अभिनेता हैं, जिन्हें फिल्म इंडस्ट्री में खिलाड़ी कुमार कहा जाता है। वह ऑन स्क्रीन ही नहीं रियल लाइफ में भी खिलाड़ी कुमार ही है। बॉलीवुड की बिग बजट फिल्मों में लीड रोल प्ले करने वाले अक्षय कुमार ने पहली फिल्म में महज 7 सेकेंड का रोल किया था और आज पूरी वह साल में 4-5 फिल्में करते हैं।

कई सुपरहिट फिल्म देने वाले अक्षय कुमार का फिल्मी सफर आसान नहीं था। 1991 में रिलीज हुई सौगंध उनकी पहली फिल्म थी, जिसमें उन्हें पहली बार स्क्रीन पर देख गया था। इस फिल्म में साउथ एक्ट्रेस शांतिप्रिया ने उनके संग स्क्रीन पर दिखाई दी थी। अक्षय कुमार मॉडलिंग के साथ फिल्मों में काम करना चाहते थे। इसलिए वे फिल्म प्रोड्यूसर के ऑफिसों के चक्कर भी काटने लगे। वहीं फिल्म 1992 दीदार में बतौर एक्टर रोल मिल था। वहीं बता दें कि 1987 में आई फिल्म आज में अक्षय कुमार ने मात्र 7 सेकंड के लिए रोल निभाया था।

बॉलीवुड के सबसे हिट एक्टर में से एक अक्षय कुमार रियल लाइफ खिलाड़ी भी हैं। अभिनेता अक्षय ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट थे। उन्होंने बैंकॉक जाकर मार्शल आर्ट्स भी सीखा है।

जिगरा में एंग्री यंग वुमन बनीं आलिया

निर्देशक वासन बाला की नई क्राइम थ्रिलर जिगरा का टीजर जारी कर दिया गया है। इसमें एंग्री यंग वुमन बनी आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। जिगरा का पहला टीजर रविवार को रिलीज किया गया और इसने नेटिजन्स को खूब प्रभावित किया है। टीजर की शुरुआत एक भावुक सीन से होती है, जहां आलिया का बैकग्राउंड दिखाया जाता है कि किस तरह वो माता-पिता के बिना बड़ी हुईं। वो अपने संघर्षों के बारे में बताती हैं। आलिया यह जानकर टूट जाती है कि उसका एकमात्र परिवार, उसका भाई वेदांग रैना जेल में बंद है। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है ये देखना को मिलता है कि आलिया उसे छुड़ाने के लिए क्या-क्या करती है।

टीजर में मशहूर गाना फूलों का तारों का भी इस्तेमाल किया गया है और इसमें आलिया को वेदांग रैना को छुड़ाने के लिए हरसंभव कोशिश करते हुए दिखाया गया है। टीजर में कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और हाथापाई के दृश्य हैं, जिसमें आलिया काफी सॉलिड लग रही हैं। एक सीन में आलिया अमिताभ बच्चन का जिक्र करते हुए कहती हैं कि वह अगली एंग्री यंग वुमन हैं। टीजर के सामने आते ही कई नेटिजन्स इसकी तारीफें करने लगे हैं।

सोफिया अंसारी ब्लैक ड्रेस में करती हैं हुस्न का काला जादू

सोफिया अंसारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनके फोटोज और वीडियोज अक्सर वायरल होते रहते हैं। सोफिया अंसारी अपने हद से ज्यादा सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करने में बिल्कुल भी नहीं झिझकती हैं। सोफिया अंसारी के तमाम चाहने वाले फैंस उनकी झलक देखने के लिए बेकरार रहते हैं।

जिसके चलते सोफिया अंसारी की तस्वीरें आते ही तेजी से वायरल हो जाते हैं। यहां पर सोफिया अंसारी की ब्लैक आउटफिट वाली फोटोज हैं जिन्हें देखकर फैंस आहें भरने वाले हैं।

साभार-एजेंसी